दैनिक
लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार ,झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित
RNI-UPHIN/2014/58471

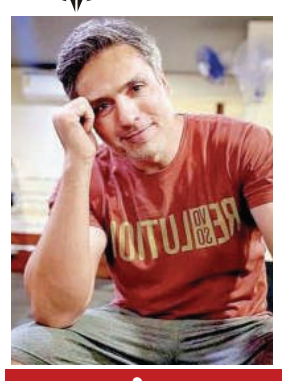

अमन लेखनी

मेरा फोकस .....

फूड नॉइज जब दिमाग .....

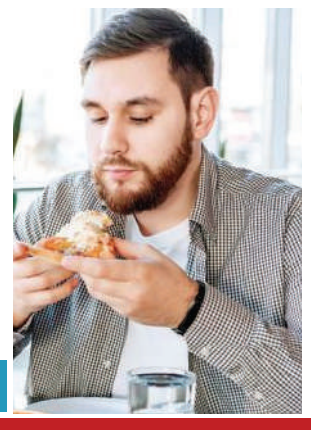

वर्ष : 12 अंक : 93 लखनऊ, 27 मार्च ,शुक्रवार 2026 पृष्ठ : 08 मूल्य : 2.00 रुपए

आपत्ति या चुनौती के समय हर व्यक्ति को सरकार के साथ कदम से कदम मिलाकर चलना होगा : सीएम योगी आदित्यनाथ

लाइन लगाने की जरूरत नहीं, घर पहुंचेगा गैस सिलेंडर: सीएम योगी

अफवाहों पर ध्यान न दें, आवश्यकता पड़ने पर ही पेट्रोल-डीजल लेने जाएं

वैश्विक हालात के बीच सरकार के साथ मिलकर चलने की अपील

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य की जनता को आश्वस्त करते हुए कहा कि रसोई गैस सिलेंडर लेने के लिए एजेंसी के बाहर लाइन लगाने की आवश्यकता नहीं है, निर्धारित समय पर बुकिंग कराएं, सिलेंडर आपके घर पहुंच जाएगा। इसी तरह आवश्यकता होने पर ही पेट्रोल-डीजल लेने जाएं, फिलिंग सेंटरों पर लाइन लगाने की कोई जरूरत नहीं है। कुछ लोग अफवाहें फैला कर राज्य का माहौल खराब करना चाहते हैं, अव्यवस्था फैलाना चाह रहे हैं। लोगों को अफवाहों पर ध्यान नहीं देना चाहिए।

मुख्यमंत्री गुरुवार को गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण क्षेत्र (गीडा) में सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गल्फ वॉर के पहले अगर किसी के घर रसोई गैस का सिलेंडर एक महीने चलता था, तो वह आज पांचवें या छठे दिन ही सिलेंडर लेने क्यों पहुंच रहा है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि निर्धारित समय पर ही बुकिंग कराएं, आपकी बारी आने पर रसोई गैस आपके घर तक पहुंच जाएगी। सरकार ने सभी जिला प्रशासन के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। जैसे पहले गैस सिलेंडरों की होम डिलीवरी होती थी, वैसे ही अब भी होगी। इसके लिए एजेंसी के बाहर लाइन लगाने की कोई जरूरत नहीं है। पेट्रोल-डीजल लेने तभी जाएं, जब आवश्यकता हो, लाइन लगाने की आवश्यकता नहीं है। कुछ लोगों द्वारा साजिश के तहत फैलाई जा रही अफवाहों पर ध्यान नहीं देना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर हम उतावलेपन में आकर किसी अफवाह में, दुष्प्रचार के चक्कर में पड़ते हैं तो हमारी राष्ट्र भक्ति पर लोग संदेह करेंगे। हमको यह सतर्कता रखनी होगी। हमें अपने राष्ट्रीय नेतृत्व पर विश्वास रखकर धन्यवाद देना चाहिए कि भारत में सबकुछ अच्छा है। उत्साहपूर्वक उत्सव मनाए जा रहे हैं। नवरात्रि के कार्यक्रम हो रहे हैं। कल रामनवमी है, कल 12 बजे रामजन्मभूमि पर सूर्य भगवान भी भगवान श्रीराम का राजतिलक करेंगे।

वैश्विक संकट के बीच संयम व सहयोग जरूरी है , मुख्यमंत्री ने कहा कि आज ईरान-अमेरिका/इजराइल युद्ध से पूरी दुनिया प्रभावित है। दुनिया में हाहाकार, अराजकता, अव्यवस्था है, लेकिन भारत के अंदर हम प्रधानमंत्री मोदी जी के यशस्वी नेतृत्व में बेखौफ व सुरक्षित हैं, विकास यात्रा को भी बढ़ा रहे हैं। लेकिन, यह युद्ध लंबा खिंचा तो हर व्यक्ति प्रभावित होगा। हमको भी मानसिक रूप से तैयार होना होगा। अफवाहों पर ध्यान नहीं देना होगा। जब आपत्ति या चुनौती आती है तो उसका मुकाबला करने के लिए हर व्यक्ति को सरकार के साथ कदम से कदम मिलाकर चलना होगा, यही सच्ची राष्ट्र भक्ति होती है। जब हम किसी भी राष्ट्रीय मुद्दे पर सरकार के साथ मिलकर काम करते हैं तो बेहतर परिणाम सामने आएंगे। देशहित में अगर सरकार ने कोई कदम उठाया तो हम उसके लिए खुद को तैयार करेंगे।

चैत्र नवरात्र : भक्तों ने की महागौरी की पूजा-अर्चना, मांगी सुख-समृद्धि

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। गुरुवार अष्टमी पर माता रानी के दर्शन के लिए मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। माता के महागौरी स्वरूप की पूजा अर्चना हुई। महागौरी की पूजा करने से भक्तों के हर कष्ट दूर होते हैं। मां भक्तों पर अपनी कृपा बरसाती हैं। मां महागौरी को नारियल और हलवे का भोग लगाया गया। वहीं घर पर लोगों ने माता का पाठ कर पूजा अर्चना की। शनिवार को शहर में कई जगह भक्तों ने कन्या भोज का भी आयोजन किया गया। चौक स्थित काली जी मंदिर में सुबह से ही भक्तों ने बड़ी संख्या में माता रानी के दरबार पहुंच कर हाजिरी लगाई। माता को नये वस्त्र पहनाए गए। गुलाब के फूलों की माला पहनाकर शृंगार किया गया। वहीं ठाकुरगंज स्थित मां पूर्वी देवी में माता के महागौरी स्वरूप का शृंगार हुआ। माता को हरे और रानी रंग का वस्त्र पहनाए गए। शृंगार सामग्री माता रानी को भेंट की। प्रसाद स्वरूप फल, पेड़ा, बिन्दिया, सिन्दूर, नेलपॉलिश व मेहंदी आदि शृंगार का सामान भेंट किया गया। चौपटिया स्थित संतोषी माता मंदिर में माता को नारंगी रंग के वस्त्र पहनाए गए। गुड़ चना का भोग लगाया गया। वहीं संदोहन देवी मंदिर में माता ने हरे वस्त्र में शेर पर सवार होकर भक्तों को दर्शन दिए। साथ ही शीतला माता मंदिर, मसानी देवी, दुर्गा मंदिर में भी खूब भीड़ रही। चौक स्थित काली जी मंदिर के महंत ने बताया कि मंदिर में बेहद प्राचीन अष्टधातु की लक्ष्मी नारायण की मूर्ति है। जिसे नवरात्र में अष्टमी और नवमी के दिन भक्तों के दर्शन के लिए निकाला जाता है। इस तरह भक्त वर्ष में चार बार ही इस मूर्ति के दर्शन कर पाते हैं। इसके बाद यह मूर्ति मंदिर के गर्भगृह में रख दी जाती है। मान्यता है कि अष्टधातु मूर्ति के सामने जो भी मन्नत मांगी जाती है वह पूरी होती है। यही वजह है कि नवरात्र की अष्टमी और नवमी को बड़ी संख्या में भक्त दर्शन करने आते हैं। यहां दर्शन करने से गृहस्थ जीवन की हर परेशानी होती दूर: चौपटिया स्थित संतोषी माता मंदिर भक्तों की आस्था का केंद्र है। मंदिर की स्थापना करीब 72 वर्ष पूर्व हुई थी। माता को गुड़ और चने का भोग लगाने की परंपरा है। मां को खट्टा पदार्थ चढ़ाना वर्जित है। शुक्रवार को बड़ी संख्या में भक्त दर्शन के लिए आते हैं। संतोषी माता मंदिर प्रबंध समिति के सचिव हिमांशु जायसवाल ने बताया कि संतोषी माता गृहस्थों की देवी हैं। माता के दर्शन मात्र से मन को शांति मिलती है। मां को गुड़ चने का भोग लगाकर आराधना से संतान प्राप्ति ऐश्वर्य और धन धान्य में वृद्धि होती है। यहां सच्चे मन से मांगी हर मुराद पूरी होती है। माता की पूजा करने से गृहस्थ जीवन की हर परेशानी दूर होती है। मंदिरों में हुआ मुण्डन संस्कार: नवरात्र में मुण्डन संस्कार का विशेष महत्व है। चौक स्थित काली जी मंदिर व सीतापुर रोड स्थित चन्द्रिका देवी आदि मंदिरों में मुण्डन संस्कार हुए। मुण्डन संस्कार के बाद लोगों ने भोज कराया। मंदिरों में हुआ भव्य शृंगार: नवरात्र को लेकर मंदिरों में भी धूम रही। हर कोई मां की भक्ति में लीन नजर आ रहा था।

खबर संक्षेप

आईआईटी जैम की टॉपर लिस्ट जारी

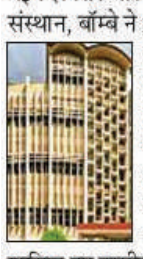

नई दिल्ली। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, बॉम्बे ने 26 मार्च को जॉइंट एडमिशन टेस्ट फॉर मास्टर्स के सभी विषयों के स्कोरकार्ड और टॉपर्स की सूची जारी कर दी है। परीक्षा में शामिल हुए उम्मीदवार अब आधिकारिक वेबसाइट पर रिजल्ट और मेरिट लिस्ट देख सकते हैं। केमिस्ट्री में आयुषी अग्रवाल ने पहला स्थान हासिल किया है।

पानीपत की फैक्ट्री में 2 चचेरे भाइयों की मौत

पानीपत। हरियाणा के पानीपत में गुरुवार को एक टेक्सटाइल फैक्ट्री में बड़ा हादसा हो गया। यहां टैंक की सफाई करने उतरे 2 युवकों की जहरीली गैस से दम घुटने से मौत हो गई। दोनों बिना सेफ्टी किट के टैंक में उतरे थे। कुछ देर में ही उन पर बेहोशी छाने लगी। अन्य साथियों ने तुरंत दोनों को बाहर निकाला, लेकिन तब तक वे बेहोश हो चुके थे।

दो ट्रकों में भिड़ंत के बाद आग, 3 जिंदा जले

बांदा। महोबा-बांदा नेशनल हाईवे पर दो ट्रकों की आमने-सामने की भिड़ंत में 3लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई। एक गंभीर रूप से घायल हो गया। यह घटना कस्बा थाना से 3 किमी दूर मुंडेरी मोड़ के पास हुई। कबर्ई से बांदा जा रहे गिट्टी भरे ट्रक के चालक सुरेश पांडे और महोबा जा रहे खाली ट्रक के चालक सूरज नाथ की मौत हो गई।

गेट कॉप के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू

नई दिल्ली। 2026 के लिए रजिस्ट्रेशन करने के इच्छुक उम्मीदवारों के लिए शानदार खबर है। इसके लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया आज यानी 26 मार्च से शुरू हो गई है। ऐसे में जिन इच्छुक और योग्य उम्मीदवारों को इसके लिए आवेदन करना है, वे सभी आधिकारिक वेबसाइट coap2026.iitr.ac.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

सेना, नौसेना और वायुसेना के जांबाजों के लिए केंद्र का अहम फैसला

भारत सरकार ने दी वीरता पदक विजेताओं को रेलवे में आजीवन मुफ्त यात्रा की सुविधा

राज कुमार सिंह चौहान ब्यूरो प्रमुख / नई दिल्ली,

भारत सरकार ने सेना, नौसेना और वायुसेना में वीरता पदक से सम्मानित सैनिकों के लिए एक महत्वपूर्ण फैसला लिया है। इस आदेश के अनुसार इन वीरता पुरस्कार विजेताओं को भारतीय रेलवे में आजीवन मुफ्त यात्रा की सुविधा मिलेगी। यह सुविधा प्रथम श्रेणी, सेकंड एसी या एसी चेयर कार में एक साथी के साथ उपलब्ध होगी। रक्षा अधिकारियों ने बताया कि यह रियायत देश के बहादुर जवानों के सम्मान में दी गई है। यह योजना उन सभी सैनिकों पर लागू होगी जिन्हें सेना, नौसेना या वायुसेना पदक से सम्मानित किया गया है। पुरस्कार विजेताओं के जीवनसाथी भी इस सुविधा का लाभ उठा सकेंगे। इसमें विधवाएं और विधुर शामिल हैं, जब तक वे पुनर्विवाह नहीं करते। इसके अतिरिक्त, अविवाहित मरणोपरांत पुरस्कार विजेताओं के माता-पिता को भी यह सुविधा प्रदान की जाएग

भारत सरकार ने सेना, नौसेना और वायुसेना में वीरता पदक से सम्मानित सैनिकों के लिए एक महत्वपूर्ण फैसला लिया है। इस आदेश के अनुसार इन वीरता पुरस्कार विजेताओं को भारतीय रेलवे में आजीवन मुफ्त यात्रा की सुविधा मिलेगी। यह सुविधा प्रथम श्रेणी, सेकंड एसी या एसी चेयर कार में एक साथी के साथ उपलब्ध होगी।

प्रथम श्रेणी, सेकंड एसी या एसी चेयर कार में एक साथी के साथ मिलेगी सुविधा

रक्षा अधिकारियों ने दी यह जानकारी

परिजनों को भी मिली इसमें सहूलियत

परिवारों को यात्रा में आर्थिक सहायता दी

यह कदम देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले और वीरता दिखाने वाले सैनिकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करता है। इससे इन परिवारों को यात्रा में आर्थिक सहायता मिलेगी। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। भारतीय रेलवे इस संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करेगा। यह सुविधा पूरे भारतीय रेलवे नेटवर्क पर मान्य होगी।

मनोबल बढ़ाएगा फैसला

कांप्लीमेंट्री लाइफटाइम रेल पास/कार्ड जारी होगा

जानकारों का मानना है कि यह कदम सशस्त्र बलों के जवानों का मनोबल बढ़ाने वाला है। यह केवल एक सुविधा नहीं, बल्कि देश की ओर से उन वीरों के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है, जिन्होंने राष्ट्र की सुरक्षा के लिए अपने प्राणों की परवाह नहीं की। रेलवे प्रशासन जल्द ही पात्र कांप्लीमेंट्री कॉम्प्लीमेंट्री लाइफटाइम रेल पास/कार्ड जारी करने की प्रक्रिया शुरू करेगा।

जीवनसाथी, विधवाएं और विधुर और पुनर्विवाह तक अब इसमें पात्र होंगे

इस योजना के तहत सेना, नौसेना और वायुसेना पदक से सम्मानित सभी व्यक्ति पात्र होंगे। पुरस्कार विजेता के जीवनसाथी, जिनमें विधवाएं और विधुर शामिल हैं, पुनर्विवाह तक पात्र रहेंगे। अविवाहित मरणोपरांत पुरस्कार विजेताओं के माता-पिता भी इस सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। यह सुनिश्चित किया गया है कि देश के लिए सेवा करने वाले हर पात्र व्यक्ति को यह सम्मान मिले। रक्षा मंत्रालय जल्द ही विस्तृत दिशानिर्देश जारी करेगा। इससे हौसला बढ़ेगा।

पहले 6 'चक्र' पुरस्कारों तक सीमित थी यह सुविधा

अब तक आजीवन मुफ्त रेल यात्रा की सुविधा केवल परमवीर चक्र, महावीर चक्र, वीर चक्र, अशोक चक्र, कीर्ति चक्र और शौर्य चक्र पुरस्कार विजेताओं को मिलती थी। नए आदेश के बाद सेना, नौ सेना और वायु सेना के वीरता पदक भी इसी श्रेणी में शामिल कर लिए गए हैं। सेना के जांबाज जवानों को भारतीय रेल में मुफ्त यात्रा की सुविधा पहले भी मिलती थी। पहले आजीवन बिना किसी शुल्क का भुगतान किए रेल यात्रा की सुविधा केवल 6 वीरता पुरस्कारों से सम्मानित जवानों और उनके परिजनों को ही मिलती थी। जिंदगी भर मुफ्त रेल यात्रा की श्रेणी में पहले परमवीर चक्र, महावीर चक्र, वीर चक्र, शौर्य चक्र, अशोक चक्र, कीर्ति चक्र के विजेता ही आते थे। भारत सरकार की ओर से जारी किए इस नए आदेश के बाद अब थल सेना, नौ सेना और वायु सेना के वीरता पदक से सम्मानित जांबाज भी इस सुविधा के दायरे में आ सकेंगे। जवानों के साथ ही उनके परिजनों को भी मुफ्त रेल यात्रा के दायरे में लाए जाने को सेना का मनोबल बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम बताया जा रहा है।

वंदे भारत में घटिया खाने का दावा

वीडियो वायरल, दही में रेंगते मिले कीड़े, प्रोवाइडर पर केस

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

तेज रफ्तार और प्रीमियम सुविधाओं के चलते अक्सर वंदे भारत सुर्खियों में रहती है, लेकिन इस बार वंदे भारत ट्रेन की सुर्खियों में रहने की वजह कुछ और है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में वंदे भारत के खाने की घटिया क्वालिटी ने यात्रियों को हैरान कर दिया है। वीडियो में वंदे भारत ट्रेन में भरोसे गए खाने की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठाए जा रहे हैं। दावा किया जा रहा है कि वंदे भारत ट्रेन में यात्री को दिए गए दही में कीड़े निकल आए। इस पूरी घटना का वीडियो सामने आते ही इंटरनेट पर हड़कंप मच गया। यह मामला सिर्फ शिकायत तक सीमित नहीं रहा, बल्कि लोगों के गुस्से और तीखे रिएक्शन का बड़ा मुद्दा भी बन गया।

मामला पटना

टाटानगर का, विभाग पर 10 लाख जुर्माना

यह मामला पटना-टाटानगर वं भारत एक्सप्रेस का बताया जा रहा है, जहां एक यात्री ने खाने में परोसे गए दही में कीड़े होने का दावा किया। वीडियो में भी साफ देखा जा सकता है कि दही के बाउल में छोटे-छोटे कीड़े नजर आ रहे हैं। वायरल हो रहे क्लिप में यात्री रेलवे स्टाफ को बुलाकर दही के बाउल में कीड़े होने की शिकायत की। रेलवे अधिकारी ने भी दही को करीब से देखा। इस दौरान यात्री भी इस घटना को लेकर नाराज दिखाई दिए। लोगों के नाराजगी बढ़ने के बा रेल मंत्रालय ने एक्स पर बयान जारी कर इस मामले को गंभीरता से लिया। रेल मंत्रालय ने आईआरसीटीसी पर 10 लाख का जुर्माना लगाया है। सर्विस प्रोवाइडर पर 50 लाख का जुर्माना लगाया।

मीडिया पर भड़का यात्रियों का गुस्सा

वीडियो सामने आते ही सोशल मीडिया यूजर्स ने रेलवे की व्यवस्था पर सवाल उठाने शुरू कर दिए हैं। इस वीडियो को देखने के बाद सोशल मीडिया पर एक यूजर कमेंट करता है दही में कीड़े मिले और अटेंडेंट कह रहा है, यह केसर है वाह। वहीं दूसरा यूजर कमेंट करता है अब तो व्हाइट केसर की नई खोज हो गई है। एक और यूजर कमेंट करता है राजधानी एक्सप्रेस का खाना इससे बेहतर है। एक और यूजर कमेंट करता है रेलवे का खाना खाने से अच्छा है, भूखे रहना। एक यूजर ने सवाल उठाते हुए लिखा एक्सपायर दही पर नया स्टिकर लगाकर बेच देते हैं। एक अन्य ने मजाक के अंदाज में लिखा, एक तो कभी जिंदगी मे ट्रेन के अंदर ब्रांडेड फूड नहीं देखा, जब देखना शुरू ही हुआ था तो उसमें भी कीड़े निकल आए।

केरल में मोदी और ईसीआई का अपमान

'मानहानि' वाली वीडियो को लेकर एक्स के खिलाफ केस

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

केरल पुलिस की साइबर शाखा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स और उसके एक हैंडल के खिलाफ एआई से निर्मित एक वीडियो प्रसारित करने के आरोप में मामला दर्ज किया है। वीडियो में कथित तौर पर पीएएम नरेंद्र मोदी और चुनाव आयोग को भ्रामक और मानहानिकारक तरीके से चित्रित किया गया है। पुलिस ने एक बयान में कहा कि कथित मानहानिकारक सामग्री को भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) सहित आधिकारिक चैनलों के माध्यम से उसके संज्ञान में लाया गया था।

जनता को गुमराह किया गया: पुलिस

केरल पुलिस ने कहा कि जांच में पाया गया कि एआई से बनेवीडियो में जनता को गुमराह करने, निकायों की विश्वसनीयता को कमजोर करने और स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनावों के संचालन पर प्रतिकूल प्रभाव डालने की क्षमता है।

2024-25 में प्रमुख राजनीतिक दलों की चंदे से कमाई सामने आई

4 राष्ट्रीय दलों के चंदे से भाजपा को मिला 10 गुना से ज्यादा

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

वित्त वर्ष 2024-25 में प्रमुख राजनीतिक दलों की चंदे से कमाई के आंकड़े सामने आए हैं। भाजपा फिर देश में सबसे ज्यादा चंदा पाने वाली पार्टी बनी है। दूसरा नंबर कांग्रेस का है। एडीआर के अनुसार भारत के पहले नंबर के राजनीतिक दल और दूसरे नंबर के राजनीतिक दल के तरफ से जुटाए गए चंदे के बीच का दायरा करीब 12 गुना से ज्यादा है। यह आंकड़ा इसलिए भी आश्चर्य में डालने वाला है, क्योंकि भाजपा के पास कांग्रेस के मुकाबले सिर्फ दोगुने दानकर्ता हैं।

बहुजन समाज पार्टी : जिन दलों को चंदा मिला है, उनमें एक चौंकाने वाला आंकड़ा बहुजन समाज पार्टी का है। पार्टी ने पिछले 19 साल की तरह इस बार भी यही दर्शाया है कि पार्टी को 20,000 से अधिक का कोई चंदा प्राप्त नहीं हुआ है।

पार्टियों को इतना मिला चंदा

सभी राष्ट्रीय राजनीतिक दलों को कुल मिलाकर 11,343 दानकर्ताओं की तरफ से 6648.563 करोड़ रुपए का चंदा मिला।

भारतीय जनता पार्टी : राजनीतिक दलों को जितना चंदा मिला, उसकी कुल राशि में 91 फीसदी से ज्यादा भाजपा को ही मिला। भाजपा ने 6074.015 करोड़ रुपए का दान दिखाया है।

कांग्रेस: कांग्रेस ने दान 517.394 करोड़ दिखाया है, जो कि 2501 दानकर्ताओं से मिला है। यह राशि भाजपा के मुकाबले करीब 1000 प्रतिशत कम है।

आम आदमी पार्टी : आप ने 2024-25 के लिए अपनी दान की राशि 38.106 करोड़ रुपए दर्शाया है, जो कि उसे 2554 दानकर्ताओं की तरफ से मिली।

मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी : माकपा को 2024-25 में 16.957 करोड़ रुपए का दान मिला, जो कि 741 दानदाताओं से जुटाया गया।

नेशनल पीपुल्स पार्टी : पूर्वोत्तर की इस प्रमुख पार्टी ने अपना दान 2.091 करोड़ रुपए दिखाया है, जो कि उसे 25 दानकर्ताओं से मिला।

मजबूत हो रही मातृ एवं नवजात स्वास्थ्य सेवाएं

अमन लेखनी समाचार

- जटिल प्रसव के मामले भी अब संभाल रहे छोटे जिलों के अस्पताल
- रीजनल रिसोर्स एंड ट्रेनिंग सेंटर का दिख रहा असर

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने पिछले नौ वर्षों में हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में बड़े कदम उठाए हैं। आज प्रदेशवासियों को उनके ही जिले में गुणवत्तापूर्ण इलाज की सुविधा मिल रही है। योगी सरकार के प्रयासों का ही नतीजा है कि वर्तमान में जटिल प्रसव वाले मामलों को बड़े शहरों की ओर रेफर करने की प्रवृत्ति अब प्रदेश में कम हो रही है। छोटे शहरों में ही जटिल मामले संभाले जा रहे हैं। इसके साथ ही योगी सरकार ने 76 जिला अस्पतालों के 1,791 डाक्टरों को बीते चार वर्षों में प्रशिक्षण दिया।

उत्तर प्रदेश सहित देश के कई हिस्सों में मातृ एवं नवजात मृत्यु दर को कम करना आज भी स्वास्थ्य प्रणाली के सामने बड़ी चुनौती है। विशेषकर जिला और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर विशेषज्ञ सेवाओं की कमी, आपात स्थितियों में त्वरित निर्णय की क्षमता का अभाव और समय पर रेफरल की जटिलताओं के कारण कई बार ऐसी स्थितियां उत्पन्न हो जाती हैं, जिन्हें रोका जा सकता है। इन्हीं सवालों का व्यावहारिक और प्रभावी उत्तर बनकर उभरा है रीजनल रिसोर्स एंड ट्रेनिंग सेंटर (आरआरटीसी) मॉडल। प्रदेश में इस वक्त 20 मेडिकल कॉलेज आरआरटीसी के रूप में काम कर रहे हैं। आरआरटीसी ने पारंपरिक प्रशिक्षण मॉडल से आगे बढ़ते हुए हब-एंड-स्पोक आधारित मेंटरशिप मॉडल विकसित किया, जिसमें मेडिकल कॉलेज नॉलेज हब के रूप में कार्य करता है और जिले स्पोक के रूप में उससे निरंतर मार्गदर्शन प्राप्त करते हैं। इस मॉडल के तहत ऑन-साइट मेंटरिंग, निरंतर क्षमता निर्माण, नर्सिंग स्टाफ का सशक्तीकरण व मल्टी-डिपार्टमेंट सहयोग लिया जाता है। अलीगढ़ के जेएन मेडिकल कॉलेज परिसर में स्थापित आरआरटीसी इस मॉडल की मिसाल है। यहां से अलीगढ़, हाथरस व कासगंज जिला अस्पताल के डॉक्टरों व स्टाफ की क्षमतावृद्धि की गई । आज वे जटिल से जटिल मामलों को संभाल रहे हैं। आरआरटीसी की को-ऑर्डिनेटर डॉ. तबस्सुम रहमत बताती हैं कि हमारा लक्ष्य केवल प्रशिक्षण देना नहीं, बल्कि हर स्वास्थ्य इकाई को इस स्तर तक सक्षम बनाना है कि वह जटिल परिस्थितियों का सामना आत्मविश्वास के साथ कर सके। आरआरटीसी मॉडल का प्रभाव सबसे स्पष्ट रूप से कासगंज जिला महिला अस्पताल में देखा जा सकता है। वर्ष 2017 में जहां इस अस्पताल में पहला सफल सी-सेक्शन एक महत्वपूर्ण उपलब्धि थी, वहीं आज स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है। ऑपरेशन थिएटर पूरी तरह सुसज्जित और सक्रिय है। अधिकतर डॉक्टर और स्टाफ प्रशिक्षित हैं। जटिल प्रसव मामलों का स्थानीय स्तर पर ही प्रबंधन संभव हो रहा है। सबसे महत्वपूर्ण बदलाव यह है कि पहले जिन मामलों को तत्काल बड़े शहरों में रेफर करना पड़ता था, अब उनमें से कई का इलाज जिले में ही हो रहा है। इससे न केवल समय की बचत हुई है, बल्कि माताओं और नवजातों के लिए जीवनरक्षक अंतर भी पैदा हुआ है।

वैश्विक स्पिरिचुअल टूरिज्म हब के रूप में उभरा यूपी

अमन लेखनी समाचार

- यूपी ने तोड़े पर्यटन क्षेत्र के सारे रिकार्ड, बना पर्यटन का सिरमौर
- आईआईएम लखनऊ ने अपने अध्ययन में योगी सरकार की टेंपल इकॉनामी की सराहना की

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पर्यटन क्षेत्र में नया इतिहास लिख रहा है। यहां पर्यटकों की रिकॉर्ड संख्या तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह एक व्यापक सांस्कृतिक पुनर्जागरण का प्रतीक बन चुकी है। उत्तर प्रदेश में आस्था और अर्थव्यवस्था एक-दूसरे की पूरक बनकर प्रदेश में पर्यटन की विकास यात्रा को नई दिशा दे रही है। इस दिशा में सीएम योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुरूप तैयार की गई पर्यटन नीति- 2022 के सफल क्रियान्वयन के साथ इको टूरिज्म का विकास, पर्यटन सुविधाओं में अवसंरचनात्मक सुधार, बेहतर कनेक्टिविटी, सुदृढ़ कानून व्यवस्था, एयरपोर्ट, एक्सप्रेस-वे और परिवहन सेवाओं के विस्तार ने यूपी में पर्यटन के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। साथ ही योगी सरकार का ह्यटेंपल एंड फेस्टिवल इकॉनामीह्व का मॉडल उत्तर प्रदेश को एक वैश्विक स्पिरिचुअल टूरिज्म हब के रूप में विकसित कर रहा है। आईआईएम लखनऊ ने कुछ समय पहले अयोध्या में पर्यटन को लेकर अध्ययन किया था। इसमें उसने योगी सरकार की टेंपल इकॉनामी की सराहना की है।

प्रदेश सरकार के नौ वर्षों के शासनकाल में उत्तर प्रदेश ने पर्यटन के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है, जिसकी गवाही पर्यटन के आंकड़े देते हैं। योगी सरकार के पहले वर्ष 2017 में यूपी में लगभग 23.75 करोड़ पर्यटक आए थे, वहीं 2019 में यह संख्या लगभग दोगुनी बढ़कर 54.06 करोड़ पहुंच गई। हालांकि, इसमें कोविड महामारी के दौरान गिरावट दर्ज की गई, लेकिन योगी सरकार की पर्यटन नीति ह्य 2022 के प्रभावी क्रियान्वयन से तेज रिकवरी हुई। परिणाम यह हुआ कि वर्ष 2024 में 64.91 करोड़ पर्यटकों के साथ यूपी देश में सर्वाधिक घरेलू पर्यटकों वाला राज्य बन गया और विदेशी पर्यटकों के मामले में चौथा। यही नहीं, वर्ष 2025 में महाकुंभ-2025 के आयोजन से पर्यटकों की संख्या अभूतपूर्व रूप से बढ़कर 156.18 करोड़ तक पहुंच गई। गौरतलब है कि पिछले 9 वर्षों में यूपी में आने वाले पर्यटकों की संख्या लगभग सात गुना बढ़ चुकी है। वर्तमान में राष्ट्रीय पर्यटन में यूपी की हिस्सेदारी 21.9 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है, जो यूपी को वैश्विक पर्यटन का केंद्र बनाने की दिशा में उल्लेखनीय संकेत है। मुख्यमंत्री के विजन को साकार करती उत्तर प्रदेश पर्यटन नीति-2022 प्रदेश में पर्यटन आधारित अर्थव्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन को साकार करने वाली साबित हुई है। प्रदेश में 5 लाख से अधिक रोजगार का सृजन हुआ और महिलाओं का भागीदारी में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है।

श्रावस्ती में नये राजमार्ग बुद्ध के पवित्र स्थलों के द्वार खोलेंगे

लखनऊ। उत्तर प्रदेश का श्रावस्ती जिला बौद्ध जगत में अपार आध्यात्मिक और ऐतिहासिक महत्व रखता है। ऐसा माना जाता है कि यह उन स्थानों में से एक है जहां भगवान बुद्ध ने कई मानसून की सीजन बिताए और अपने अनेक उपदेश दिए। श्रावस्ती विद्वानों, आध्यात्मिक साधकों और भारत की समृद्ध बौद्ध विरासत में रुचि रखने वाले अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को आकर्षित करता है। विश्व स्तर पर पूजनीय बौद्ध तीर्थस्थल श्रावस्ती तक कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने राष्ट्रीय राजमार्ग 927 के 4-लेन, एक्सेस कंट्रोल्ड बाराबंकी-बहराइच खंड के निर्माण को मंजूरी दे दी है। इस परियोजना से श्रावस्ती जिले तक यात्रा की सुविधा में महत्वपूर्ण सुधार होने और पूर्वी उत्तर प्रदेश में पर्यटन आधारित आर्थिक विकास के नए अवसर खुलने की उम्मीद है। वैश्विक महत्व होने के बावजूद, श्रावस्ती को लंबे समय से कनेक्टिविटी संबंधी चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। इसके परिणाम स्वरूप इस स्थान की पर्यटन को लेकर संभावना सीमित रही है। नव स्वीकृत 101.5 किलोमीटर लंबा बाराबंकी-बहराइच राजमार्ग का निर्माण होने पर इस क्षेत्र को तेज, सुरक्षित और अधिक कुशल सड़क संपर्क मिलने से इस स्थिति में बदलाव होने की उम्मीद है। एक्सेस-कंट्रोल्ड राजमार्ग के रूप में डिजाइन की गई यह परियोजना वाहनों की औसत गति को 40 किलोमीटर प्रति घंटे से बढ़ाकर 80 किलोमीटर प्रति घंटे करके और बाराबंकी और बहराइच के बीच यात्रा के समय को लगभग 50 प्रतिशत तक कम करके लगभग 150 मिनट से 75 मिनट तक कम कर देगी जिससे यात्रा अनुभव में उल्लेखनीय सुधार होगा। बेहतर संपर्क व्यवस्था से घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बौद्ध पर्यटकों को आकर्षित करने में अत्यधिक मदद मिलने की उम्मीद है।

भाजपा मिथ्या प्रचार और इवेंट वाली पार्टी : सपा

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा झूठे प्रचार और इवेंट पर चलने वाली पार्टी है। प्रदेश की जनता को धोखा देने और माहौल बनाने के लिए कम्पनियों से फर्जी एमओयू करती है। अभी हाल ही में हुए एक एमओयू को लेकर पूरे देश में भाजपा सरकार की चर्चा हुई, जिससे इस सरकार की पोल खुल गयी है। समाजवादी पार्टी प्रदेश में हुए सभी एमओयू की पोल खोलने के लिए पुरजोर तरीके से जांच की मांग करती है।

बृहस्पतिवार को समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय पर आयोजित एक प्रेस कांफ्रेंस में अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार जिन कम्पनियों से एमओयू कर रही है उनका कोई फाइनेंसियल बैकग्राउण्ड नहीं था। भाजपा झूठे प्रचार पर चलती है। हिटलर के जमाने में जर्मनी में केवल एक प्रोपेगेंडा मिनिस्टर होता था लेकिन भाजपा सरकार में केन्द्र और प्रदेश में सभी मंत्री प्रोपेगेंडा मिनिस्टर हैं। सब अपने आपको पीएम (प्रोपेगेंडा मिनिस्टर) समझते हैं। सब झूठ बोलने में नम्बर एक है। रसोई गैस, पेट्रोल की किल्लत को लेकर अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में जनता को लाइन के सिवा कुछ नहीं मिला। जनता को जो दिक्कत और परेशानी आ रही है, उसको दूर करने के लिए भाजपा सरकार ने कोई तैयारी नहीं की। सरकार की सिर्फ इतनी तैयारी है कि 14.2 किलो का सिलेंडर 10 किलो का कर दिया। सरकार ने इस परेशानी से निपटने की तैयारी करने के बजाय कोरोना काल की परेशानियों की याद दिला दी। भाजपा के हर फैसले ने लोगों को लाइन में लगवा दिया है लेकिन इस बार जनता तैयार है लाइन में लगकर भाजपा का सफाया कर देगी, इसीलिए पूरी भाजपा पीडीए से घबराई है। ये लोग पीडीए का फुल फॉर्म भी नहीं जानते है, जो एआई का फुल फॉर्म नहीं जानते हैं, वे पीडीए को क्या जानेंगे। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा के लोग पीडीए का दुःख दर्द नहीं समझ सकते है। पीडीए की परेशानी और अपमान नहीं समझ सकते हैं। पीड़ा जितनी ज्यादा बढ़ेगी पीडीए उतना बढ़ता जाएगा। पीडीए के लोगों को सम्मान दिलाने के लिए समाजवादी लोग उन्हें जोड़कर आगे बढ़ाने जा रहे हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि एआई को न केन्द्र सरकार समझती है और न प्रदेश सरकार। सरकारों ने एआई की कोई ट्रेनिंग नहीं दी। 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनेगी। हम एआई का प्रयोग सबकी भलाई के लिए करेंगे। खेती, किसानी और किसानों के लिए एआई का बेहतर प्रयोग हो सकता है। कई चीजों का समय से अनुमान लगाया जा सकता है।

भाजपा अपने कार्यकर्ताओं को गलत ट्रेनिंग देती है। गलत चीजें सीखती है। भाजपा दुनिया की पहली पार्टी है, जो दूसरे नेताओं की छवि खराब करने और उन्हें बदनाम करने के लिए पैसे खर्च करती है। भाजपा नकारात्मक सोच की पार्टी है। इससे सावधान रहना है।

गंभीर रोगों के इलाज में होम्योपैथी सफल

रामकृष्ण मिशन आश्रम अयोध्या में शुरू हुई नि:शुल्क होम्योपैथिक क्लीनिक

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। रामकृष्ण मिशन सेवा आश्रम लखनऊ के तत्वाधान में विवेकानंद पॉलीक्लिनिक एवं आयुर्विज्ञान संस्थान के सहयोग से रामकृष्ण मिशन आश्रम अयोध्या में रामनवमी के पावन पर्व पर आज निशुल्क होम्योपैथिक क्लीनिक का शुभारंभ रामकृष्ण मठ के अध्यक्ष स्वामी मुक्तिनाथानंद द्वारा किया गया।

इस अवसर पर बोलते हुए स्वामी जी ने कहा की एलोपैथिक की तरह होम्योपैथी से भी गंभीर रोगों का सफल इलाज हो सकता है बिना किसी साइड इफेक्ट के. स्वामी जी ने कहा की एलोपैथिक दवा से मरीज को कई तरह के दुष्प्रभाव झेलने पड़ते हैं लेकिन होम्योपैथिक दवा का कोई साइड इफेक्ट नहीं होता. साथ ही जड़ से रोग समाप्त होता है .होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति सभी के लिए सुलभ है और सस्ती भी है इसलिए इसके व्यापक प्रचार व जागरूकता की जरूरत भी है. लोग इसकी दवा को सस्ती समझकर इसके सुनिश्चित लाभ से वंचित रह जाते हैं जो की एक बड़ी भयंकर भूल है।

स्वामी मुक्तिनाथानंद ने कहा कि स्वामी विवेकानंद के विचार के अनुसार मरीज को सबसे सस्ता और अच्छा इलाज मिलने की संकल्पना को साकार करने से ही नर सेवा के रूप में नारायण सेवा हो सकती है. इसलिए भगवान राम की पावन जन्मभूमि से यह जन कल्याणकारी शुरूआत की गई है ताकि आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को भी गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो सके .साथ ही अयोध्या धाम के साधु संतों को भी निशुल्क उपचार का लाभ मिल सके. इसके लिए सप्ताह में तीन दिन सोमवार, बुधवार एवं शुक्रवार को प्रातः 9 से दोपहर 1बजे तक निशुल्क होम्योपैथिक क्लिनिक चलाई जा रही है इसमें होम्योपैथिक विशेषज्ञ डॉ. शालिनी सिंह द्वारा रोगियों की जांच कर उन्हें परामर्श एवं दवाएं भी निशुल्क प्रदान की जाएगी।

विवेकानंद हॉस्पिटल के होम्योपैथिक विभाग अध्यक्ष डॉ.अमित पांडे ने बताया कि इस क्लीनिक में बच्चों, महिलाओं व स्त्री रोग संबंधी बीमारियों का सफल इलाज किया जाएगा. डॉ. पांडे ने कहा कि होम्योपैथी अपने आप में पूर्ण सफल चिकित्सा पद्धति है लेकिन डॉक्टरों के आधे अधूरे ज्ञान से इसकी साख में गिरावट आ गई जिसे दूर करने के लिए और इसका पूरा लाभ मरीज को दिलाने के लिए रामकृष्ण मिशन लखनऊ के अध्यक्ष स्वामी मुक्तिनाथानंद की प्रेरणा से क्लीनिक की शुरूआत की गई है। अयोध्या क्लीनिक की प्रभारी डॉ.शालिनी सिंह , एमडी होम्योपैथ ने बताया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी होम्योपैथिक को एलोपैथ के बाद दूसरे स्थान पर रखा है।

डेंटल एक्सीलेंस के 25 वर्ष के उपलक्ष्य में रंगारंग कार्यक्रमों का आयोजन

लखनऊ। बाबू बनारसी दास कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेज, बाबू बनारसी दास विश्वविद्यालय ने अपने रजत जयंती समारोह के अंतर्गत पांच दिवसीय भव्य सांस्कृतिक महोत्सव का आयोजन किया। यह आयोजन बीबीडीयू की चांसलर श्रीमती अलका दास गुप्ता एवं प्रो चांसलर विराज सागर दास के प्रेरणा से हुआ और प्राचार्य (डॉ.) नीता पासरीचा के मार्गदर्शन में हुआ। इस महोत्सव में स्नातक, स्नातकोत्तर छात्रों एवं संकाय सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा, रचनात्मकता और ऊर्जा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रत्येक दिन को विशेष रूप से विविध गतिविधियों के साथ सजाया गया, जिससे यह आयोजन अत्यंत सफल और यादगार बना। महोत्सव का शुभारंभ मधुर स्वरों के साथ एकल एवं समूह गायन प्रतियोगिताओं से हुआ। बीडीएस एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के साथ-साथ संकाय सदस्यों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूरे वातावरण में संगीत की मधुरता और आनंद का संचार हुआ।

ससुराल से वापस घर लौट रहे बाइक सवार युवक की मार्ग दुर्घटना में मौत

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। थाना बिहार अन्तर्गत हुए सड़क हादसे में बाइक सवार मजदूर की मौत हो गई। यह घटना तब हुई जब वह अपने ससुराल से वापस आ रहे थे। घायल अवस्था में युवक को जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। थाना क्षेत्र की चौकी भगवंतनगर के रामनखेडा निवासी विजय कुमार पुत्र सूर्य कुमार उम्र 40 के रूप में हुई है। विजय मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। वर्ष 2018 में उनकी शादी कोड़रा बख्त खेरा में हुई थी और उनके दो छोटे बच्चे हैं, जिनकी जिम्मेदारी अब परिवार पर आ गई है। परिजनों के अनुसार, विजय कुमार बाइक से अपनी ससुराल से आ रहे थे। इसी दौरान मुड़ियन खेडा पेट्रोल पंप के समीप अनियंत्रित तेज रफ्तार खुली बॉडी के ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद विजय कुमार गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। स्थानीय लोगों की मदद से घायल विजय कुमार को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टरों ने इलाज शुरू किया, लेकिन गंभीर चोटों के कारण उनकी जान नहीं बचाई जा सकी और उपचार के दौरान ही उनकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस हादसे की जांच कर रही है और ट्रैक्टर चालक की तलाश जारी है। बताया गया है कि चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया था। दिवंगत के नाबलिक पुत्रो में एक पुत्री आंशी व एक पुत्र अंशू है। पत्नी सावित्री माँ रामवती सहित पूरा परिवार इस दर्दनाक हादसे से बेहाल हो गया है।

अफवाहों ने मचाई भगदड़: पेट्रोल पंपों पर उमड़ी भीड़, लंबी कतारों से जाम जैसे हालात

ईंधन संकट की आशंका से दहशत, पुलिस बुलानी पड़ी; प्रशासन बोला-कमी नहीं, अफवाहों से बचें

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। मलिहाबाद क्षेत्र में गुरुवार शाम को महज अफवाहों ने ऐसा असर दिखाया कि पेट्रोल पंपों पर अचानक भारी भीड़ उमड़ पड़ी और कई जगह अफरा-तफरी मच गई। पेट्रोल-डीजल की कमी की आशंका से घबराए लोग बड़ी संख्या में अपने वाहनों के साथ पंपों पर पहुंचने लगे, जिससे लंबी-लंबी कतारें लग गईं।

शाम होते-होते रसूलाबाद स्थित जिओ पेट्रोल पंप, बंजारन खेड़ा के ग्रामीण पंप, मलिहाबाद माल रोड पर स्थित अपना पेट्रोल पंप समेत रहीमाबाद क्षेत्र के लगभग सभी पंपों पर भीड़ बेकाबू होती नजर आई। हालात ऐसे बने कि कई जगह वाहन चालकों के बीच आगे निकलने को लेकर कहासुनी और नोकझोंक भी हुई।

अफवाह के चलते, पेट्रोल पंप पर लगी भारी भीड़

स्थिति बिगड़ती देख कुछ पेट्रोल पंप संचालकों को पुलिस बल बुलाना पड़ा। वहीं पंप कर्मचारियों को भी भीड़ नियंत्रित करने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। कई स्थानों पर ट्रैफिक भी प्रभावित हुआ और जाम जैसे हालात बन गए।

अफवाह निकली वजह, नहीं है कोई कमी

स्थानीय लोगों और सूत्रों के अनुसार यह पूरी स्थिति केवल अफवाहों के कारण पैदा हुई, जबकि वास्तव में पेट्रोल-डीजल की कोई कमी नहीं है।

प्रशासन की अपील

प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें और संयम बनाए रखें। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि क्षेत्र में ईंधन की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है और घबराने की कोई जरूरत नहीं है।

खड़े ट्रक से भिड़ा कंटेनर, चालक की दर्दनाक मौत

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। रहीमाबाद थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात हुए भीषण सड़क हादसे में एक कंटेनर चालक की इलाज के दौरान मौत हो गई। हरदोई से लखनऊ की ओर आ रहा तेज रफ्तार कंटेनर अंडरपास के पास खड़े ट्रक में पीछे से जा घुसा। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कंटेनर का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और चालक उसमें बुरी तरह फंस गया। जानकारी के अनुसार फतेहपुर जनपद के मकदुमपुर कला निवासी चालक धर्मेंद्र कुमार कंटेनर में सामान लेकर लखनऊ जा रहे थे। रहीमाबाद क्षेत्र के भतोइया गांव स्थित लखनऊ हरदोई हाईवे पर अंडरपास के ऊपर पहले से खड़े ट्रक में क्लीनर हवा चेक कर रहा था। इसी दौरान पीछे से आ रहा कंटेनर अनियंत्रित होकर ट्रक में जा टकराया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने कड़ी मशक्कत करते हुए कंटेनर की खिड़की काटकर फंसे चालक को बाहर निकाला। गंभीर हालत में उसे मलिहाबाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां से हालत नाजुक होने पर ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया।

इलाज के दौरान तोड़ा दम

ट्रामा सेंटर में उपचार के दौरान गुरुवार को चालक धर्मेंद्र कुमार की मौत हो गई, जिससे परिजनों में कोहराम मच गया। इस संबंध में रहीमाबाद इंस्पेक्टर अरुण कुमार त्रिगुणायक ने बताया कि रात करीब दो बजे हाईवे पर ट्रक खड़ा कर हवा चेक की जा रही थी, तभी पीछे से आ रहा कंटेनर उसमें टकरा गया। हादसे में चालक गंभीर रूप से घायल हुआ था, जिसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। फिलहाल परिजनों की ओर से कोई तहरीर नहीं दी गई है। तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली ई-निविदा सूचना संख्या: SRDEE-TRD-IZN-2025-26-T32, दिनांक: 25-03-2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर/टीआरडी, पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु "खुली" ई–निविदा आमंत्रित करते हैं। **क्रम सं.-01,** कार्य का नाम: सीबीगंज के ट्रेन सेट डिपो में HYT Pit व्हील लेथ मशीन शेड के लिये ओएचई सुविधाएं प्रदान करने से संबंधित कार्य। टेंडर रिफरेंश नं.: SRDEE-TRD-IZN-2025-26-T32, कार्य का अनुमानित लागत रूपया में: ₹ 50,56,462.10, अमानत राशि/बिड सिक्यूरिटी: ₹ 1,01,100/-, निविदा प्रपत्र का मूल्य रूपया में: 0.00, निविदा बन्द होने की तिथि एवं समय: 16-04-2026, 11:00 बजे, कार्य पूरा करने की अवधि: 12 माह।

• खुली ई–निविदा दिनांक 16-04-2026 को 11:00 बजे तक जमा कर सकेंगे।

• पूर्ण विवरण जानने हेतु एवं निविदा की प्रस्तुति करने के लिये कृपया भारतीय रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखें।

वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर/टीआरडी
मुजाधि/विद्युत–320 इज्जतनगर

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

कॉपर पाइप चोरी करते पकड़े गए चोर, सुरक्षा कर्मियों ने रंगे हाथ पकड़ा

अमन लेखनी समाचार

संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान (SGPGI) परिसर में एसी की बाहरी यूनिट से कॉपर पाइप चोरी करते हुए 2 युवकों को सुरक्षाकर्मियों ने रंगे हाथ पकड़ा। बाद में उन्हें पीजीआई पुलिस के हवाले कर दिया गया।

यह घटना गुरुवार को जनरल हॉस्पिटल में हुई, जब सहायक सुरक्षा अधिकारी धनंजय कुमार पांडेय और उनकी टीम को संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिली। मौके पर पहुंची टीम ने दोनों युवकों को एसी की बाहरी यूनिट से कॉपर पाइप निकालते हुए दबोच लिया। तलाशी के दौरान उनके पास से कॉपर पाइप के टुकड़े, साउंड बॉक्स से निकाला गया कॉपर और 1280 रुपए नकद बरामद हुए।

यूनिट से कॉपर पाइप निकाल रहे थे

पुलिस ने आरोपियों की पहचान एसजीपीजीआई परिसर निवासी नितिन (18) और एकता नगर, कल्ली पश्चिम निवासी शशांक उर्फ शशी (20) के रूप में की है। दोनों के खिलाफ थाना पीजीआई में मुकदमा दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है।

आपराधिक इतिहास नहीं मिला

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे नशे के आदी हैं और अपनी लत पूरी करने के लिए चोरी करते थे। पुलिस के अनुसार, शशांक के खिलाफ पहले भी चोरी के मामले दर्ज हैं, जबकि नितिन का कोई आपराधिक इतिहास नहीं मिला है। नितिन कक्षा 8 पास है और शशांक उर्फ शशी कक्षा 12 पास है।

तिरंगा अनावरण व वृक्षारोपण कार्यक्रम, देशभक्ति और पर्यावरण संरक्षण का संदेश

अमन लेखनी समाचार

गोसाईगंज।गोसाईगंज ब्लॉक के सामने आज 100 फिट के तिरंगे का अनावरण व वृक्षारोपण का संयुक्त कार्यक्रम बड़े ही उत्साह और धूमधाम के साथ आयोजित किया गया। ब्लॉक प्रमुख व प्रमुख संघ लखनऊ के अध्यक्ष विनय वर्मा डिम्पल द्वारा आयोजित किये गए इस कार्यक्रम में मोहनलालगंज के विधायक अमरेश रावत, गोसाईगंज गोसाईगंज नगर पंचायत अध्यक्ष निखिल मिश्रा, मण्डल अध्यक्ष गोसाईगंज शिव कुमार रावत, डीडी त्रिपाठी मण्डल अध्यक्ष अमेठी पंकज नयन, अपना दल एस के क्षेत्रीय अध्यक्ष शैलेन्द्र पटेल पोनू, प्रधान संघ गोसाईगंज के अध्यक्ष जितेंद्र कुमार जीतू, भाजपा नेता शम्भू नाथ पाण्डेय, अभिषेक रावत दत्त त्रिपाठी सुमित सिंह, भाजपा लखनऊ जिले के नवनियुक्त जिला उपाध्यक्ष राज कुमार वर्मा व हंसराज रावत, जिला सह मीडिया प्रभारी सन्तोष शर्मा, नगर पंचायत अमेठी के नामित सभाषद उमाकांत साहू, राम प्रताप के साथ ही गोसाईगंज की प्रशिक्षु एसीपी सारिका चौधरी, गोसाईगंज थाना प्रभारी डीके सिंह सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि व सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं क्षेत्रीय नागरिकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत राष्ट्रगान के साथ तिरंगे के विधिवत अनावरण से हुई। इस दौरान उपस्थित सभी लोगों ने तिरंगे को सलामी देते हुए देश की एकता और अखंडता बनाए रखने का संकल्प लिया। पूरे क्षेत्र में ₹भारत माता की जय₹ और ₹वंदे मातरम्₹ के नारों से वातावरण गूंज उठा। इसके पश्चात पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वृक्षारोपण किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार के पौधे लगाए गए और लोगों को अधिक से अधिक पेड़ लगाने तथा उनकी देखभाल करने के लिए प्रेरित किया गया। मुख्य अतिथि मोहनलालगंज भाजपा विधायक अमरेश रावत ने अपने संबोधन में कहा कि तिरंगा हमारे राष्ट्र की शान है और वृक्ष हमारे जीवन का आधार हैं। उन्होंने सभी से अपील की कि देशभक्ति के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को भी अपनी जिम्मेदारी समझें। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई गई।

संक्षेप

सरकार के वादे हुए खोखले गैस डीजल पेट्रोल की हो रही मारामारी

पाटन, उन्नाव। क्षेत्र में घरेलू गैस के लिए कस्बा वासी ग्रामीण लगभग एक माह से गैस की एजेंसियों के चक्कर लगा रहे हैं और सुबह से शाम तक अपने गैस सिलेंडर को लेकर गैस एजेंसियों में लाइन में खड़े रहते हैं कई कई दिनों बाद लोगों को बड़ी मुश्किल से गैस मिल पा रही है बृहस्पतिवार को एक समस्या और पैदा हो गई जहां पेट्रोल पंपों में डीजल और पेट्रोल मिलना बंद हो गया वहां के कर्मचारियो ने कहा कि मेरे पास डीजल और पेट्रोल नहीं है शासन व प्रशासन लगातार ग्रुपों के माध्यम से व वीडियो जारी करके कह रहा है की गैस व डीजल पेट्रोल की कोई क्षेत्र में कमी नहीं है क्षेत्र में रह रहे सक्षम अधिकारियों को क्या गैस पेट्रोल व डीजल आंखों से दिखाई नहीं देता है केवल नेता व प्रशासनिक अधिकारी ए सी की गाड़ियों से चलते हैं ऐ सी की हवा खाते हैं उनको आम जनता से क्या लेना देना जनता के दुख दर्द कोई भी सुनने को तैयार नहीं पाटन पेट्रोल पंप छाछी राई खेड़ा सुमेरपुर व क्षेत्र की अनेक पेट्रोल पंपों पर डीजल व पेट्रोल नहीं मिलने से लोगों को समस्याएं होने लगीवहीं किसानों को सबसे ज्यादा डर सता रहा है उनकी गेहूं की फसल कैसे काटी जाएगी।

250 केवीए क्षमता वाला विद्युत ट्रांसफार्मर चोरों ने किया पार

उन्नाव। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र स्थित सम्भर खेड़ा गांव में चोरों ने बिजली विभाग के 250 केवीए क्षमता वाले ट्रांसफार्मर को चोरी कर लिया। इस घटना के बाद गांव के 500 से अधिक घरों की बिजली आपूर्ति ठप हो गई है, जिससे ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है ।ग्रामीणों के अनुसार, इस ट्रांसफार्मर से गांव के लगभग 500 से अधिक घरों में बिजली की आपूर्ति होती थी। चोरों ने देर रात ट्रांसफार्मर को खोलकर उसके महत्वपूर्ण उपकरण और अन्य सामान चुरा लिए। सुबह बिजली आपूर्ति शुरू न होने पर ग्रामीणों को घटना का पता चला। मौके पर पहुंचने पर उन्होंने ट्रांसफार्मर को गायब पाया ।घटना की सूचना मिलते ही बिजली विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। अधिशासी अभियंता भरत गौतम ने प्रारंभिक जांच में ट्रांसफार्मर चोरी की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि अज्ञात चोरों ने सुनियोजित तरीके से इस वारदात को अंजाम दिया है। विभागीय कर्मचारियों ने ग्रामीणों को जल्द ही नया ट्रांसफार्मर लगाकर बिजली आपूर्ति बहाल करने का आश्वासन दिया है ।बिजली आपूर्ति बाधित होने से ग्रामीणों को पेयजल, घरेलू कार्यों और छोटे व्यापारिक कार्यों में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। गर्मी बढ़ने के कारण बिजली कटौती से लोगों की परेशानी और बढ़ गई है। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द कार्रवाई करते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है। सूचना मिलने पर गंगाघाट कोतवाली पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची और निरीक्षण किया। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है और संदिग्ध गतिविधियों की जांच की जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और जल्द ही आरोपियों को चिन्हित कर कार्रवाई की जाएगी।

सिद्धपीठ शंकरी देवी मंदिर की महाआरती में सैकड़ों भक्त श्रद्धालु हुए शामिल

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। नगर व क्षेत्र की अधिष्ठात्री देवी सिद्ध पीठ मां शंकरी देवी मंदिर सफीपुर में नवरात्रि की दुर्गाअष्टमी के पावन अवसर पर गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी आज दिनांक 26 मार्च सोमवार समय सांय 6 बजे महाआरती का आयोजन संत स्वामी रामस्वरूप ब्रम्हचारी जी के सानिध्य में किया गया है।

मालूम हो कि गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी परमार्थधाम हनुमान मंदिर के संस्थापक सन्त स्वामी रामस्वरूप ब्रम्हचारी जी महाराज के सानिध्य में प्राचीन सिद्ध पीठ नगर एवं क्षेत्र की अधिष्ठात्री शंकरी देवी मां के मंदिर दरबार में महाआरती प्रज्वलित कर महामाई शंकरी देवी माई की आरती उतारी गई । आयोजक धर्मेन्द्र कुमार सिंह ने भी महामाई शंकरी देवी की हर बार की तरह महाआरती की। जिला पंचायत सदस्य दिलीप कुमार गुड्डू मिश्रा चेयरमैन गरिमा बाजपेई के पुत्र देवांग बाजपेई वीपी सिंह सेंगर शिवबालक सिंह सरोज मिश्रा बीघापुर चेयरमैन पुत्र उज्ज्वल बाजपेई रानू सिंह सुरेन्द्र कुशवाहा गणेश सिंह बिनोद मिश्रा कंचन गुप्ता बउआ गुप्ता शिवमोहन प्रजापति देवकीनंदन सैनी सचिन यादव गौरीशंकर सैनी विवेक चौहान अभय ठाकुर शिवम आयुष जय मिश्रा मधुर मिश्रा हरिप्रकाश इन्नू आदि ने भी महामाई की महाआरती की इस अवसर पर सैकड़ों की संख्या में भक्त मौजूद रहे जिन्होंने महामाई की महाआरती में शामिल होकर पुण्य लाभ अर्जित किया। माता रानी के गगन भेदी जय जयकारों से मंदिर भवन और परिसर गुंजायमान हो गया। इस मौके पर प्रशिक्षु आईपीएस सहायक पुलिस अधीक्षक संचित शर्मा सहित सुब्रत नारायण तिवारी प्रभारी निरीक्षक सफीपुर दल बल के साथ मौजूद रहे।

मिशन शक्ति अभियान के तहत रन फॉर एम्पावरमेंट कार्यक्रम का आयोजन

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। गुरुवार को रिजर्व पुलिस लाइन में मिशन शक्ति अभियान के तहत 'रन फॉर एम्पावरमेंट' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं को सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाना था। इस मैराथन दौड़ में बड़ी संख्या में महिला पुलिसकर्मियों और छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी अखिलेश सिंह, क्षेत्राधिकारी सफीपुर सोनम सिंह और क्षेत्राधिकारी लाइन विनी सिंह ने हरी झंडी दिखाकर किया। अधिकारियों ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि महिलाओं का सशक्तिकरण समाज की प्रगति का आधार है ।मैराथन दौड़ में रिजर्व पुलिस लाइन की महिला आरक्षियों के साथ-साथ विभिन्न विद्यालयों की बालिकाओं एवं छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। प्रतिभागियों ने पूरे जोश और ऊर्जा के साथ दौड़ पूरी कर महिला सशक्तिकरण का संदेश दिया। इस दौरान ह्लनारी शक्ति देश की शक्ति₹ जैसे नारों से पूरा परिसर गूंज उठा ।दौड़ समाप्त होने के बाद सभी प्रतिभागियों को पोषाहार वितरित कर उनका सम्मान और उत्साहवर्धन किया गया। इस अवसर पर प्रतिसार निरीक्षक पुलिस लाइन सचिन राय सहित पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी भी मौजूद रहे और आयोजन को सफल बनाने में सहयोग दिया ।कार्यक्रम के दौरान क्षेत्राधिकारी सफीपुर सोनम सिंह ने उपस्थित बालिकाओं और महिलाओं को सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी भी दी। उन्होंने बताया कि किसी भी आपात स्थिति में महिलाएं और बालिकाएं महिला पावर लाइन 1090, महिला हेल्पलाइन 181, आपातकालीन सेवा 112, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, चाइल्ड लाइन 1098, एम्बुलेंस सेवा 108, स्वास्थ्य सेवा 102 तथा साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 पर संपर्क कर तत्काल सहायता प्राप्त कर सकती हैं ।अधिकारियों ने बताया कि मिशन शक्ति अभियान का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना, सुरक्षा की भावना मजबूत करना तथा समाज में उन्हें सम्मानजनक और सुरक्षित वातावरण प्रदान करना है। इस प्रकार के कार्यक्रम महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ-साथ समाज को सकारात्मक संदेश देने का कार्य करते हैं।

गैस किल्लत का दिखा असर खाद्य सामग्री में दुकानदारों ने बढ़ाई कीमत

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। गैस सिलेंडर किल्लत का असर क्षेत्रीय बाजार में दिखने लगा है तमाम दुकानदारों द्वारा खाद्य वस्तुओं में 10 से लेकर 30 फीसदी तक वृद्धि की गई है ग्राहकों द्वारा मोलभाव पर दुकानदार गैस की समस्या का हवाला दे रहे है। गौरतलब हो गैस की समस्या उत्पन्न होने के बाद से तमाम स्थानीय दुकानदारों द्वारा लगभग सभी प्रकार के खाने पीने की वस्तुओं के दाम बढ़ा दिए गए है गौर करे सामान्य तौर पर पूर्व के दिनों समोसा 7 रुपए प्रति पीस बिकता था किंतु अब 10 रुपए के हिसाब से इसकी धड़ल्ले से बिक्री की जा रही है इसी तरह से जलेबी 100 रुपए प्रति किलो आसानी से मिल जाती थी किंतु अब 120-130 रुपए की दर से बेची जा रही है इसी तरह से ब्रेड पकौड़ा, चाट बतासा, पकौड़ी आदि सहित तमाम खाने पीने की वस्तुओं के दामों में 10 से लेकर 30 फीसदी तक वृद्धि कर दी गई है इस महंगाई को लेकर ग्राहक मोलभाव करते है तो उन्हें गैस की किल्लत या फिर गैस महंगी होने का हवाला दिया जाता है। भले ही आमजन में गैस की समस्या बनी हुई है किंतु यह आपदा कुछ लोगों के लिए एक अवसर के रूप में बनी हुई प्रतीत हो रही लोगो की चर्चा के अनुसार चंद लोग गैस का काला कारोबार भी कर रहे है जो किसी तरह सिलेंडर की कालाबाजारी कर स्थानीय दुकानदारों से मोटी रकम वसूल करते है लोगो के अनुसार सामान्य तौर पर बुकिंग पर 1000 रुपए में मिलने वाला सिलेंडर चोरी से 1500 से लेकर 1800 रुपए तक में मिल जाता है स्थानीय दुकानदार इन्हीं लोगों से सिलेंडर लेकर किसी तरह दुकानों का संचालन कर रहे है जिसके चलते महंगाई बढ़ गई है।

दुर्गा अष्टमी पर मां महागौरी के दर्शन के लिए मंदिरों में उमड़ी श्रदालुओं की भीड़

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। गुरुवार को नवरात्र के आठवें दिन दुर्गा अष्टमी पर मां महागौरी के दर्शन के लिए दुर्गा मंदिरों में भारी भीड़ उमड़ी। राजधानी मार्ग स्थित प्राचीन दुर्गा मंदिर में भोर से ही भक्तों की लंबी कतारें देखी गईं। दिनभर मां का पूजा-पाठ चलता रहा और नगर भक्तिमय बना रहा। मां महागौरी के स्वरूप के दर्शन के लिए मंदिरों को भव्य रूप से सजाया गया था। सुबह से ही मां के जयकारे गूंजते रहे। राजधानी मार्ग स्थित दुर्गा मंदिर के पंडित विनोद पांडे ने बताया कि मां महागौरी की विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने से भक्तों की मनोकामनाएं पूरी होती हैं। कई श्रद्धालुओं ने उपवास रखकर और दुर्गा सप्तशती का पाठ करके मां को प्रसन्न किया ।नगर के विभिन्न स्थानों पर जागरण का आयोजन किया गया, जहां महिला श्रद्धालुओं ने माता के भजन-कीर्तन गाए। मंदिरों में भक्त नारियल, चुनरी, धूप, दीप और नैवेद्य से सजी पूजा की थाल लेकर अपनी बारी का इंतजार करते दिखे। पट खुलते ही दर्शन के लिए श्रद्धालुओं में होड़ मच गई ।कंचन नगर स्थित कंचनामाई मंदिर, महेश मार्ग स्थित सिद्धिधात्री मंदिर, डाकतार कॉलोनी स्थित सोमा गौरी मंदिर, गांधीनगर स्थित काली मंदिर, पोनी रोड झंडे चौराहा स्थित झंडेश्वर मंदिर, बिन्दानगर स्थित दुर्गा मंदिर, बालूघाट स्थित गायत्री शक्तिपीठ, गंगा विशुनघाट दुर्गा मंदिर और राधा कृष्ण दुर्गा मंदिर सहित अन्य देवी मंदिरों में भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी गई ।नवरात्रि के अवसर पर मंदिरों के बाहर मेले जैसा माहौल था। पूजा सामग्री की दुकानों के साथ-साथ अन्य दुकानों पर भी श्रद्धालुओं ने जमकर खरीदारी की। कई श्रद्धालुओं ने उपवास रखकर देवी मां से सुख-समृद्धि की कामना की। देर शाम तक मंदिरों में देवी भक्तों का दर्शन के लिए आने का सिलसिला जारी रहा।

राम नवमी पर निकाली गई भव्य शोभा यात्रा

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। नगर में रामनवमी के उपलक्ष में भव्य शोभा यात्रा निकाली गई भिनकी पुर धाम के पीठाधीश्वर स्वामी राम स्वरूप ब्रह्मचारी जी के नेतृत्व में जिला पंचायत सदस्य दिलीप मिश्र, विनोद मिश्र, कार्यवाह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ राम नरेश चौहान की संयोजन में निकली भव्य शोभा यात्रा में चेयरमैन पुत्र देवांग बाजपेई, राजेश सिंह, चेतन त्रिवेदी, अनुराग तिवारी, गोल्डी सेंगर, अन्नू मौर्य, सोनू श्रीवास्तव, विशाल तिवारी आदि सैकड़ों लोग प्रभु श्री राम के जय घोष के साथ यात्रा में शामिल हुए नगर पंचायत कार्यालय द्वार पर नगर पंचायत अध्यक्ष पुत्र ने प्रसाद का वितरण किया सहायक पुलिस अधीक्षक प्रशिक्षु आईपीएस संचित शर्मा, पुलिस उपाधीक्षक सोनम सिंह प्रभारी निरीक्षक सुब्रत नारायण त्रिपाठी ने भारी पुलिस बल के साथ सुरक्षा की चाक चौबंद व्यवस्था की...

भूमि पर अवैध कब्जा को लेकर ग्रामीणों ने किया विरोध प्रदर्शन

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। थाना क्षेत्र के कच्छियनपुरवा गांव में प्राचीन मंदिर और कुएं की जमीन पर कथित कब्जे को लेकर ग्रामीणों ने गुरुवार को विरोध प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने अवैध कब्जाधारियों के खिलाफ कार्रवाई और भूमि को सुरक्षित करने की मांग की। मामले का संज्ञान लेते हुए एसडीएम बृजेंद्र मोहन शुक्ला ने जांच के आदेश दिए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव के कुछ दबंग किस्म के लोग मंदिर की जमीन पर अवैध कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि वे इस संबंध में प्रशासन और पुलिस से कई बार शिकायत कर चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। कच्छियनपुरवा गांव के मेधाई, राजाराम, अमरसिंह, इंदल, मंगली, रामनाथ, तुलसी, रामदीन, मंगतराम, मैकू, छत्रपाल, अनीस, दिनेश, सुरेश, अवधेश, राजबहादुर, विजयपाल, रूपन और स्वदेश सहित सैकड़ों ग्रामीणों ने तहसील पहुंचकर एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने पूजनीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग की ।ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि गांव के तीन पूजनीय स्थान - मंदिर, कुआं और होलिका की जमीन पर दबंगों ने कब्जा कर रखा है। जब पूरे गांव ने एकजुट होकर कब्जा छोड़ने की बात कही, तो कथित दबंगों ने उन्हें धमकाना शुरू कर दिया ।ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री पोर्टल, जिलाधिकारी और एसडीएम से भी अतिक्रमण हटवाने की गुहार लगाई है। एसडीएम बृजेंद्र मोहन शुक्ला ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल जांच के निर्देश दिए हैं, ताकि सच्चाई का पता लगाया जा सके और उचित कार्रवाई की जा सके।

माता रानी के दर्शन करने को लेकर मंदिरों में उमड़ी श्रदालुओं की भीड़

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। असोहा क्षेत्र के असावर स्थित पथवारी माँ ,पाथकपुरस्थित माँ जालीपा , असोहा स्थित माँ देहवा देवी ,कन्दरपुर स्थित बागेश्वरी माँ सहित अन्य मंदिरों में दर्शन पूजन करने के लिये भीड़ उमड़ रही है , मंदिरों में सुबह से शाम तक श्रद्धालु पूजन अर्चन कर प्रार्थना करते नजर आ रहे है । असावर स्थित माँ पथवारी मंदिर अति प्राचीन मंदिर है यहां के इतिहास के बारे में गांव के लोगो को नही पता परन्तु ग्रामीण बताते है कि माँ दिन में तीन बार अपना स्वरूप बदलती है । माँ के दर्शन करने के लिये उनाव ही नही वरन रायबरेली ,कानपुर ,लखनऊ , हरदोई जिलों से श्रद्धालु आकर हवन पूजन करते है । ग्रामीण रोहित , दिलीप , देवेश सिंह , छंगा निर्मल , प्रकाश आदि बताते है कि अद्भुत शक्ति होने के कारण माँ भक्ति व आस्था का केंद्र होने के साथ सभी की मनोकामना पूरी होती है । मंदिर परिसर में वर्ष भर धार्मिक व मांगलिक कार्यक्रम होते रहते है , ग्रामीणों ने बताया किबगल के गांव दऊ के एक व्यक्ति ने मा पर आस्था व्यक्त करते हुए अपनी जिव्हा काट कर चढ़ा दी थी जो एक हफ्ते में ही पूरी हो गई थी ।ग्रामीणों ने बताया कि मंदिर परिसर में सारे कार्यक्रम होते है परन्तु नोटंकी जैसा आयोजन नही होता है , यदि किसी ने कराया भी तो गांव सहित उस व्यक्ति के ऊपर कोई न कोई संकट आ जाता है ।

मां मंशा रानी के मंदिर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर चौरासी, उन्नाव। क्षेत्र फिरोजपुर खुर्द ग्राम छत्ता खेड़ा गांव में चैत्र नवरात्र के नवमी पर देवी मां मंशा रानी मंदिर में भक्तों की लंबी कतार लगी रही। मां मंशा रानी मंदिर पहुंचने वाले भक्तों में महिलाएं और पुरुष बच्चे अधिक से अधिक संख्याओं में शामिल रहे सुबह से देर शाम तक मां मंशा रानी देवी का पूजा पाठ चलता रहा ।मां मंशा देवी मंदिर को भव्य रूप में सजाया गया सुबह से ही माता रानी के जयकारे गूंजते रहे। मां मंशा रानी देवी मंदिर के पंडित ने बताया कि विधि विधान से पूजा अर्चना करने से भक्तों की मनोकामना पूरी होती है मंदिर परिसर में पुलिस बल की तैनाती मौजूद रही गुरुवार से ही चैत्र पक्ष नैवरात्र भी समापन हुए ।माता मां मंशा रानी देवी मंदिर का शाम के करीब 7:00 बजे माता रानी की आरती में श्रद्धालुओं ने बढ़ चढकर हिस्सा लिया।

सदिग्ध परिस्थितियों में फांसी के फंदे पर लटकता मिला युवती का शव

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर चौरासी, उन्नाव। थाना क्षेत्र के गांव दर्शन खेड़ा में बुधवार देर शाम एक युवती का शव अज्ञात कारणों से घर के अन्दर कमरे में लटका मिला। शव मिलते ही कोहराम मच गया। परिजनों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बुधवार देर शाम गांव निवासी संजय की लगभग उन्नीस वर्षीय पुत्री शालिनी का शव कमरे में लटका मिला। घटना के समय घर के लोग घर के अन्य कामों में व्यस्त थे। जब काफी देर तक शालिनी दिखाई नहीं दी तो खोजबीन शुरू हुई तो उसका शव लटका देखकर हड़कंप मच गया। परिजन आत्महत्या का कोई कारण स्पष्ट नहीं कर पा रहे हैं। परिजन अज्ञात कारणों से आत्महत्या करने की आशंका जता रहे हैं। पुलिस के अनुसार पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्यवाही की जाएगी।

अवर अभियंता पर पद के दुरुपयोग और धन उगाही के गंभीर आरोप, जांच की मांग

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। जनपद में विद्युत विभाग के एक अवर अभियंता पर पद के दुरुपयोग, अतिरिक्त कार्यभार लेकर अनियमितताएं करने और अवैध धन उगाही के गंभीर आरोप सामने आए हैं। मामले में उच्चस्तरीय जांच और कड़ी कार्रवाई की मांग की गई है ।प्राप्त जानकारी के अनुसार, अवर अभियंता दिनेश कुमार गौतम वर्तमान में सिटी बिजली घर के मूल चार्ज पर तैनात हैं, जबकि वे साथ ही परिवर्तन दल (चेकिंग/इंफोर्समेंट टीम) का कार्यभार भी संभाल रहे हैं। आरोप है कि यह अतिरिक्त कार्यभार बिना किसी विधिवत आदेश के लिया गया है ।सूत्रों के मुताबिक, परिवर्तन दल में व्यस्त रहने के कारण सिटी बिजली घर क्षेत्र में विद्युत चोरी की घटनाएं बढ़ी हैं, जिससे विभाग को राजस्व नुकसान उठाना पड़ रहा है। वहीं डळर योजना के अंतर्गत भी उनका प्रदर्शन अपेक्षा के अनुरूप नहीं रहा। बताया गया कि उन्हें करीब 2.31 करोड़ रुपये का लक्ष्य दिया गया था, जिसे वे पूरा नहीं कर सके।

आरोप यह भी है कि परिवर्तन दल के नाम पर विभिन्न क्षेत्रों में जाकर अवैध धन उगाही की जा रही है। इसके अलावा, गौतम वर्तमान में अवर अभियंता संगठन के अध्यक्ष भी हैं, जिसके प्रभाव का उपयोग कर वे अपने खिलाफ आने वाली शिकायतों को दबाने का प्रयास करते रहे हैं।

मामले में यह भी सामने आया है कि दिनांक 7 मार्च 2025 की रात लगभग 12 बजे, वे परिवर्तन दल के साथ अपने क्षेत्र से करीब 60 किलोमीटर दूर धनीखेड़ा इलाके में विद्युत चोरी पकड़ने पहुंचे थे। जबकि उस समय उनके पास न तो परिवर्तन दल का वैध चार्ज था और न ही किसी उच्च अधिकारी का आदेश। इस घटना का उउळश फुटेज भी साक्ष्य के रूप में उपलब्ध बताया जा रहा है।

बताया जा रहा है कि उनके खिलाफ पूर्व में भी कई शिकायतें की जा चुकी हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इस संबंध में प्रदेश के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष द्वारा भी पत्र प्रेषित किया जा चुका है।

शिकायतकताओं ने मांग की है कि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच कराई जाए तथा दोषी पाए जाने पर संबंधित अधिकारी के खिलाफ सख्त विभागीय कार्रवाई की जाए, जिससे विभाग में पारदर्शिता और अनुशासन सुनिश्चित हो सके।

खेत की फसल काटने को लेकर दो पक्षों में हुई मारपीट

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र स्थित शेरपुर खुर्द गांव में गुरुवार को खेत की फसल काटने के दौरान दो पक्षों में विवाद हो गया। यह विवाद देखते ही देखते मारपीट में बदल गया, जिसमें कई लोग घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) सफीपुर भेजा है। जानकारी के अनुसार, गुरुवार दोपहर करीब 12 बजे शेरपुर खुर्द गांव में खेत की फसल काटने को लेकर बटाईदार बताए जा रहे प्रथम पक्ष और द्वितीय पक्ष के बीच कहासुनी शुरू हुई। विवाद बढ़ने पर दोनों पक्षों में मारपीट हो गई, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई ।प्रथम पक्ष में अनिल कुमार पासी (45), राम आसरे पासी (43), हरिश्चंद्र लोध (50), राजेंद्र पासी (52) और राधा पासी (52) शामिल हैं। खेत मालिक ऋषभ सिंह (32) भी इस पक्ष से संबंधित बताए गए हैं। ये सभी शेरपुर खुर्द और करौंदी के निवासी हैं ।वहीं, द्वितीय पक्ष में रईस बेग (58), फैसल मिर्जा (27), शूफियान (26), रहमान (24), फैजान (23) और चांद बीबी का नाम सामने आया है। ये सभी शेरपुर खुर्द के निवासी हैं। आरोप है कि खेत को लेकर हुए विवाद के बाद दोनों पक्षों में मारपीट हुई ।घटना की सूचना मिलते ही सहायक पुलिस अधीक्षक संचित शर्मा और सफीपुर थाना पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस के पहुंचने से पहले ही द्वितीय पक्ष के लोग वहां से चले गए थे। पुलिस ने घायल प्रथम पक्ष के लोगों को सीएचसी सफीपुर भेजा, जहां उनका मेडिकल परीक्षण कराया जा रहा है ।इस घटना का एक वीडियो भी वायरल हुआ है, जिसमें दबंगई करते हुए धमकाने का आरोप है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, गांव में शांति व्यवस्था सामान्य है और किसी प्रकार का तनाव नहीं है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और तहरीर के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

एसपी ने लगभग दो दर्जन पुलिस कर्मियों को किया इधर से उधर

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। कानून व्यवस्था को सुदृढ़ और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक ने बड़े स्तर पर पुलिसकर्मियों के तबादले किए हैं। एक आदेश के तहत, कुल 24 पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से विभिन्न थानों और इकाइयों में स्थानांतरित किया गया है। सभी संबंधित कर्मचारियों को नई तैनाती स्थल पर तुरंत कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जारी आदेश में बताया गया कि यह स्थानांतरण प्रशासनिक आवश्यकताओं और कार्य व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए किए गए हैं। इस सूची में कई कांस्टेबल और महिला कांस्टेबलों को शामिल किया गया है, जिन्हें अलग-अलग थानों से हटाकर नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। जारी सूची के अनुसार, कांस्टेबल गौरव पाल को थाना दही से थाना बिहार, आयुष्मान यादव को थाना बांगरमऊ से थाना बिहार और कुलदीप को पुलिस लाइन से थाना बिहार भेजा गया है। इसी तरह, महिला कांस्टेबल दीपिका शुक्ला को न्यायालय सुरक्षा से थाना बीघापुर और महिला कांस्टेबल आशा को आरओआईपी से थाना अचलगंज स्थानांतरित किया गया है। अन्य तबादलों में, नरेश कुमारी को थाना मौरावां से थाना अजगैन, सचिन कुमार को थाना अजगैन से थाना मौरावां, कपिल मनी को थाना बेहटा मुजावर से थाना मौरावां और नवीन कुमार को थाना मौरावां से थाना बेहटा मुजावर भेजा गया है। संत कुमार को पुलिस लाइन से थाना बेहटा मुजावर और गिरीश कुमार को थाना अचलगंज से थाना असोहा में तैनात किया गया है। सौरभ तोमर और निखिल चौधरी सहित अंकित कुमार, गौरव कुमार, प्रिंस, जितेंद्र गुप्ता, शशांक चौधरी, शुभम तोमर और दीपक चौधरी को भी नई जिम्मेदारियां दी गई हैं। महिला कांस्टेबल प्रियंका को मानवाधिकार प्रकोष्ठ से थाना बेहटा मुजावर तथा महिला हेड कांस्टेबल श्वेता देवी को पेशी क्षेत्राधिकारी लाइंस से थाना फतेहपुर चौरासी भेजा गया है।

तीन बच्चों की मां प्रेमी के साथ हुई रफूचक्कर पति ने दर्ज कराया मुकदमा

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। थाना बिहार क्षेत्र में तीन बच्चो की माँ प्रेमी संग चले जाने पर पीड़ित पति द्वारा तहरीर दिए जाने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर खोजबीन शुरू कर दी है। मामला थाना क्षेत्र के दौलतखेड़ा गाँव का है । यहा के निवासी मुलायम पुत्र स्व० लल्लू की तहरीर के अनुसार उसका विवाह करीब 10 वर्ष पहले पहरवापुर थाना मलवा जिला फतेहपुर के निवासी कल्लू की पुत्री शिमला से हुआ था। उसके एक लड़का व दो लड़कियां है। गाँव के ही अंशू सोमवार को मेरी पत्नी शिमला को बहला फुसलाकर भगा ले गया । अंशू के सहयोगियों द्वारा पूछे जाने पर जान माल की धमकी दी गयी। छोटे छोटे बच्चे माँ को न पाकर बिलख रहे है। थाना प्रभारी राहुल सिंह ने बताया मुकदमा दर्ज कर खोजबीन शुरू कर दी गयी है।

सम्पादकीय

युद्ध के अल्पविराम को पूर्ण विराम में बदलने का वक्त

मध्य-पूर्व में तनाव के बीच हालात इस ओर इशारा कर रहे हैं कि अब बंदूकें खामोश होने को तैयार हैं। अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच हालिया तनाव में आया यह अल्पविराम महज एक रणनीतिक ठहराव नहीं, बल्कि वैश्विक संतुलन के लिए एक निर्णायक अवसर है। सवाल यह है कि क्या दुनिया इस मौके को पूर्ण विराम में बदल पाएगी, या फिर यह विराम अगली भीषण टकराहट का सिर्फ एक अंतराल बनकर रह जाएगा? इस संघर्ष ने यह स्पष्ट कर दिया है कि आधुनिक युद्ध अब केवल सीमाओं तक सीमित नहीं रहते, बल्कि उनके झटके पूरी दुनिया को झकझोर देते हैं। तेल और गैस की कीमतों में उछाल ने वैश्विक अर्थव्यवस्था की नब्ज पर सीधा प्रहार किया है। विकासशील देशों के लिए यह संकट और गहरा है, जहां महंगाई पहले ही आम आदमी की कमर तोड़ रही है। ऐसे में यह युद्ध केवल तीन देशों का मसला नहीं, बल्कि पूरी मानवता के आर्थिक और सामाजिक संतुलन का प्रश्न बन चुका है। सामरिक दृष्टि से देखा जाए तो अमेरिका और इजराइल ने ईरान की सैन्य क्षमताओं को गहरी चोट पहुंचाई है। उसके पूरे नेतृत्व को खत्म कर दिया। ईरान के कई रणनीतिक ठिकानों और आधारभूत ढांचे को ध्वस्त कर ईरान को करीब 20 से 25 साल पीछे धकेल दिया है। यह एक स्पष्ट संदेश है कि तकनीकी और सैन्य श्रेष्ठता आज भी निर्णायक भूमिका निभाती है। दूसरी ओर, ईरान ने भी अपनी जवाबी कार्रवाई से यह साबित कर दिया कि वह दबने वाला नहीं है। उसने न केवल अपने क्षेत्रीय प्रभाव को बनाए रखा, बल्कि सैन डियागो पर असफल हमला कर पश्चिमी देशों को यह चेतावनी भी दी कि किसी भी आक्रामक कदम की भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। यही वह बिंदु है, जहां यह युद्ध अपने "औचित्य" की सीमा पर पहुंच चुका है। जब दोनों पक्ष अपनी-अपनी ताकत का प्रदर्शन कर चुके हैं और एक-दूसरे को संदेश दे चुके हैं, तब संघर्ष को जारी रखना केवल विनाश को आमंत्रण देना होगा। युद्ध का उद्देश्य यदि राजनीतिक या सामरिक बढ़त हासिल करना था, तो वह काफी हद तक पूरा हो चुका है। अब आगे की लड़ाई केवल संसाधनों की बर्बादी और मानवता के खिलाफ अपराध बनकर रह जाएगी। ट्रंप द्वारा ईरान के ऊर्जा ढांचे पर हमले टालने का निर्णय इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण संकेत है। यह फैसला दर्शाता है कि कूटनीति की खिड़की अभी बंद नहीं हुई है। पांच दिनों का यह ठहराव केवल सैन्य रणनीति नहीं, बल्कि संवाद के लिए एक संभावित दरवाजा है। हालांकि, ईरान द्वारा किसी भी बातचीत से इनकार और अपनी शर्तों पर अड़े रहना यह बताता है कि रास्ता अभी आसान नहीं है। ईरान की ओर से रखी गई शर्तें, अमेरिकी सैन्य ठिकानों का बंद होना, होर्मुज जलडमरूमध्य के लिए नए नियम और मीडिया से जुड़े व्यक्तियों पर कार्रवाई स्पष्ट रूप से उसकी रणनीतिक सोच को दर्शाती हैं। यह केवल युद्धविराम नहीं, बल्कि क्षेत्रीय शक्ति संतुलन को अपने पक्ष में मोड़ने की कोशिश है। दूसरी ओर, अमेरिका और उसके सहयोगी इन शर्तों को स्वीकार करने की स्थिति में शायद ही हों। ऐसे में गतिरोध की स्थिति बनना स्वाभाविक है। फिर भी, इस पूरे घटनाक्रम का सबसे सकारात्मक पहलू यह है कि तनाव कम होते ही तेल की कीमतों में गिरावट आई है। अब समय आ गया है कि बारूद की भाषा को छोड़कर बातचीत की भाषा अपनाई जाए। युद्ध का यह अल्पविराम इतिहास के पन्नों में एक निर्णायक मोड़ बन सकता है, बशर्ते इसे समझदारी और दूरदृष्टि के साथ पूर्ण विराम में बदला जाए।

विश्लेषण

राज कुमार सिंह

> सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई समेत ईरान के चार दर्जन शीर्ष नेताओं को अब तक मारने में सफलता के बावजूद वहां कठपुतली सरकार बनाने का अमेरिका-इजराइल का सपना अधूरा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इच्छा के विपरीत ईरान ने खामेनेई के बेटे मोजतबा को ही अपना नया सर्वोच्च नेता चुना। मोजतबा ने युद्ध विराम से इनकार करते हुए साफ कर दिया है कि ईरानियों के खून का बदला लिया जाएगा और खाड़ी देशों से अमेरिकी सैन्य अड्डे नहीं हटे तो उन पर भी हमले जारी रहेंगे। ईरान को चंद दिनों में घुटनों पर ला देने का दम भरने वाले अमेरिका-इजराइल अब जंग खत्म होने तथा उसमें हो रही जन-धन हानि के सवालों से मुंह चुराने लगे हैं।

दुनिया पर भारी पड़ता जंग का जुनून

अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच जारी जंग का यह चौथा सप्ताह है, लेकिन शांति की कोशिशों के बजाय उसे भड़काने का जुनून ही सिर चढ़ कर बोल रहा है। जंग के पक्ष और सफलता को लेकर इन देशों के अपने-अपने तर्क और दावे हो सकते हैं, पर हकीकत डरावनी होती जा रही है। इस बीच अफवाह युद्ध भी जारी है। ईरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई के मर जाने या घायल होने का दावा अमेरिका और इजराइल कर रहे हैं तो जवाब में इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की मौत का दावा किया जा रहा है।

सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई समेत ईरान के चार दर्जन शीर्ष नेताओं को अब तक मारने में सफलता के बावजूद वहां कठपुतली सरकार बनाने का अमेरिका-इजराइल का सपना अधूरा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इच्छा के विपरीत ईरान ने खामेनेई के बेटे मोजतबा को ही अपना नया सर्वोच्च नेता चुना। मोजतबा ने युद्ध विराम से इनकार करते हुए साफ कर दिया है कि ईरानियों के खून का बदला लिया जाएगा और खाड़ी देशों से अमेरिकी सैन्य अड्डे नहीं हटे तो उन पर भी हमले जारी रहेंगे। ईरान को चंद दिनों में घुटनों पर ला देने का दम भरने वाले अमेरिका-इजराइल अब जंग खत्म होने तथा उसमें हो रही जन-धन हानि के सवालों से मुंह चुराने लगे हैं। अमेरिका अब कम्प्यूज्ड ज्यादा नजर आ रहा है।

कभी ट्रंप कहते हैं कि किसी देश की मदद नहीं चाहिए तो कभी गुहार लगाते हुए धमकाते हैं। अभी तक कह रहे थे कि स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज बंद होने से अमेरिका को फर्क नहीं पड़ता तो अब 48 घंटों में न खुलने पर भयावह परिणामों की धमकी दे रहे हैं। अपनी जवाबी कार्रवाई से चौंका रहे ईरान ने भी धमकी दे दी है कि अगर उसके ऊर्जा ठिकानों को निशाना बनाया गया तो वह भी अमेरिका के मित्र खाड़ी देशों के ऊर्जा ही नहीं, पेयजल संयंत्रों को भी ठिकाना बनाएगा। ध्यान रहे कि इन देशों में उपलब्ध ज्यादातर जल खारा है, जिसे इन संयंत्रों में पीने योग्य बनाया जाता है। ईरान के नतांज परमाणु केंद्र को निशाना बनाया गया तो उसने भी इजराइल के डिमोना परमाणु केंद्र पर हमला करने में देर नहीं लगाई। विडंबना यह है कि जंग के इन जुनूनी बोलों के बीच शांति की समझदारी के सुर अभी तक कहीं से भी सुनाई नहीं पड़े हैं। याद रहे कि रूस और यूक्रेन युद्ध के सीमित दायरे के बावजूद युद्ध विराम की कोशिशें और दावे नजर आये थे। अनेक संघर्ष विराम का श्रेय लेते हुए अपने लिए शांति का नोबेल पुरस्कार मांगते रहे ट्रंप ने भी जल्द रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त करवाने के दावे किए थे। उसी क्रम में उन्होंने यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की को अमेरिका बुलाकर अपमानित किया तो रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से भी कई बार बात की, लेकिन बात बनी नहीं और युद्ध चार साल बाद भी जारी है, जिसमें लगभग 18 लाख सैनिक और नागरिक मारे जा चुके हैं। इक्कीसवीं शताब्दी में विश्व व्यवस्था की विद्रूपता देखिए कि खुद को शांतिदूत बताने वाले ट्रंप ने ही इजराइल के साथ मिल कर ईरान पर हमले से खुद दुनिया को बड़ी जंग में धकेल दिया है। रूस और यूक्रेन

की तरह इजराइल-अमेरिका और ईरान के पास अपनी जंग को जायज ठहराने के तर्क हैं। इजराइल और ईरान अरसे से एक-दूसरे की आंखों में खटकते रहे हैं। अमेरिका भी ईरान के परमाणु कार्यक्रम का हौव्वा दिखा कर दुनिया को डराता रहा है। परमाणु कार्यक्रम तथा हमास, हूती और हिजबुल्लाह सरीखे आतंकी संगठनों को कथित ईरानी मदद के मुद्दे पर अमेरिका और ईरान में तीसरे देश में वार्ताएं भी चलीं। 26 फरवरी को जिनेवा में हुई वार्ता में ईरान परमाणु कार्यक्रम सीमित रखने पर राजी भी हो गया था, बशर्ते उसके विरुद्ध 1979 से लागू अंतराष्ट्रीय प्रतिबंध हटा लिए जाएं, जिनके चलते उसकी अर्थव्यवस्था चौपट हो चुकी है।

आतंकी संगठनों को कथित मदद पर अगली वार्ता में बात आगे बढ़ पाती, उससे पहले ही इजराइल के साथ मिलकर अमेरिका ने 28 फरवरी को ईरान पर हमला बोल दिया। अब जबकि ईरान ने मित्र देशों के अलावा सभी के लिए स्ट्रेट ऑफ होर्मुज बंद कर दिया है, ट्रंप की मदद की गुहार उनके दोस्त देश भी नहीं सुन रहे। हाल के इतिहास में विश्व व्यवस्था में अमेरिका इतना अकेला कभी नहीं दिखा। बड़े सुरक्षा अधिकारी जो केंट द्वारा इस्तीफा देते हुए किए गए इस खुलासे ने भी ट्रंप को कठघरे में खड़ा कर दिया है कि अमेरिका को ईरान से कोई खतरा नहीं। खामेनेई शासन की कट्टर इस्लामी व्यवस्था के विरोध में ईरान में प्रदर्शन किसी से छिपे नहीं रहे। दमनचक्र के चलते हजारों लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी। अमेरिका और इजराइल को लगा कि खामेनेई के खात्मे के साथ ही असंतोष और मुखर हो जाएगा, जिसका फायदा उठाते हुए ईरान में कठपुतली सरकार बनवाकर अकूत तेल और गैस संसाधनों पर कब्जा कर लिया जाएगा।

खामेनेई के खात्मे के बाद ईरानियों से सड़कों पर निकल कर सत्ता पर कब्जा कर लेने का आह्वान भी किया गया, लेकिन विदेशी आक्रमण के चलते वह आंतरिक असंतोष भी बीते वक्त की बात लगता है। दशकों से अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध झेलने के बावजूद आधुनिकतम हथियारों से लैस अमेरिका और इजरायल को ईरान जंग में जैसा जवाब दे रहा है, लगता नहीं कि युद्ध जल्द समाप्त होगा। अमेरिकी सैन्य अड्डे वाले खाड़ी देशों को निशाना बनाने के साथ ही अमेरिका और इजराइल पर भी ईरान सीधे हमले कर चौंका रहा है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज बंद होने से उत्पन्न वैश्विक ऊर्जा संकट कितना गहरा सकता है, इसका संकेत इसी से मिल जाता है कि हाल तक भारत पर रूस से तेल न खरीदने का दबाव बनाने वाला अमेरिका ही अब उस समेत तमाम देशों को रूस से कच्चा तेल खरीदने को कह रहा है। ईरान से तेल खरीद पर लगा प्रतिबंध भी कुछ समय के लिए हटा लिया गया है। तीन सप्ताह की जंग में ही कच्चे तेल और गैस की कीमतों में आया उछाल बेहद मुश्किल वक्त की आहट ही है, लेकिन जंग के जुनून के बीच शायद कोई उसे सुनना नहीं चाहता।

लंबी जंग से वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाली मार आर्थिक मंदी का कारण भी बन सकती है। वैसे यह आपदा रूस और अमेरिका की तेल कंपनियों के लिए जबर्दस्त कमाई का अवसर बन गई है। पिछले महीने कच्चा तेल 52 डॉलर प्रति बैरल बेचने वाला रूस अब 100 डॉलर प्रति बैरल बेच रहा है। अंजाम तो समय बताएगा, लेकिन असर बता रहा है कि दुनिया का चौधरी बनने की सनक में ट्रंप ने दुनिया को ऐसी जंग में झोंक दिया है, जिससे निकलना तो मुश्किल होगा ही, उसके असर से बच पाना नामुमकिन होगा।

जल संरक्षण

डॉ. शंकरलाल शास्त्री

जल ही जीवन है, इसे बचाएं

जल है तो कल है। जल का ही दूसरा नाम जीवन भी है। प्रतिवर्ष जल दिवस के भी आयोजन होते हैं। चारों और बड़े-बड़े विज्ञापन छापे जाते हैं. जल दिवस के दिन जल बचाने की बात की जाती है पर क्या एक दिन के चिंतन और जागरूकता से हम कल के लिए जल बचा पाएँगे? प्रायः मैं अपने उद्बोधनों और लेखों में इस बात का उल्लेख करता आया हूँ कि घर में होने वाले हर मांगलिक कार्य में जल की पूजा की जाती है। यदि पिछले चार-पांच दशकों की बात करें तो स्मरण हो आते हैं वे दिन जब जलस्रोतों के थोड़े ही नीचे से जल बड़ी आसानी से उपलब्ध हो जाया करता था पर आज तो जल रसातल में भी रिक्त होते जा रहा है। धरती मां का यह अमृत का पर्याय कहा जाने वाला 'जल' हमारे प्राचीन वाङ्मय में देव रूप में न केवल पूजा का आधार है बल्कि हर शुभ कार्य में इसकी पूजा का भी विधान है।

हम बचपन में अपने बड़ों के साथ अपने पैतृक गांव से क़रीब बीस - तीस किलोमीटर दूर की पैदल यात्रा करते थे। मुझे स्मरण है एक पुराना प्रसंग। जब मेरे गांव के एक मार्ग में रामपुरा की नदी आती। नदी के बीचों-बीच एक जलस्रोत यानी जलकूप बना था। वहाँ रस्सी से बंधी काठडी से पानी निकालते और सभी लोग पीनी पीते। चूँकि उस दौर में लगभग आठ-दस हाथ नीचे ही नदियों जैसे स्थलों में पानी होता था। पानी निकाल कर हाथ से दोनों हथेलियों को जोड़कर पानी पीते। पानी इतना मीठा और स्वादिष्ट होता कि पीते ही सारी थकान दूर हो जाती। वैज्ञानिक संदर्भों ने भी सिद्ध किया है कि जल हमारी थकावट को दूर कर देता है। इसी तरह एक गांव से दूसरे गांव को जाते। मार्ग में शिव मंदिर और जलकुंड होते। वहाँ भी ऐसे ही पानी निकालते मात्र दो-तीन हाथ नीचे ही पानी होता। पानी पीकर बरगद बाबा के नीचे विश्राम करते फिर अगले पड़ाव के लिए रवाना होते। आज वे जलस्रोत वीरान और सूखे पड़े हैं। पानी रसातल में गया।

जैसे सूक्तियां हमारा पथ-प्रदर्शन करती हैं किन्तु वे ही सूक्तियां यदि नकारात्मकता की दृष्टि से लिखी जाएं तो वे जनमानस को निराश ही करती हैं ठीक वैसे ही जल ही हमारा कल है किन्तु यदि इसका अनावश्यक दोहन किया जाए तो यह देश के लिए घातक है। विश्व जल दिवस के मौके पर ही प्राचीन जल स्रोतों को देखने और जल स्रोतों को बचाने के लिए हम अपने पैतृक गाँव कुशालीराम ,किशोरपुरा के लिए निकल पड़े। जहाँ अपना बचपन बिताया था जिन जल स्रोतों का पानी पीकर हम बड़े हुए। जिन जल स्रोतों के पास बैठकर बचपन बिताया था तथा प्रकृति माँ की शरण में जी पाए। चार दशक पुराने उस कुएँ को भी देखा। हम स्कूल के छोटे-छोटे बाल सखा घर आते और कुएँ पर बरसा में पानी पीते। पानी कितना मीठा और पाचक होता था कहने की आवश्यकता नहीं। विश्व जल दिवस को गाँव के पुराने जल स्रोतों को देख मन उदास था। आज तीन - चार दशक पुरानी यादें ताज़ा होने लगी जब चारों ओर खेतों में हरियाली छाई रहती थी। अब चारों ओर सूखा ही सूखा नजर आ रहा था। जंगलों को भू-माफिया हथिया रहे हैं। शायद अब जन -जागृति से इसे बचाया जा सकता है। 'बिन पानी सब सून' के भाव को गौण कर लोग कूपों के जल को टैंकरों में भर -भर कर चांदी कूट रहे हैं। भुजबल धनबल और अपने -अपने आकाओं की आड़ में इस धरती मां के अमृत को व्यर्थ नष्ट करने में लगे हैं। बचपन में हम रात्रि में जब घर के बाहर चारपाई डालकर सोते और पिताजी एवं बड़ों से जल बचाने की सीख भरी राजा-रानी के क़िस्से सुनते थे। उन कहानियों में छिपा एक गहरा संदेश भी हम सहजता से समझ जाते थे। खेतों में सिंचाई की जाती तो गर्मी के मौसम में रात्रि को सोते समय सुकून और शांति देने वाली हवा चला करती किंतु वे दिन अब कहाँ? आज कुएँ सूने और वीरान पड़े थे। पानी की बूँद-बूँद की सीख देने वाली दादी माँ और ममतामयी मां अब इस दुनिया में न थीं। उस कालखंड में गांव की चौपाल पर गांव के बुजुर्ग, पिताजी और चाचाजी कैसे जल शुद्धि के लिए हमें सिखाया करते थे। अब तो ये सब बच्चों को बताने के लिए हमें चित्रों के माध्यम से एक काल्पनिक सी फिल्म की पटकथा सी लिखनी होती है। हमारे बुजुर्ग वर्षा जल को एकत्रित करने के लिए हमें प्रेरित करते थे। वे हमें बचपन की गूँजती मधुर किलकारियाँ और पाटी-पोथी लेकर स्कूल जाते देख कितने ख़ुश होते थे। ख़ुशहाल समय का आकलन अच्छी वर्षा और भरपूर जलस्रोतों से होता था। हम प्रकृति माँ की छाँव और जल देव का अमृत पान कर ही हम जीवन जी पा रहे हैं। क्यों न हम फिर से हमारे प्राचीन जल स्रोतों को बचाने और जल संरक्षण का संकल्प लें। आत्मा ख़ुशी से झूम उठेगी।

इसी विचार के साथ हमने अपने पैतृक गाँव में जल संरक्षण को लेकर विचार मंथन किया और वर्षा जल से पहले ही जल को संरक्षित करने की नीति से जुड़े पक्ष भी रखे। सच में यदि हम कल के लिए आज न चेते तो वह दिन दूर नहीं जब पानी की एक-एक बूँद के लिए हमें कोसों दूर तक पलायन करना होगा। ऐसी स्थिति आज बहुत से स्थानों पर आ चुकी है। घर-घर जल मिशन कब शुरू होगा यह तो भविष्य के गर्भ में छिपा है। पिछले सात वर्षों से हमारे घर के नल में पानी की एक बूँद भी नसीब नहीं। टैंकरों की मनमर्ज़ी के अनुसार पैसे देकर पानी पीते हैं।

दर्शन

सारे जीवन-ऊर्जा बाहर की तरफ यात्रा कर रही है

संकलित

हम दीपावली अमावस की रात को मनाते हैं! दीयों की पंक्तियां बाहर जला लेते हैं, पर दीये तो भीतर नहीं जा सकते। भीतर की अमावस तो अमावस ही रहेगी। धोखे छोड़ो! इसे स्वीकार करो कि तुम बुझे हुए दीपक हो। अपने ही कारण तुम बुझे हुए हो। अपने ही कारण भीतर प्रकाश नहीं जागा। कहां चूक हो गई है? वस्तुतः हमारी सारी जीवन-ऊर्जा बाहर की तरफ यात्रा कर रही है। इस बहिर्यात्रा में ही हम भीतर अंधेरे में पड़े हैं। यह ऊर्जा भीतर की तरफ लौटे तो यही ऊर्जा प्रकाश बनेगी। तुम्हारा सारा प्रकाश बाहर पड़ रहा है। सबको देख लेते हो, अपने प्रति अंधे रह जाते हो। जिसने स्वयं को न देखा, उसने कुछ भी न देखा। तुम्हारे भीतर का दीया कैसे जले, सच्ची दीपावली कैसे पैदा हो? उसके सूत्र हैं बड़े मधु-भरे! पीओगे तो जी उठोगे। ध्यान धरोगे इन पर, संभल जाओगे। डुबकी मारोगे इनमें, तो तुम जैसे हो वैसे मिट जाओगे और तुम्हें जैसा होना चाहिए, वैसे ही प्रकट हो जाओगे। सूत्र यह है कि जिस प्रकाश को तुम खोज रहे हो, वह तुम्हारे भीतर बैठा है। तुम्हारी खोज के कारण ही तुम उसे नहीं पा रहे हो। तुम दौड़े जाते हो। थकते हो, गिरते हो। जिसे तुम खोजने चले हो, उस मालिक ने तुम्हारे घर में बसेरा किया हुआ है। तुम जिसे खोजने चले हो, वह अतिथि नहीं है, आतिथेय है। खोजने वाले में ही छिपा है। वह जो गंतव्य है, कहीं दूर नहीं, कहीं भिन्न नहीं, गंता की आंतरिक अवस्था है। अगर उसे देखना हो, उसके प्रति चैतन्य से भरना हो तो आंखें उलटाना सीखना पड़ेगा। यही ध्यान है।

प्रेरणा

दान की बड़ी महिमा

संकलित

एक बार राजा भोज एक जंगल के रास्ते से जा रहे थे। साथ में उनके राजकवि पंडित धनपाल भी थे। रास्ते में एक विशाल बरगद के पेड़ में मधुमक्खियों का एक बहुत बड़ा छत्ता लगा था। जो शहद के भार से गिरने ही वाला था। राजा भोज ने ध्यान से देखा तो पाया कि मधुमक्खियां उस छत्ते से अपने हाथ पैर घिस रही हैं। उन्होंने राजकवि से इसका कारण पूछा। राजकवि बोले- महाराज ! दान की बड़ी महिमा है। शिवि, दधीचि, कर्ण, बलि आदि अनेक दानियों का नाम उनके न रहने के बाद भी चल रहा है। दधीचि ने तो वज्र बनाने के लिए इंद्र को अपना कंकाल तक दान कर दिया था। कर्ण को आज सभी सबसे बड़े दानी के रूप में जानते हैं। जबकि केवल संचय करने और दान न करने वाले बड़े बड़े राजा महाराजाओं का आज कोई नाम लेने वाला भी नहीं है। इन मधुमक्खियों ने भी आजीवन केवल संचय ही किया है, कभी दान नहीं किया। इसलिए आज अपनी संपत्ति को नष्ट होते देखकर इन्हें दुःख हो रहा है। इसीलिए ये अपने हाथ पैर घिस रही हैं। अतः आवश्यकता से अधिक संचय हमेशा दुःख का कारण होता है। संचय किए हुए धन पर हमेशा राज दूसरे ही करते हैं, अतः कहा गया है की आप जितनी कमाई करते है उसका कुछ भाग अवश्य दान करें।

रामनवमी की तैयारी

राम नवमी पर्व से पहले हैदराबाद में सोमवार को एक कलाकार भगवान राम की मूर्ति को अंतिम रूप देता हुआ।

आज की पाती

ईरान की नीति और ऊर्जा संकट

दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति और वैश्विक व्यापार की एक महत्वपूर्ण धुरी हॉर्मुज जलडमरूमध्य है। यह एक अत्यंत संकीर्ण जलमार्ग है, जो फारस की खाड़ी को खुले समुद्र से जोड़ता है। इसी मार्ग से दुनिया के लगभग एक-चौथाई तेल और गैस का परिवहन होता है। ऐसे में ईरान द्वारा इस जलमार्ग से गुजरने वाले जहाजों पर शुल्क लगाने का प्रस्ताव केवल एक आर्थिक निर्णय नहीं, बल्कि वैश्विक राजनीति, अंतरराष्ट्रीय कानून और ऊर्जा सुरक्षा के लिए एक गंभीर चुनौती के रूप में देखा जा रहा है। यह कदम ऐसे समय में सामने आया है जब पूरी दुनिया पहले से ही ऊर्जा संकट, आपूर्ति श्रृंखला में बाधा और भू-राजनीतिक तनावों से जूझ रही है। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत और इराक जैसे देश इस मार्ग पर अत्यधिक निर्भर हैं। बहरहाल, यह लड़ाई अब बातचीत के जरिए खत्म होनी चाहिए। - प्रवीण ठाकुर, दुर्ग

ट्रेंड

लोहिया को श्रद्धांजलि

डॉ. राम मनोहर लोहिया की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि। वे एक बहुमुखी व्यक्तित्व थे जिन्होंने औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध जन आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और भारत की प्रगति में योगदान दिया। लैंगिक समानता और सहभागी शासन पर उनके विचार भी उतने ही उल्लेखनीय है।
- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

कच्चे तेल का भंडारण

बीते दशक में भारत ने संकट के ऐसे ही समय के लिए कच्चे तेल के भंडारण को भी प्राथमिकता दी है। आज भारत के पास 53 लाख मीट्रिक टन से अधिक का स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व है और 65 से अधिक की व्यवस्था पर देश काम कर रहा है।
- पीयूष गोयल, केंद्रीय वाणिज्य मंत्री

प्रेरणा स्रोत

महान क्रांतिकारी सरदार भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु के शहीद दिवस पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि। देश के लिए बेखौफ लड़ते हुए उनका संघर्ष और सर्वोच्च बलिदान हर भारतवासी के लिए प्रेरणा स्रोत है।
- राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

कृत्रिम बुद्धिमत्ता

नया उत्तर प्रदेश कृत्रिम बुद्धिमत्ता की शक्ति को अपना रहा है। पुत्र एआई के साथ 25,000 करोड़ रुपये के समझौता ज्ञापन से राज्य में एआई पार्क, बड़े पैमाने पर डेटा सेंटर अवसंरचना, एआई कॉमन्स और एक एआई विश्वविद्यालय स्थापित होंगे।
- योगी आदित्यनाथ, सीएम, उप्र

करंट अफेयर

व्हाइट हाउस के समीप स्थापित की गई कोलंबस की प्रतिमा

इतालवी खोजकर्ता क्रिस्टोफर कोलंबस की एक प्रतिमा को अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक कार्यालय एवं आवास व्हाइट हाउस के पास स्थित आइजनहावर सरकारी कार्यालय परिसर में स्थापित किया गया है। यह कदम राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन द्वारा इस कथित विवादित खोजकर्ता को सम्मान देने के प्रयास का हिस्सा है। यह उस प्रतिमा की प्रतिकृति है, जिसे 2020 में ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान देशभर में संस्थागत नस्लवाद के खिलाफ हुए विरोध प्रदर्शनों के बीच बाल्टीमोर के बंदरगाह में फेंक दिया गया था। ट्रंप पारंपरिक रूप से कोलंबस को 1492 के उस अभियान के नेता के रूप में देखते हैं

ऑफ बीट

खटमल एक वैश्विक समस्या इसके बारे में जानकारी कम

खटमल छोटे, उड़ने से लाचार कीड़े होते हैं जो मानव रक्त पर जीते हैं। कई प्रजातियां हैं, लेकिन सबसे अधिक लोगों को जिस प्रजाति का पता है वह साइमेक्स लेक्टुलरियस है। रोमनों ने उन्हें साइमेक्स कहा, जिसका अर्थ है बग। 1758 में बहुत बाद में प्राकृतिक इतिहासकार कार्ल लिनिअस ने इनके नाम के साथ 'लेक्टुलरियस' को जोड़ा, जिसका अर्थ है बिस्तर या सोफा। हमारा रक्त उनके पोषण का मुख्य स्रोत है, लेकिन वह जीने के लिए अन्य जानवरों का खून भी पीते हैं, जैसे पक्षियों, पालतू जानवरों और चमगादड़ों आदि का। खटमल में एक जटिल आंत माइक्रोबायोटा होता है

संक्षेप

जिलाधिकारी ने गोवंश संरक्षण पर की बैठक

निराश्रित पशुओं को गौशालाओं में संरक्षित करने के निर्देश

अमेठी, जिलाधिकारी संजय चौहान ने कलेक्ट्रेट सभागार में राष्ट्रीय डिजिटल पशुधन मिशन के अंतर्गत निराश्रित गोवंशों के संरक्षण और भरण-पोषण को लेकर एक बैठक की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को इस संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।जिलाधिकारी ने निराश्रित घूम रहे गोवंशों को स्थानीय गौशालाओं में संरक्षित कराने के लिए एक अभियान चलाने का निर्देश दिया। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि गौशालाओं में गोवंशों के लिए पर्याप्त चारा, भूसा, पशु आहार, स्वच्छ पेयजल, छांव और साफ-सफाई सहित अन्य मूलभूत व्यवस्थाएं उपलब्ध हों। संबंधित पशु चिकित्सा अधिकारियों को बीमार गोवंशों की नियमित देखभाल और उनके इलाज की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी गोवंश की मृत्यु होने पर उसका सुव्यवस्थित तरीके से निस्तारण सुनिश्चित किया जाए और मृत गोवंश को खुले में न छोड़ा जाए। बैठक में 50 से कम गोवंश वाले गौशालाओं में और अधिक गोवंशों को संरक्षित करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने 'ऑपरेशन त्रिनेत्र' के तहत सभी गौशालाओं में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने की अद्यतन प्रगति की भी समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने बताया की मुख्यमंत्री और शासन स्तर से निराश्रित गोवंशों के संरक्षण व भरण-पोषण की लगातार समीक्षा की जा रही है। जिलाधिकारी ने चेतावनी दी कि इस कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने हरे चारे की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के लिए समय से बुवाई करने को भी कहा। इस बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सचिन कुमार सिंह, प्रभागीय वनाधिकारी रणवीर मिश्र, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. जीके शुक्ला, डीसी मनरेगा शेर बहादुर, डीसी एनआरएलएम प्रवीणा शुक्ला सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

गैंगस्टर एक्ट का आरोपी गिरफ्तार

अमेठी पुलिस ने गौरीगंज से पकड़ा, जिले में कई मामले हैं दर्ज

अमेठी , पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के तहत वांछित एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गौरीगंज थाना पुलिस ने एजाज उर्फ राजन राईन को कटरालालगंज, गौरीगंज से पकड़ा। पुलिस अधीक्षक अमेठी सरवणन टी. और अपर पुलिस अधीक्षक ज्ञानेन्द्र कुमार सिंह के निर्देश पर जनपद में अपराध एवं अपराधियों की धरपकड़ के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत क्षेत्राधिकारी गौरीगंज अखिलेश वर्मा के नेतृत्व में गौरीगंज पुलिस ने यह कार्रवाई की। मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने एजाज उर्फ राजन राईन (25) पुत्र मोहम्मद अली को गिरफ्तार किया। वह गौरीगंज थाने में गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण अधिनियम के तहत वांछित था।

आरोपी पर जिले में कई मुकदमे दर्ज थे। गौरीगंज पुलिस द्वारा गिरफ्तार आरोपी के संबंध में आगे की विधिक कार्यवाही की जा रही है।

जौनपुर महोत्सव में बहराइच के कलाकारों ने बिखेरा जलवा

डीएम डॉ दिनेश चंद्र सिंह ने बहराइच की प्रतिभा और संस्कृति को सराहा

अमन लेखनी समाचार

मिथिलेश जायसवाल

बहराइच। जौनपुर महोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भव्य श्रृंखला के बीच बहराइच के प्रतिभाशाली कलाकार जसवीर सिंह जस्सी एवं शुभम ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम जिलाधिकारी डॉ दिनेश चंद्र सिंह ? की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। डीएम डॉ दिनेश चंद्र सिंह ? ने कलाकारों का उत्साहवर्धन करते हुए उनकी प्रतिभा की खुलकर सराहना की।कार्यक्रम में जसवीर सिंह ने अपनी प्रस्तुति चोक पुरावो, माटी रंगवावोह्वसे पारंपरिक लोक संस्कृति की सुंदर झलक पेश की। वहीं शुभम ने सजा दो घर को गुलशन सा गीत गाकर ऐसा समां बांधा कि पूरा पंडाल तालियों की गूंज से गूंज उठा। दोनों कलाकारों की प्रस्तुति ने उपस्थित हजारों दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।जिलाधिकारी श्री सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि जौनपुर महोत्सव प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को सहेजने और विभिन्न जनपदों की प्रतिभाओं को मंच देने का एक सशक्त माध्यम बन रहा है। उन्होंने विशेष रूप से बहराइच के कलाकारों की प्रशंसा करते हुए कहा कि वहां की कला और संस्कृति अत्यंत समृद्ध है, जिसे आगे बढ़ाने के लिए ऐसे आयोजनों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इस अवसर पर प्रदेश के राज्यमंत्री गिरीश चंद्र यादव, भाजपा जिलाध्यक्ष उमेश प्रजापती, पंजाबी अकादमी के जसविंदर सिंह सहित काफी संख्या लोग उपस्थित रहे।

नगर पंचायत रुपईडीहा के पचपकड़ी में महिला ने लगाई फांसी

अमन लेखनी समाचार

रूपईडीहा, बहराइच। जनपद के थाना रूपईडीहा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पचपकड़ी में बुधवार को एक महिला द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या किए जाने का मामला सामने आया है। मृतका की पहचान कोयली (उम्र लगभग 40 वर्ष) पुत्री हजारी के रूप में हुई है। रूपईडीहा थाना प्रभारी रमेश सिंह रावत ने जानकारी देते हुए बताया कि कोयली की शादी करीब 20 वर्ष पूर्व हरीहर पुत्र मातादीन, निवासी साईगांव थाना मल्हीपुर जनपद श्रावस्ती के साथ हुई थी। हालांकि, शादी के बाद से ही वह अपने ससुराल नहीं गई और मायके में ही रह रही थी। परिजनों के अनुसार, घटना से पूर्व घर में किसी प्रकार का विवाद भी नहीं हुआ था। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक जांच-पड़ताल शुरू कर दी है। पुलिस द्वारा शव को कब्जे में लेकर आगे की विधिक कार्यवाही की जा रही है। घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

कृषि प्राविधिक सहायक भर्ती में नियमानुसार आरक्षण देने की उठाई मांग

प्रगतिशील विश्व मौर्य परिषद के पदाधिकारी ने सौंपा ज्ञापन

अमन लेखनी समाचार

मिथिलेश जायसवाल

बहराइच। भर्ती में आरक्षण घोटाले को लेकर प्रगतिशील विश्व मौर्य परिषद के पदाधिकारियों ने मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंप कर संविधान में दिए गए आरक्षण के अंतर्गत भर्ती में आरक्षण निर्धारित करने की मांग की है। 24 मार्च 2026 को विज्ञापन संख्या -06/परीक्षा/2026 कृषि विभाग में प्राविधिक सहायक पद की भर्ती की अधिसूचना में ओबीसी को 27 फीसदी, एससी कों 21 फीसदी एवं एसटी कों 2 फीसदी आरक्षण न दिए जाने के कारण प्रगतिशील विश्व मौर्य परिषद ने प्रदेश अध्यक्ष आशीष कुमार मौर्य के नेतृत्व में मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन नगर मजिस्ट्रेट राजेंद्र प्रसाद को देकर जारी अधिसूचना में संशोधन करके ओबीसी, एससी एवं एसटी को उचित न्याय दिए जाने की मांग किया। प्रदेश अध्यक्ष आशीष कुमार मौर्य ने बताया कि उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग लखनऊ द्वारा 24 मार्च 2026 को विज्ञापन संख्या -06/परीक्षा/2026 कृषि विभाग में प्राविधिक सहायक पद की भर्ती की अधिसूचना जारी हुई है, जिसमे कुल पद 2759 है। जिसमे से अनारक्षित 1692, अनुसूचित जाति 213, अनुसूचित जनजाति 06, अन्य पिछड़ा वर्ग 573 एवं इडब्लूएस 275 पद निर्धारित किया गया है, जो सर्वथा नियम विरुद्ध और पक्षपातपूर्ण है। आयोग द्वारा जारी इस प्राविधिक सहायक पद की अधिसूचना मे ओबीसी के आरक्षण पर सीधा प्रहार किया है, और 27 फीसदी की जगह 21 ? फीसदी पद ही निर्धारित किया है, वही एससी कों 21 फीसदी की जगह 08 फीसदी और एसटी कों 02 फीसदी की जगह लगभग 0.2 फीसदी पद आधारित की गई है। अगर पद की बात करे तो संविधान के अनुसार ओबीसी कों 172 पद, एससी कों 366 पद एवं एसटी कों 49 पदों की घोटाला हुआ है। जो संवैधानिक नियमों की सरासर अवहेलना की है। सरकार की मंशा सबका साथ सबका विकास के ध्येय वाक्य को भी आयोग ने घूमिल करने का काम किया है। सरकारी मशीनरी पिछड़े वर्ग, अनुसूचित जनजाति एवं अनुसूचित जाति के नव युवाओं के अधिकारों को छीनकर उनका भविष्य कुचल रही है। प्रगतिशील विश्व मौर्य परिषद की मांग कि ओबीसी, एससी एवं एसटी के हित को ध्यान रखते हुए ये अधिसूचना को संशोधन करके ओबीसी को 27 फीसदी एससी 21 फीसदी एसटी कों 02 फीसदी आरक्षण देने का कष्ट करे। अगर अगर ओबीसी, एससी एवं एसटी को उनका अधिकार नहीं मिलता है तो अपने को ठगा महसूस करेंगे।इस मौके पर एडो.संजीव कुमार मौर्य, सरिता मौर्य, शिव कुमार मौर्य, रामरूप मौर्य, राजेंद्र गौतम आदि लोग उपस्थित रहे।

सांसद डॉ0 आनंद गोंड से की मुलाकात, नवाबगंज के विकास पर हुई चर्चा

अमन लेखनी समाचार

बाबागंज, बहराइच। नवाबगंज विकास खंड के युवा ग्राम प्रधान अतुल सिंह ने दिल्ली स्थिति सरकारी आवास पर सांसद बहराइच डॉ आनंद गोंड से मुलाकात कर नवाबगंज व ग्राम सभा की विभिन्न समस्याओं को प्रमुखता से उठाया एवं विकास कार्यों पर चर्चा की। इस दौरान वर्तमान स्थिति, संगठनात्मक गतिविधियों और स्थानीय जनसमस्याओं की जानकारी दी। उन्होंने इंडो-नेपाल सीमा से सटे क्षेत्र की विशेष परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए मूलभूत सुविधाओं के अभाव, सुरक्षा व्यवस्था और विकास कार्यों में तेजी लाने की आवश्यकता पर जोर दिया। ग्राम प्रधान श्री सिंह ने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों के लिए विशेष योजनाएं लागू किये जाने जिससे आम लोगों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। उन्होंने इस मुलाकात में क्षेत्रीय विकास, राजनीतिक रणनीतियों और जन समस्याओ के समाधान पर केंद्रित आत्मीय चर्चा शामिल

रही।लोकप्रिय सांसद डॉ आनंद गोंड ने सभी मुद्दों को ध्यानपूर्वक सुनते हुए आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया।

डॉ. घनश्याम तिवारी हत्याकांड, 2 दोषियों को उम्रकैद

अदालत ने 1.90 लाख का जुर्माना लगाया, मृतक की पत्नी को भुगतान का आदेश

अमन लेखनी समाचार

सुलतानपुर , चर्चित डॉक्टर घनश्याम तिवारी हत्याकांड में फैसला सुनाया गया। अपर जिला जज (एडीजे) संध्या चौधरी ने मुख्य अभियुक्त अजय नारायण सिंह और सह-अभियुक्त दीपक सिंह को उम्रकैद की सजा सुनाई है। अदालत ने उन पर कुल 1.90 लाख का अर्थदंड भी लगाया है। यह धनराशि मृतक डॉक्टर की पत्नी और वादी मुकदमा निशा तिवारी को दी जाएगी। यह मामला 23 सितंबर 2023 का है। लंभुआ के सखौली कला गांव निवासी डॉ. घनश्याम तिवारी की कोतवाली नगर के नरायनपुर गांव में पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी। उनकी पत्नी निशा तिवारी ने इस संबंध में स्थानीय कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने इस मामले में नरायनपुर गांव के अजय नारायण सिंह, उनके पिता जगदीश नारायण सिंह, चचेरे भाई विजय नारायण सिंह और मायंग गांव के ड्राइवर दीपक सिंह के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया था। हालांकि, सुनवाई के दौरान आरोपी जगदीश नारायण सिंह और विजय नारायण सिंह का निधन हो गया था। इसके बाद मुकदमा अजय नारायण सिंह और दीपक सिंह के खिलाफ चला। अदालत ने बीते दोनों आरोपियों को दोषी ठहराया था और सजा की तारीख तय की थी। दोनों दोषियों को जेल से कोर्ट लाया गया। अजय नारायण सिंह पर 1.20 लाख और दीपक सिंह पर 70 हजार का अर्थदंड लगाया गया है। यह कुल 1.90 लाख की धनराशि पीड़ित परिवार को मिलेगी। अभियोजन पक्ष की ओर से डीजीसी क्रिमिनल राम अचल मिश्र की निगरानी में वादी मुकदमा निशा तिवारी के अधिवक्ता संतोष पांडेय और एडीजीसी क्रिमिनल पवन दुबे ने पैरवी की। शासकीय अधिवक्ता पवन कुमार दूबे ने न्यायालय के फैसले पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि पीड़ित परिवार को न्याय मिला है।

नवरात्र में आस्था का संगम: 101 कन्याओं का हुआ पूजन व कन्या भोज

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। चैत्र नवरात्र के पावन पर्व पर तेजवापुर ब्लॉक के बेहटा भया स्थित प्राथमिक एवं जूनियर विद्यालय में श्रद्धा, भक्ति और सेवा का अनूठा संगम देखने को मिला। यहां 101 कन्याओं का विधि-विधान से पूजन कर भव्य कन्या भोज का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कन्याओं को देवी स्वरूप मानकर उनके चरण धोए गए, तिलक लगाकर पूजन किया गया और स्वादिष्ट व्यंजन परोसे गए। इसके पश्चात उन्हें उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया। इस पुनीत कार्य का नेतृत्व प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला मंत्री विजय कुमार उपाध्याय ने किया। उन्होंने कहा कि नवरात्र में कन्या पूजन का विशेष महत्व होता है और इससे समाज में सेवा व सम्मान की भावना बढ़ती है। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर में भक्तिमय माहौल बना रहा और सभी ने आयोजन की सराहना की इस अवसर पर प्रियंका साहू, पूजा सचान, कुसुम शुक्ला, संतोष श्रीवास्तव सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

गैस सिलेंडर के लिए लंबी कतारें

उपभोक्ता भीषण गर्मी में घंटों इंतजार को मजबूर, आपूर्ति कम

अमन लेखनी समाचार

अमेठी , भेटुआ ब्लॉक के नौगिरवा स्थित साईं राम भारत गैस ग्रामीण वितरक एजेंसी पर घरेलू गैस सिलेंडर के लिए उपभोक्ताओं की लंबी कतारें देखी गईं। भीषण गर्मी और धूप के बावजूद लोग घंटों तक सिलेंडर पाने के इंतजार में खड़े रहे। उपभोक्ताओं ने बताया कि समय पर बुकिंग कराने के बावजूद उन्हें सिलेंडर नहीं मिल पा रहे हैं। त्रिलोकपुर निवासी अमरावती ने जानकारी दी कि उन्होंने 19 मार्च को सिलेंडर बुक किया था, लेकिन अब तक उसकी डिलीवरी नहीं हुई है। इसी तरह, संड़िला निवासी कन्हैया लाल यादव 18 मार्च से लगातार एजेंसी के चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन उन्हें सिलेंडर मिलने की कोई उम्मीद नहीं दिख रही है। नरही निवासी सपना यादव और मनभौना की गीता ने भी कई दिनों के इंतजार के बाद भी सिलेंडर न मिलने की शिकायत की। जैतापुर निवासी हाशिया बानों ने बताया कि उन्होंने 13 मार्च को बुकिंग कराई थी। इस दौरान सिलेंडर एजेंसी पर आए भी, लेकिन उन्हें नहीं मिल सका। उन्होंने अपनी परेशानी व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें फिर से लाइन में खड़ा होना पड़ रहा है और काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। इस संबंध में एजेंसी संचालक संगीता सिंह ने बताया कि उपभोक्ताओं द्वारा बड़ी संख्या में बुकिंग की गई है, लेकिन उसकी तुलना में सिलेंडरों की पर्याप्त आपूर्ति नहीं हो पा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि एजेंसी को जितनी आपूर्ति मिल रही है, उसे तत्काल उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराया जा रहा है।

13 हजार कनेक्शन कटने पर हंगामा

बिल भरने के बाद भी आपूर्ति नहीं होने पर भड़का गुस्सा, जीटी रोड जाम-भागे कर्मचारी

अमन लेखनी समाचार

अलीगढ़ , बिजली विभाग ने प्रीपेड स्मार्ट मीटर के करीब 2.33 करोड़ रुपए के बकाए पर सख्त कार्रवाई की। एक ही दिन में 13,385 कनेक्शन काटने से लोगा भड़क गए। सोमवार रात को भी जब बिजली आपूर्ति शुरू नहीं हुई तो लोगों का धैर्य जवाब दे गया। 10 अलग-अलग बिजलीघरों पर लोगों ने जमकर हंगामा किया। नौरंगाबाद के जीटी रोड पर गुस्साए लोगों ने सीढ़ी रखकर करीब दो घंटे मार्ग बाधित कर दिया। उपभोक्ताओं का गुस्सा देकर बिजलीघरों पर तैनात कर्मचारी और स्टाफ अपनी कुर्सियां छोड़कर भाग गए।

बिल जमा करने के भी अंधेरा

उपभोक्ताओं का सबसे ज्यादा गुस्सा इस बात पर था कि बिल जमा करने के बावजूद उनकी बिजली बहाल नहीं की गई। शहर में 1.66 करोड़ के बकाए पर 11,693 और ग्रामीण क्षेत्रों में करीब 67 लाख रुपए के बकाए पर 3,000 से अधिक कनेक्शन काटे जाने थे।

पोर्टल क्रैश होने से हुई परेशानी

शाम 6 बजे तक करीब 6,682 उपभोक्ताओं ने 1.59 करोड़ रुपए का भुगतान भी कर दिया। बावजूद इसके पोर्टल क्रैश होने की वजह से हजारों घरों की बिजली रिकनेक्ट नहीं हो सकी। लोगों का कहना था कि चार-पांच बार बिजलीघर के चक्कर लगाए, लेकिन तीन घंटे बीतने के बाद भी उनकी सुनवाई नहीं हुई। वहीं रानी शर्मा का आरोप है कि अधिकारी फोन तक नहीं उठा रहे हैं, जिसके कारण उन्हें मजबूरन सड़क पर उतरना पड़ा।

दो घंटे बाद खुला जाम

मामले की जानकारी पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। देर रात उच्चाधिकारियों के समझाने और पोर्टल ठीक होने का आश्वासन मिलने पर करीब दो घंटे बाद जाम खुल सका। मामले में बिजली निगम के मुख्य अभियंता पंकज अग्रवाल ने सफाई देते हुए कहा कि एक साथ बड़ी संख्या में भुगतान होने के कारण पोर्टल पर लोड बढ़ गया था और वह क्रैश हो गया।

देर रात तक चला बिजली बहाली का काम

उन्होंने कहा कि तकनीकी खामी को दुरुस्त कर लिया गया है और अब रिचार्ज करने वाले उपभोक्ताओं की बिजली तत्काल जोड़ी जा रही है। गूलर रोड, घंटाघर, किला रोड और स्वर्णजयंती नगर जैसे इलाकों में देर रात तक बिजली बहाली का काम चलता रहा, जिससे उपभोक्ताओं को थोड़ी राहत मिली।

स्मैक तस्कर की 80 करोड़ की संपति फ्रीज

8 खेत और दो मकानों पर कार्रवाई, सत्तापक्ष के विधायक ने कांप्लेक्स का काटा था फीता

अमन लेखनी समाचार

शाहजहांपुर, पुलिस ने एक स्मैक तस्कर रियाज उर्फ बाबू पडेरा की लगभग 80 करोड़ रुपए की संपत्ति फ्रीज कर दी है। यह कार्रवाई एसपी राजेश द्विवेदी के निर्देश पर की गई। फ्रीज की गई संपत्तियों में आठ खेत, दो मकान, दो ईंट के भट्टे, एक कॉम्प्लेक्स, एक कार और दो ट्रैक्टर शामिल हैं। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात रहा और संपत्तियों पर बोर्ड लगाए गए।कटरा थाना क्षेत्र का निवासी रियाज उर्फ बाबू पडेरा कई वर्षों से स्मैक तस्करी में लिप्त था। उसे पहले भी दूसरे राज्य की पुलिस ने इसी आरोप में गिरफ्तार किया था। जेल से छूटने के बाद भी उसने अपनी अवैध गतिविधियां जारी रखीं और करोड़ों रुपये की संपत्ति अर्जित की। उसने दो आलीशान मकान, एक कॉम्प्लेक्स और कई बीघा खेत और ईट के भट्टे भी खरीदे थे। पिछले दो महीनों में पुलिस ने कई स्मैक तस्करों को पकड़ा, जिन्होंने पूछताछ में रियाज उर्फ बाबू पडेरा से स्मैक खरीदने की बात कबूली। इसके बाद पुलिस ने रियाज को भी स्मैक के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। इसी मामले में अब उसकी अवैध रूप से अर्जित संपत्ति पर कार्रवाई की गई है। पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी ने बताया कि करीब 80 करोड़ रुपये की संपत्ति को फ्रीज किया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि मामले में आगे की कार्रवाई जारी रहेगी। जानकारी के अनुसार, आरोपी रियाज ने अपने काले कारनामों को छिपाने के लिए एक कॉम्प्लेक्स खोला था। उसने राजनीति में अपनी पहचान

बनाने के लिए भी काफी पैसा खर्च किया था। बताया जाता है कि उसके इसी कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन सत्ता पक्ष के एक विधायक ने किया था।

पुलिस पर मारपीट, तोड़फोड़ का आरोप

अंतू थाना क्षेत्र में हिंसक झड़प के बाद परिजनों ने लगाए आरोप

अमन लेखनी समाचार

प्रतापगढ़ , अंतू थाना क्षेत्र में एक हिंसक झड़प के दौरान पुलिस पर मारपीट और तोड़फोड़ का आरोप लगा है। यह घटना दो परिवारों के बीच चल रहे पुराने विवाद के बाद हुई। जानकारी के अनुसार, उपाध्यायपुर गांव निवासी इमरान और उसके साढ़ू के परिवार (ककरहा निवासी) के बीच लंबे समय से तनाव चल रहा था। इमरान के ककरहा पहुंचने पर दोनों पक्षों में पहले कहासुनी हुई, जो जल्द ही मारपीट में बदल गई। झगड़े की सूचना मिली कि दोनों पक्ष असलहे (तमंचा) लेकर एक-दूसरे को दौड़ा रहे हैं, जिस पर एआरटीओ चौकी इंचार्ज मौके पर पहुंचे। पुलिस को देखते ही इमरान वहां से भागकर अपने घर पहुंच गया। चौकी इंचार्ज ने उसका पीछा किया और उसके घर पहुंच गए घर पर इमरान के परिजनों और पुलिस के बीच तीखी नोकझोंक शुरू हो गई। परिजनों का आरोप है कि इसी दौरान चौकी इंचार्ज ने इमरान के पिता याकूब और परिवार के एक अन्य सदस्य माशूक को थप्पड़ मार दिया। इस घटना से नाराज परिजन और आसपास के लोग आक्रोशित हो गए और उन्होंने पुलिस को घेरकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। सूचना पर थाने से अतिरिक्त पुलिस बल भी मौके पर पहुंचा। परिजनों ने आरोप लगाया है कि पुलिस ने घर में घुसकर तोड़फोड़ की और मारपीट भी की। पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए दो लोगों को हिरासत में लिया और उन्हें थाने भेज दिया। इस घटना के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल बना हुआ है। फिलहाल, पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच में जुटी हुई है।

सरकारी राशन दुकान निर्माण पर ग्रामीण नाराज

गांव से 3 किलोमीटर दूर नदी किनारे बन रही दुकान; एसडीएम आवास का घेराव कर प्रदर्शन किया

अमन लेखनी समाचार

प्रतापगढ़ , लालगंज तहसील के गोड़वा ग्रामसभा में प्रस्तावित सरकारी खाद्यान्न मॉडल शॉप का निर्माण गांव से दूर नदी किनारे कराए जाने को लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। ग्रामीणों के विरोध के बावजूद कोटेदार और ग्राम प्रधान निर्माण गांव में कराने को तैयार नहीं हैं। इससे नाराज सैकड़ों ग्रामीणों ने मंगलवार दोपहर एसडीएम आवास का घेराव कर प्रदर्शन किया। एसडीएम ने ग्रामीणों को शांत कराकर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया है। शासन ने खाद्य एवं रसद विभाग को प्रत्येक ग्राम सभा में गरीबों को राशन उपलब्ध कराने के लिए सरकारी खाद्यान्न मॉडल शॉप के निर्माण का आदेश दिया है। अधिकांश ग्राम पंचायतों में इन दुकानों का निर्माण कार्य तेजी से शुरू भी हो गया है। हालांकि, लालगंज तहसील के गोड़वा ग्रामसभा में सरकारी सस्ते गल्ले की दुकान (सरकारी खाद्यान्न मॉडल शॉप) का निर्माण गांव से लगभग तीन किलोमीटर दूर सई नदी के किनारे जंगल में कराया जा रहा है। ग्रामीणों ने पहले भी इसका विरोध किया था, लेकिन ग्राम प्रधान और कोटेदार ने उनकी बात नहीं सुनी और जंगल में ही भवन का निर्माण कार्य जारी रखा।मंगलवार को गोड़वा ग्रामसभा के सैकड़ों ग्रामीण तहसील मुख्यालय पहुंचे। एसडीएम और तहसीलदार के न मिलने पर ग्रामीण सीधे एसडीएम आवास पहुंचे और जोरदार प्रदर्शन किया। उन्होंने एसडीएम को एक शिकायती पत्र सौंपकर ग्राम सभा की खाली जमीन पर गांव में ही सरकारी खाद्यान्न मॉडल शॉप का निर्माण कराने की मांग की। इस दौरान बृजेंद्र मोहन पांडेय ने आरोप लगाया कि ग्राम प्रधान और कोटेदार जानबूझकर गांव के बजाय जंगल में दुकान का निर्माण करा रहे हैं, ताकि वे राशन की कालाबाजारी कर सकें। वहीं, विश्वंभर नाथ मिश्र ने कहा कि गांव से तीन किलोमीटर दूर राशन लेने में महिलाओं और बच्चों को परेशानी होगी।

संक्षेप

बंबे में फंसे सांड का रेस्क्यू

गोरक्षकों ने जान बचाई, पशु चिकित्सक ने किया उपचार

बागपत, कस्बा टटीरी में गोरक्षकों ने दुडभा मार्ग स्थित एक बंबे में फंसे सांड का सफल रेस्क्यू किया। गोरक्षक ठाकुर मानव को सांड के फंसे होने की सूचना मिली थी, जिसके बाद वे अपनी टीम के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे। मौके पर सांड काफी देर से बंबे में फंसा हुआ पाया गया था। बाहर निकलने के प्रयासों के कारण वह कमजोर हो चुका था। गोरक्षक टीम ने सावधानीपूर्वक रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया और कड़ी मशक्कत के बाद सांड को सुरक्षित बाहर निकाला। रेस्क्यू के बाद सांड की हालत कमजोर थी। गोरक्षकों ने तत्काल पशु चिकित्सक को बुलाया। डॉक्टर ने सांड का प्राथमिक उपचार किया, जिसके बाद उसकी स्थिति में सुधार होने की जानकारी मिली है। स्थानीय लोगों ने गोरक्षक टीम के इस प्रयास की सराहना की है। इस कार्य को पशु सेवा और संवेदनशीलता का उदाहरण बताया गया।

गैंगस्टर एक्ट के आरोपी की जमानत याचिका खारिज

कोर्ट ने कहा- संगठित अपराध में शामिल होने के पर्याप्त साक्ष्य मौजूद

बागपत , विशेष न्यायाधीश गैंगस्टर एक्ट कोर्ट ने एक आरोपी की जमानत याचिका खारिज कर दी है। यह मामला गैंगस्टर एक्ट के तहत दर्ज गंभीर अपराध से संबंधित है। आरोपी सावन पुत्र कृष्ण पाल पर संगठित गिरोह बनाकर आपराधिक गतिविधियों में शामिल होने का आरोप है। मामले की सुनवाई के दौरान, अभियोजन पक्ष ने अदालत में विस्तृत दस्तावेज और पुलिस रिपोर्ट पेश की। अभियोजन की ओर से पैरवी कर रहे एडवोकेट इंद्रपाल ने बताया कि प्रस्तुत साक्ष्यों से आरोपी का आपराधिक इतिहास स्पष्ट होता है। उसके खिलाफ पहले भी कई गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं। अभियोजन पक्ष ने अदालत को बताया कि आरोपी एक सक्रिय गिरोह का सदस्य है। यदि उसे जमानत दी जाती है, तो समाज में भय और असुरक्षा का माहौल बन सकता है। यह आशंका भी जताई गई कि रिहा होने पर आरोपी दोबारा आपराधिक गतिविधियों में शामिल हो सकता है, जिससे कानून-व्यवस्था प्रभावित होगी। बचाव पक्ष ने आरोपी को निर्दोष बताते हुए जमानत की मांग की। हालांकि, अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलों और साक्ष्यों का गंभीरता से परीक्षण किया। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि आरोपी के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य मौजूद हैं, इसलिए उसे जमानत देना न्यायहित में उचित नहीं होगा। अदालत ने यह भी माना कि आरोपी संगठित अपराध में सक्रिय भूमिका निभा रहा था, जिसका समाज पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

नाबालिग से दुष्कर्म-अपहरण, आरोपी को 20 साल की जेल

तीन साल पुराने मामले में कोर्ट ने सुनाया फैसला, 30 हजार जुर्माना

बागपत। तीन साल पहले नाबालिग का अपहरण कर दुष्कर्म करने के मामले में बागपत की एक अदालत ने अपना फैसला सुनाया है। कोर्ट ने आरोपी रिजवान को 20 साल के कारावास की सजा सुनाई है और उस पर 30 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। यह घटना बागपत जनपद के बालैनी थाना क्षेत्र में हुई थी। मुजफ्फरनगर निवासी रिजवान पुत्र कल्लूर ने एक 14 वर्षीय किशोरी का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म किया था। पीड़िता का परिवार शामली जनपद का रहने वाला था और मजदूरी के लिए बागपत आया हुआ था।

कई पंप बंद, पेट्रोल के लिए लंबी लाइन

अफवाह के बाद सैकड़ों लोग पंपों पर पहुंचे, डीएम ने इमरजेंसी बैठक बुलाई

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज , पेट्रोल को लेकर गुरुवार को भी अफवाह उड़ती रहीं। तेल खत्म होने वाला है, महंगा होने वाला है, इस अफवाह के बाद दोपहर में हजारों लोग एकाएक पेट्रोल पंपों पर पहुंच गए। भारी भीड़ की वजह से अफरातफरली मच गई। वाहनों की लंबी कतार की वजह से अफवाहों को और बल मिला। सिविल लाइंस से लेकर पुरानरे शहर तक पेट्रोल भराने के लिए मारामारी की नौबत रही। लोगों ने इतना पेट्रोल भरवाया कि खुल्दाबाद, अटाला के पेट्रोल पंपों पर तेल खत्म हो गया। कई और पंपों पर तेल खत्म होने की हालत में है पेट्रोल पंपों के बंद होने से लोग और घबरा गए, ऐसे में जिनके वाहनों में तेल था वह भी और तेल भराने पहुंच गए। शाम तक यह हालात हो गए कि पंपों के सामने गाड़ियों की लंबी लाइन की

वजह से जाम लग गया। कई जगहों पर आगे जाने के चक्कर में लोगों में झगड़ा भी हुआ। कई गुना दाम बढ़ने से परेशान हुए लोग पेट्रोल, डीजल खत्म होने और पेट्रोल की कीमतें कई गुना बढ़ने की अफवाहों से शहर में अफरातफरी का आलम नजर आया। लोग अपने आप ही बात करते नजर आए कि पेट्रोल के दाम कई गुना बढ़ने वाले हैं। इसके बाद कारों में तेल भराने वालों की भीड़ जमा हो गई। सिविल लाइंस के स्पीड मोटर्स ऑटो सेल्स पर वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं। दो पहिया से लेकर चार पहिया वाहनों में पेट्रोल डलाने वाले पहुंचते रहे। पेट्रोल पंप के मालिक अनुज गुप्ता का कहना है कि फिलहाल पेट्रोल डीजल की कमी नहीं है लेकिन पेट्रोल डीजल की खपत तीन गुना तक बढ़ गई है। डीएसओ सुनील सिंह ने वीडियो संदेश जारी कर लोगों से अपील कि कि अफवाहों पर ध्यान न दें। जिले में पेट्रोल और डीजल की पर्याप्त उपलब्धता है। डीएम ने बैठक बुलाई, लोगों से अपील की अफवाहों पर विराम लगाने के लिए डीएम मनीष वर्मा ने इमरजेंसी बैठक बुलाई। सभी तेल कंपनियों के अधिकारियों और डीलर्स के साथ डीएम ने कलेक्ट्रेट के संगम सभागार में बैठक कर हालात जाने। डीएम ने कहा कि पेट्रोल डीजल की जिले में कोई कमी नहीं है। लोगों को पैनिक नहीं होना चाहिएञ। उन्होंने अपील किया कि लोग अफवाहों में न आएं। डीएम ने कंट्रोल रूम के नंबर भी जारी किए हैं।

इलेक्ट्रिक प्रेस से हमलाकर पत्नी की हत्या की

बोला- कहती थी मां को छोड़ दो, इसलिए मार डाला; 5 घंटे सामने बैठा रहा

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज, पति ने पत्नी की हत्या कर दी। पति ने इलेक्ट्रिक प्रेस से पत्नी के सिर पर ताबड़तोड़ 8 वार किए। इससे वह लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़ी। करीब 5 घंटे तक वह पत्नी को तड़पता देखता रहा। जब पत्नी की सांस थम गई ।तब उसने गुरुवार सुबह करीब 6 बजे पुलिस को फोन किया। बोला- मैंने अपनी पत्नी का मर्डर कर दिया है। डेडबॉडी घर पर है। पुलिस मौके पर पहुंची तो आरोपी पति पत्नी की लाश के सामने बैठा था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी पति ने बताया कि हर रोज पत्नी कहती थी कि अपनी मां-बहन को छोड़ दो। मेरे साथ रहो। बुधवार रात करीब 1: 30 बजे इसी बात को लेकर हम दोनों के बीच झगड़ा हुआ था। दोनों ने 5 साल पहले लव मैरिज की थी। घटना झूंसी थाना के चमनगंज बाजार की है विस्तार से पढ़िए पूरा मामलाङ्क 5 साल पहले लव मैरिज की थी चमनगंज बाजार निवासी हेमंत कुमार वर्मा ने बताया- पंजाब के गुरदासपुर निवासी स्वीटा से मेरा अफेयर था। 12 नवंबर 2021 में हम दोनों ने लव मैरिज कर ली। शादी से मेरी एक 2 साल की बेटी भी है। शादी के बाद से ही स्वीटा मुझ पर अलग रहने का दबाव बनाने लगी। मैंने उससे कहा कि मेरे पिता की मौत हो चुकी है। मां और बहन ही तो परिवार में हैं। मैं अकेला घर का कमाने वाला हूं। अगर मैं छोड़कर चला गया तो वह लोग कैसे रहेंगे। उनका ख्याल रखना हमारी जिम्मेदारी है। मगर वह नहीं मानी। आए दिन वह झगड़ा करती। मेरे साथ भी मारपीट करती थी। मां को छोड़कर अलग रहने का दबाव बना रही थी पत्नी पुलिस पूछताछ में उसने बताया- बुधवार रात भी हम दोनों के बीच इसी बात को लेकर झगड़ा हुआ। उसने मुझ पर हाथ उठा दिया। मेरे साथ मारपीट करने लगी। तभी मैंने आयरन प्रेस से उसके सिर पर वार कर दिया। इससे वह मर गई। जब तक वह मर नहीं गई, मैं वहीं बैठा रहा। सुबह 6 बजे उसने 112 नंबर पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी।

अनावरण से पहले आंबेडकर प्रतिमा क्षतिग्रस्त

संगीत सोम बोले- आरोपियों पर कार्रवाई हो; सपा विधायक की पत्नी भी पहुंचीं

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा को अनावरण से पहले ही क्षतिग्रस्त कर दिया गया है। सुबह लोगों ने देखा तो हंगामा मच गया है। सूचना पर एसपी ग्रामीण पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे और लोगों को समझाने का प्रयास किया। पुलिस आरोपियों की पहचान करने में जुटी है। वहीं सूचना पर सपा विधायक अतुल प्रधान की पत्नी भी मौके पर पहुंची और आरोपियों पर कार्रवाई की मांग की। इसके बाद संगीत सोम भी मौके पर पहुंच गए और अधिकारियों से कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा- आरोपियों पर कार्रवाई हो। 30 मार्च को ही प्रतिमा का अनावरण होगा। पूरा मामला सरधना तहसील के इंचौली थाना के भगवानपुर की है। सरधना विधायक अतुल प्रधान की पत्नी सीमा प्रधान मौके पर पहुंची हैं। उनका कहना है कि हम बाबा भीमराव अंबेडकर के निदेर्शों पर ही चल रहे हैं। यह मूर्ति खंडित कर बड़ा ही गलत किया गया है। 30 मार्च को इसका अनावरण होने वाला था। उससे पहले ही इसको खंडित कर दिया गया है। उनका कहना है कि ऐसे अपराधियों को सख्त से सख्त सजा दिलाई जाए। उन्होंने कहा- जहां भी बाबा भीमराव अंबेडकर की मूर्ति है वहां पर कैमरे लगवाए जाने चाहिए।

हिस्ट्रीशीटर ने पुलिसकर्मी की वर्दी फाड़ी

नौचंदी पुलिस थाने लेकर आई थी, घरवालों ने हमला कर कस्टडी से छुड़ाने का प्रयास किया

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , वायरल वीडियो के मामले में गिरफ्तार हिस्ट्रीशीटर और उसके परिवार ने पुलिस पर हमला बोल दिया। हिस्ट्रीशीटर के परिवार की महिलाओं ने महिला कांस्टेबल की वर्दी फाड़ दी। पुलिस ने सख्ती दिखाई तो हिस्ट्रीशीटर ने दीवार में सिर मारकर फोड़ लिया। पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। मेरठ में रविवार को दो युवकों का हथियारों का साथ वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। थाना पुलिस ने वीडियो पुराना बताकर पल्ला झाड़ने की कोशिश की लेकिन जब मामला अफसरों तक पहुंचा तो मामले में जांच बैठा दी गई। पता चला कि वायरल फोटो शास्त्रीनगर सेक्टर चार निवासी हिस्ट्रीशीटर जमाल के हैं। सुबह नौचंदी पुलिस जमाल के घर पहुंची और उसे हिरासत में लेकर थाने आ गई ।जीप से उतरते ही दीवार में सिर मारा घर से लेकर थाने तक जमाल पुलिसकर्मियों से बहस करता रहा। जैसे ही थाने लाकर उसे नीचे उतारा गया, वह पुलिसकर्मी को धक्का देकर दीवार के पास पहुंचा और अपना सिर दीवार में मारकर फोड़ लिया। देखते ही देखते वह लहूलुहान हो गया। थाना पुलिस के हाथ पैर फूल गए। पुलिस ने जैसे तैसे जमाल को संभाला। चार पुलिसकर्मियों के साथ जमाल को डाक्टरी के लिए भेजा जाने लगा। तभी जमाल की मां रूकसाना और बहनें उरूज व रूही वहां आ गए। थाने में घुसते ही उन्होंने पुलिस से गाली गलौज शुरू कर दी। पुलिस जीप के सामने खड़ीं होकर हंगामा शुरू कर दिया। महिला कांस्टेबल ने जीप के सामने से हटाने का प्रयास किया तो तीनों मारपीट पर उतर आईं ।महिला कांस्टेबल की वर्दी फटी जमाल की मां व बहनों ने जमकर हंगामा शुरू कर दिया। वह महिला कांस्टेबल के संभाले भी नहीं संभल रहीं थीं। अचानक उन्होंने महिला कांस्टेबल से हाथापाई शुरू कर दी। इस हाथापाई में महिला कांस्टेबल की वर्दी तक फट गई। इसके बाद कई महिला पुलिसकर्मियों ने तीनों को दबोच लिया और हिरासत में लेकर बैठा लिया ।सीओ को पहुंचना पड़ा थाने थाने में पुलिस पर हमले की सूचना मिलते ही सीओ सिविल लाइन अभिषेक तिवारी पहुंच गए। उन्होंने पूरे मामले की जानकारी ली और अफसरों को भी अवगत कराया। काफी देर तक थाने में अफरातफरी का माहौल रहा।

सेंट्रल मार्केट प्रकरण में फिर टली सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई

ध्वस्तीकरण से बचने के लिए सेटबैक के तहत दुकानें तोड़ रहे व्यापारी

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , सेंट्रल मार्केट में ध्वस्तीकरण की कार्रवाई को लेकर अभी असमंजस की स्थिति बनी हुई है। एक और जहां सुप्रीम कोर्ट का आदेश था कि आवासीय प्लॉट में चल रहे कार्मशियल प्रतिष्ठानों को ध्वस्त किया जाए। वहीं दूसरी और आवास विकास द्वारा भू उपयोग बदलने के लिए शमन शुल्क जमा कर सेटबैक के तहत दकानें रखने का नोटिस भी व्यापारियों को मिला है। इसी असमंजस के बीच सुप्रीम कोर्ट में जो सुनवाई बुधवार को होनी थी वह अब 1 अप्रैल के लिए टाल दी गई है , हालांकि तारीख में अभी बदलाव हो सकता है। शमन शुल्क जमा कर तोड़ रहे दुकानेंआवास विकास से मिले भू उपयोग बदलने के नोटिस के बाद शमन कुछ व्यापारियों द्वारा शुल्क जमा जमा भी करा दिया गया है। इसके साथ ही आदेश में आए सेटबैक के नियम का पालन करने के लिए व्यापारी अपनी दुकानें तोड़ भी रहे हैं। उनका मानना है कि नियमानुसार दुकानों को तैयार करने के बाद वह ध्वस्तीकरण की कार्रवाई से बच जाएंगे। 80 भू- खंड़ को मिला नोटिसआवास विकास की और से मार्केट के व्यापारियों को भू उपयोग बदलने के लिए शमन शुल्क जमा कर सेटबैक के तहत दुकानों को पीछे करने का भी नोटिस दिया है। इसके बाद भी अभी कुछ भी स्पष्ट नहीं है क्योंकि ध्वस्तीकरण का आदेश सुप्रीम कोर्ट का है।

पत्नी और उसके बॉयफ्रेंड की हत्या की

पति ने कॉल करके घर बुलाया, दोनों की लाश कमरे में छोड़कर भागा

अमन लेखनी समाचार

गाजियाबाद , अफेयर से नाराज पति ने पत्नी और उसके बॉयफ्रेंड की गोली मारकर हत्या कर दी। रात करीब 12 बजे वारदात के बाद आरोपी कमरे में दोनों की लाश छोड़कर फरार हो गया। पड़ोसियों की सूचना पर गाजियाबाद पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस अंदर गई तो कमरे में पत्नी शबनम (36) की लाश फर्श पर पड़ी थी। थोड़ी दूरी पर बॉयफ्रेंड फहीम (32) खून से लथपथ पड़ा था। घटना ट्रोनिका सिटी की है। पुलिस आरोपी पति राशिद (38) की तलाश कर रही है।

दो साल से पत्नी का अफेयर चल रहा था

राशिद और शबनम अपने बच्चों के साथ खुशहाल पार्क इलाके में रहता थे। उनके 7 बच्चे हैं। राशिद लकड़ी का काम करता है। फहीम राशिद के साथ काम करता था। वह लोनी में अल्फालह मस्जिद के पास रहता था। दोनों के घर के बीच की दूरी 1 किलोमीटर है। पड़ोसियों के मुताबिक, दो साल से फहीम का राशिद के घर आना-जाना था। इसी दौरान फहीम का शबनम से अफेयर हो गया। कुछ दिन पहले राशिद को इसकी जानकारी हो गई थी। इसे लेकर शबनम और फहीम से राशिद का झगड़ा हुआ था। इसके बाद फहीम ने घर आना बंद कर दिया था। फहीम के भाई फैसल ने बताया- फहीम और राशिद कई साल से साथ काम करते थे।

राशिद ने फोन कर उसे घर बुलाया। जैसे ही हीम पहुंचा, उसे गोली मार दी गई ।हत्या की वजह हमें पता नहीं है। वहीं पुलिस जांच में सामने आया कि राशिद ने फहीम को घर बुलाया था। वहां पत्नी और फहीम के बीच झगड़ा हुआ। इसके बाद राशिद ने पिस्टल निकाली। पहले पत्नी को गोली मारी। फिर फहीम को भी गोली मार दी। घटना के बाद राशिद फरार है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। पड़ोसी युवक ने फोन कर पुलिस बुलाईएडिशनल पुलिस कमिश्नर राज करन नैय्यर ने बताया कि रात 12 बजे डायल-112 पर एक युवक का फोन आया। उसने बताया कि उसके मकान के सामने शबनम नाम की महिला रहती है और उसके घर से झगड़े व फायरिंग की आवाज आ रही है। पुलिस मौके पर पहुंची तो कमरे का दरवाजा खुला हुआ था। सोफा खून से सना था और दोनों के शव पड़े थे

'मुसलमानों का एनकाउंटर करने वालों का भी एनकाउंटर होगा'

एआईएमआईएम के यूपी अध्यक्ष बोले- 111 नहीं, 11 विधायक दे दो, ताकत दिखा देंगे

अमन लेखनी समाचार

मेरठ ,यह बात असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम के यूपी प्रदेश अध्यक्ष हाजी शौकत अली ने 23 मार्च को कही। वह मेरठ में ईद मिलन के एक कार्यक्रम में पहुंचे थे। आज इसका वीडियो सामने आने के बाद शौकत अली के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है ।सामने आए 36 सेकेंड के वीडियो में दिख रहा है कि शौकत अली ईद मिलन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे हैं। आसपास पार्टी के कुछ अन्य पदाधिकारी भी मौजूद हैं। उनकी बात खत्म होने के बाद पूरा पंडाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंजता है। नारे लगने शुरू हो जाते हैं। वीडियो में शौकत अली ने कहा- मैं आपसे वादा करके जा रहा हूं कि यूपी में अगर किसी मुसलमान का एनकाउंटर होगा, तो ऐसा करने वालों का भी एनकाउंटर होगा। इस दौरान उन्होंने सपा पर भी निशाना साधा। कहा- आपने जिसके 111 विधायक जिताए, वही अब यह कह रहे कि उनकी सरकार नहीं है। वो क्या कर सकते हैं?

केवल बेगुनाहों को निशाना बनाया गया

शौकत अली ने कहा- प्रदेश में मदरसों पर ताले लगवाए गए। सिर्फ आरोपों के आधार पर लोगों के घरों पर बुलडोजर चलाए गए। बेगुनाहों को निशाना बनाया गया। इस देश को आजाद कराने में हम लोगों की भी भूमिका रही है। लेकिन, हमारे साथ सबसे ज्यादा ज्यादती हो रही है। उन्होंने मेरठ के पुलिस कप्तान के उस बयान का जिक्र किया, जिसमें सड़क पर नमाज पढ़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई की बात कही गई थी। शौकत अली ने कहा- रामनवमी के जुलूस के दौरान भी इसी तरह के सख्त कदम उठाने चाहिए ।ईद मिलन नहीं, 2027 का आगाज लोहिया नगर थाना क्षेत्र के एक मंडप में हुए ईद मिलन समारोह के कुछ और वीडियो भी सामने आए हैं। एक वीडियो में शौकत अली कह रहे हैं कि यह कार्यक्रम केवल ईद मिलन समारोह नहीं है। यह हमारा 2027 के विधानसभा चुनाव का आगाज है। अगर आप अपने विधायक को लखनऊ भेजना चाहते हैं, तो 1 साल के लिए घर से निकल जाओ। एक-एक घर, एक-एक गांव जाकर बताओ कि हमारे साथ इस मुल्क के अंदर सबसे ज्यादा नाइंसाफी हुई है।

हिंदूवादी नेता का 48 घंटे का अल्टीमेटम

अखिल भारतीय हिंदू सुरक्षा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सचिन सिरोही ने शौकत अली की 48 घंटे के भीतर गिरफ्तारी की मांग की है। सचिन ने कहा कि शौकत अली ने एनकाउंटर करने की जो धमकी दी है

बच्ची बेचने के आरोप में दो और गिरफ्तार

अस्पताल सीज, कुल 5 आरोपी पकड़े गए

अमन लेखनी समाचार

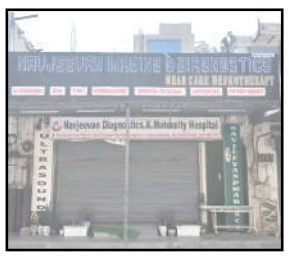

ग्रेटर नोएडा , बिसरख क्षेत्र में बच्ची को गोद दिलाने के नाम पर अवैध वसूली के मामले में पुलिस ने दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें एक अस्पताल की नर्स और उसका प्रेमी शामिल हैं। इस मामले में अब तक कुल पांच गिरफ्तारियां हो चुकी हैं और संबंधित अस्पताल को सीज कर दिया गया है। एसीपी सेंट्रल नोएडा पवन कुमार ने बताया कि 21 मार्च 2026 को चाइल्ड हेल्पलाइन के माध्यम से एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग (एएचटी) थाने को सूचना मिली थी। इसमें बताया गया कि बिसरख क्षेत्र के एक निजी अस्पताल का कर्मचारी बच्ची को गोद दिलाने के लिए 2.60 लाख रुपये की मांग कर रहा था। सूचना मिलने के बाद एएचटी और बिसरख पुलिस ने संयुक्त जांच शुरू की। जांच में मामले की पुष्टि होने के बाद पुलिस टीम ने कार्रवाई की। बिसरख पुलिस ने अरुण कुमार (25), निवासी गांव बिसरख और अस्पताल की नर्स पुष्पा रानी (26), निवासी गांव औरंगाबाद, मथुरा को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, ये दोनों आरोपी मध्यस्थ के रूप में काम कर रहे थे और उन्होंने बच्ची बेचने की पूरी योजना बनाई थी। इससे पहले रविवार को इस मामले में तीन अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया था।

एमपी वन पर रोड प्रस्तावित एलिवेटेड का होगा रि-डिजाइन

डीपीआर के बाद आईआईटी से कराएंगे वैरीफाइड, 30 मिनट का सफर 10 मिनट में

अमन लेखनी समाचार

नोएडा , एमपी-1 पर बनने वाली एलिवेटेड रोड की दोबारा से डीपीआर और डिजाइन तैयार किया जाएगा। नई डीपीआर को आईआईटी भेजा जाएगा। ये एलिवेटेड सेक्टर-57 से डीएनडी तक बनाई जाएगी। समस्या रजनीगंधा चौक पर है। यहां अंडरपास और मेट्रो दोनों है। इसलिए इसके डिजाइन में बदलाव किया जा रहा है। दरअसल, रजनीगंधा एमपी-1 रोड पर अंडरपास बना हुआ है। डीएससी रोड पर मेट्रो लाइन है। इस लाइन के ऊपर से एलिवेटेड बनाई जाए या फिर एलिवेटेड को दो खंडों में बांटकर बनाई जाए। इसकी फिजिबिलिटी तैयार करने के बाद डीपीआर तैयार की जाएगी। इससे पहले भी इसकी डीपीआर तैयार की गई थी। इन सेक्टरों का ट्रैफिक होगा स्मूदप्राधिकरण ने बताया कि डीएनडी से सीधे सेक्टर-57 चौराहे तक एलिवेटेड बनने से दिल्ली से नोएडा के सेक्टर-57, 58, 59 के अलावा 65 और मामूरा और अन्य सेक्टरों के ट्रैफिक स्मूद होगा। उनको रेड लाइट और जाम का सामना नहीं करना पड़ेगा। साथ ही 30 मिनट का समय 10 मिनट में तय किया जा सकेगा। इस एलिवेटड के निर्माण में करीब 600 करोड़ रुपए खर्च किए जा सकते है। डीपीआर में इसका बजट को बताया गजाएगा। खास बात यह है कि साल 2015-16 में यूपी के तत्कालीन मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने इस परियोजना का शिलान्यास किया था लेकिन उसके बाद से इसकी फाइल दब गई पीक आवर में रहता है जामसुबह और शाम व्यस्त समय में रजनीगंधा से सेक्टर-12-22-56 तिराहे तक वाहनों का दबाव रहता है। शाम के वक्त तो वाहन रेंगते नजर आते हैं। आने वाले समय में वाहनों का यहा दबाव और भी बढ़ेगा।

स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी

परिसर की ली गई तलाशी, नहीं मिली कोई संदिग्ध वस्तु

अमन लेखनी समाचार

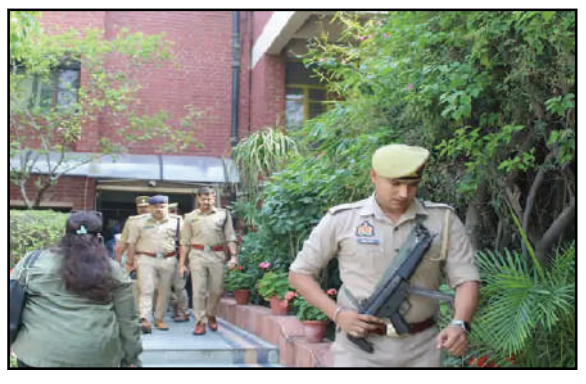

नोएडा , 14 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली। ये धमकी स्कूल को ईमेल के जरिए दी गई थी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। परिसर की तलाशी ली। वहां पर कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। पुलिस का कहना है कि धमकी भरे मेल के स्रोत का पता लगाया जा रहा है। इसके लिए ई-मेल की तकनीकी जांच की जा रही है ताकि यह पता चल सके कि मेल कहां से भेजा गया। सेक्टर-62 स्थित फादर एंजल स्कूल को भी इसी तरह का धमकी भरा ई-मेल मिला। मेल मिलने के बाद स्कूल प्रशासन ने तुरंत पुलिस को सूचना दी और बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए अभिभावकों को ई-मेल भेजकर जल्द से जल्द बच्चों को स्कूल से वापस ले जाने के लिए कहा। सूचना मिलते ही कई अभिभावक स्कूल पहुंच गए और अपने बच्चों को घर ले गए। सूचना के बाद थाना सेक्टर-58 पुलिस, बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वॉड की टीम मौके पर पहुंची।

स्ट्रांग रूट्स ग्लोबल स्कूल के एनुअल रिजल्ट डे में होनहार बच्चों को मिले अवॉर्ड

वार्षिकोत्सव में बच्चों की डांस की प्रस्तुतियों ने सबका मन मोहा

अमन लेखनी समाचार

शाहाबाद(हरदोई)।नगर के स्ट्रांग रूट्स ग्लोबल स्कूल का वार्षिकोत्सव/एनुअल रिजल्ट डे का आयोजन रेलवे स्टेशन रोड स्थित महेश पैलेस में बड़े हर्षोल्लास के साथ किया गया।समारोह का शुभारंभ स्कूल के प्रबंधक अमित श्रीवास्तव द्वारा सरस्वती मां की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन और मां की वंदना के साथ शुरू हुआ।वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में नन्हे मुन्ने बच्चो की मनोहर प्रस्तुतियों ने सबको मोहित किया।इस अवसर पर स्ट्रांग रूट्स ग्लोबल स्कूल के प्रबंधक अमित श्रीवास्तव ने कहा कि हम सबका प्रयास बच्चो की नींव को मजबूत करना होना चाहिए।स्ट्रांग रूट ग्लोबल स्कूल आज शाहाबाद का एक ब्रांड है और जिसके ब्रांड एंबेसडर हमारे बच्चे और अभिभावक है।क्लास फर्स्ट में प्रथम स्थान पाने वालों में इजहान,दर्श,अदविक,अर्श,अबू जर, मिष्ठी,अहमद माज सफल रहे वही द्वितीय स्थान में श्रेष्ठ और सलीम और तृतीय पोजिशन पर विवान व मन्नत ने सफलता पाई।इसी क्रम में क्लास सेकंड में प्रथम स्थान पर शिफा,द्वितीय पर विराट और तृतीय पर सिद्धांत ने सफलता पाई।क्लास थर्ड में प्रथम पर हसनैन,द्वितीय पर अरनब और तृतीय पर रेयान्श ने पोजिशन प्राप्त की।क्लास फोर्थ में प्रथम स्थान पर मिजान,द्वितीय पर जयान,और तृतीय पर गौरांश सफल रहे।बेस्ट स्टूडेंट्स ऑफ ईयर का अवॉर्ड स्कूल के प्रतिभाशाली बच्चे गौरांश,नीट किड अवार्ड विवान,मिस्टर परफेक्ट का अवार्ड इजहान,मिस परफेक्ट काशवी और मेमोरी मास्टर के लिए शिवांश,मिस मैनर के लिए मिदत फातिमा,वेस्ट क्यूरियस व्योम,वेस्ट अटेंडेंस अर्श व अक्षत,प्रिशा,मो अली को पुरस्कृत किया गया।स्पोर्ट चैंपियन के लिए अब्दुल अर्श को प्राइज दिया गया।इस मौके पर डॉ शारिक परवेज,ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के अध्यक्ष आलोक पाठक एडवोकेट, लवी खान,आलोक तिवारी,शोएब खान,अफजल खान,गोपाल रस्तोगी आदि अभिभावकों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले होनहार बच्चों को प्रशस्ति पत्र और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया।स्कूल की डायरेक्टर निकिता श्रीवास्तव ने कार्यक्रम के अंत में आगंतुकों के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि हमें आशा और विश्वास ही नहीं यकीन है कि भविष्य में भी इसी तरह का सहयोग और स्नेह मिलता रहेगा।उन्होंने कहा कि हम सबके कुशल मार्गदर्शन में स्कूल के बच्चे होनहार होकर अच्छी सफलता पाएंगे।अपने बच्चो की बेहतर शिक्षा और अच्छे संस्कार के लिए अभिभावकों ने स्कूल प्रबंधन तंत्र की तारीफ की लोग स्कूल की।वार्षिकोत्सव में प्रिया ,निगहत, अग्रमिता, फरहत,सेजल,लारैब,आकांक्षा,खली ल खान आदि मौजूद रहे और कार्यक्रम में विशेष योगदान दिया।

दुष्कर्म के आरोपी महेश विश्वकर्मा को मिली जमानत

-एक-एक लाख रुपये की दो जमानत पेश करने पर रिहाई का आदेश।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। महिला के साथ हुए दुष्कर्म के मामले में अपर सत्र न्यायाधीश (सीएडब्लू)/(एफटीसी) सोनभद्र अर्चना रानी की अदालत ने मंगलवार को सुनवाई करते हुए जमानत का पर्याप्त आधार पाते हुए आरोपी महेश विश्वकर्मा की जमानत अर्जी मंजूर कर लिया। साथ ही एक-एक लाख की दो जमानत पेश करने पर रिहाई के आदेश दिया है। कोर्ट ने विवेचना में सहयोग करने, गवाहों को न धमकाने, साक्ष्य के साथ छेड़छाड़ न करने की शर्त पर जमानत मंजूर किया है। अभियोजन पक्ष के मुताबिक शाहगंज थाना क्षेत्र के एक गांव की 29 वर्षीय पीड़ित महिला ने दी तहरीर में आरोप लगाया है कि 16 जनवरी 2026 को शाम 7 बजे वह घर पर अकेली थी।उसका पति बाहर मजदूरी करने गया था। तभी ट्रैक्टर चालक महेश विश्वकर्मा पुत्र चंद्रप्रकाश निवासी कोहरौल, थाना शाहगंज, जिला सोनभद्र खेत की जुताई करके उसके पास आया और जुताई के पैसे मांगने लगा।जब उसने कहा कि उसके पति बाहर गए हैं जब आएंगे तो पैसा भिजवा देंगे। इतना सुनते ही महेश उसके पति को गाली देने लगा और उसका हाथ पकड़ कर घर के अंदर ले गया और कहा कि पैसा नहीं है तो कोई बात नही तुम हो मुझे खुश कर दो और उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया।जाते समय यह धमकी देने लगा कि अगर कहीं शिकायत की तो पति-पत्नी की हत्या कर देंगे।इससे वह डर गई। अपने पति से सारी बात बताई तो वे महेश के घर जाकर उसके पिता से शिकायत करने गए तो उन्हें भी मारपीट कर भगा दिया गया। बाद में महेश फोन करके माफी मांगने लगा।21 जनवरी 2026 को वह अपने स्कूटी से मायके जा रही थी तो रॉबर्ट्सगंज में महेश मिल गया और कहा कि चलो तुम्हे मेरी बुआ बुलाई है सुलह कराने के लिए।इसपर उसकी बात पर विश्वास करके चली गई तो वहां कोई नहीं था, बल्कि कहा कि यह मेरे दोस्त का घर है। वहां भी चाकू दिखाकर जबरन दुष्कर्म किया और वीडियो भी बना लिया। बार-बार वीडियो वायरल करने की धमकी देकर उसके साथ दुष्कर्म किया है। थाने पर सूचना दी गई लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। एसपी सोनभद्र को रजिस्टर्ड डाक से सूचना दिया, फिर भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। तब मजबूर होकर कोर्ट में अप्लीकेशन दाखिल किया। कोर्ट के आदेश पर शाहगंज पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू किया। मामले की सुनवाई करते समय कोर्ट ने अभियुक्त के अधिवक्ता कंचन सिन्हा के तर्कों को सुनने एवं पत्रावली का अवलोकन करने पर जमानत का पर्याप्त आधार पाते हुए आरोपी महेश विश्वकर्मा की जमानत अर्जी मंजूर कर लिया।साथ ही एक-एक लाख की फो जमानत पेश करने पर रिहाई के आदेश दिया है।

खास समाचार

प्राण प्रतिष्ठा के बाद सरसैडा में विशाल भंडारे का आयोजन, सैकड़ों भक्तों ने ग्रहण किया प्रसाद

अमन लेखनी समाचार

गरौठा, झांसी।ग्राम सरसैडा स्थित श्री श्री 1008 श्री सिद्ध काली माता एवं शिव मंदिर में माता काली की प्राण प्रतिष्ठा के उपरांत गुरुवार को मंदिर प्रांगण में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस दौरान सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया और मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। भंडारा दोपहर बाद शुरू हुआ जो देर रात तक चलता रहा।बड़ी संख्या में पहुंचे भक्तों ने पूरे श्रद्धा भाव से आयोजन में भाग लिया। प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम ज्योतिष विशेषज्ञ आचार्य कौशल किशोर मिश्रा शास्त्री (गरौठा) के सानिध्य में विधि-विधान के साथ संपन्न कराया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर आयोजक समिति ने सभी श्रद्धालुओं एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।इस मौके पर पंडित रामनारायण चतुर्वेदी, मुख्य यजमान मनोहरलाल पांचाल, देवेंद्र पांचाल, ओमप्रकाश विश्वकर्मा, कुलदीप, शनि, हेमंत, रविकांत पांचाल, अरविंद, रामनाथ विश्वकर्मा सहित सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे।

हरदोई में भीषण सड़क हादसा तीन की मौत

कंटेनर की टक्कर से दंपति और मासूम बेटी की मौत, मुख्यमंत्री ने लिया संज्ञान

अमन लेखनी समाचार

हरदोई जनपद के हरपालपुर थाना क्षेत्र में गुरुवार शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। कटरा-बिल्हौर मार्ग पर ककरा गांव के पास करीब चार बजे तेज रफ्तार कंटेनर ने बाइक सवार परिवार को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि बाइक पर सवार दंपति और उनकी मासूम बेटी की मौके पर ही मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बाइक सवार परिवार किसी काम से जा रहा था, तभी अचानक पीछे से आए तेज रफ्तार कंटेनर ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही तीनों सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी, लेकिन तब तक तीनों ने दम तोड़ दिया था। घटना की सूचना मिलते ही हरपालपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे के बाद चालक कंटेनर छोड़कर मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश में पुलिस जुट गई है। पुलिस ने कंटेनर को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। इस हृदयविदारक घटना की जानकारी मिलते ही उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं, साथ ही पीड़ित परिवार को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने को कहा है। घटना के बाद इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है। स्थानीय लोगों में हादसे को लेकर आक्रोश भी देखा जा रहा है, और वे सड़क पर बढ़ते हादसों पर रोक लगाने की मांग कर रहे हैं। पुलिस प्रशासन मामले की जांच में जुटा हुआ है और फरार चालक की तलाश के लिए टीमों का गठन किया गया

जिला उपाध्यक्ष शिवराज बाबा का विधायक आशू ने किया सम्मान

अमन लेखनी समाचार

मल्लावां(हरदोई) ब्लाक कार्यालय पर शिवराज सिंह बाबा को भारतीय जनता पार्टी का जिला उपाध्यक्ष बनाए जाने पर स्वागत सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। विधायक आशीष सिंह ने उन्हें माला पहनाकर स्वागत किया। उसके पश्चात अन्य कार्यकताओं ने भी माल्यार्पण किया। बताते चले कि शिवराज सिंह बाबा लम्बे समय से ग्रामीण मंडल अध्यक्ष पद पर रहे, जो सक्रिय रूप से भाजपा के समर्पित कार्यकर्त्ता के रूप में कार्य कर रहे है।

बस्ती में राम जी का पेड़ा योजना को मिला जनसमर्थन, 12.31 लाख के ऑर्डर, 1000 महिलाओं को मिला सीधा लाभ

राम जी का पेड़ा योजना को जोरदार समर्थन ड्ड 12.31 लाख के ऑर्डर, 1000 महिलाओं को 1000-1000 की मदद , जल्द खातों में जाएगा सीधा लाभ

अमन लेखनी समाचार

बस्ती/ जिले में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को नई दिशा देने वाली राम जी का पेड़ा योजना को तेजी से जनसमर्थन मिल रहा है।इसी क्रम में आज आयोजित एक प्रेस वार्ता में मनीष मिश्रा ने योजना की प्रगति और उपलब्धियों की विस्तृत जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि इस पहल को लोगों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है और अब तक 12,31,000 (बारह लाख इकतीस हजार रुपये) के ऑर्डर प्राप्त हो चुके हैं।मनीष मिश्रा ने कहा कि यह योजना न केवल धार्मिक आस्था से जुड़ी है, बल्कि इसका उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना भी है। उन्होंने बताया कि प्राप्त ऑर्डर से होने वाले लाभ में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को उनका हिस्सा नकद रूप में वितरित किया गया है।ऐसा इसलिए किया गया क्योंकि अधिकांश महिलाओं के बैंक खाते अभी तक नहीं खुले हैं। उन्होंने आगे जानकारी दी कि प्रशासन और संबंधित विभागों की मदद से इन महिलाओं के बैंक खाते तेजी से खोले जा रहे हैं। उम्मीद जताई गई है कि अगले माह तक सभी लाभार्थी महिलाओं के खाते खुल जाएंगे, जिसके बाद लाभ की राशि सीधे उनके बैंक खातों में ट्रांसफर की जाएगी।इससे पारदर्शिता भी बढ़ेगी और महिलाओं को समय पर उनका हक मिल सकेगा। प्रेस वार्ता में मनीष मिश्रा ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत कुल 100 स्वयं सहायता समूहों को जोड़ा गया है, जिनमें लगभग 1000 महिलाएं शामिल हैं। इन सभी महिलाओं को प्रारंभिक सहायता के रूप में 1,000-1,000 की राशि प्रदान की गई है, ताकि वे आत्मविश्वास के साथ इस कार्य को आगे बढ़ा सकें। इसके साथ ही, महिलाओं को राम जी का पेड़ा तैयार करने के लिए विशेष प्रशिक्षण भी दिया गया है। इस प्रशिक्षण में गुणवत्ता, स्वच्छता और पारंपरिक स्वाद का विशेष ध्यान रखा गया है, ताकि तैयार किया गया पेड़ा प्रसाद के रूप में उच्च मानकों पर खरा उतर सके। प्रशिक्षण के माध्यम से महिलाओं को उत्पादन, पैकेजिंग और वितरण की भी जानकारी दी गई है। उन्होंने कहा कि यह योजना महिलाओं के लिए आय का स्थायी स्रोत बनने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे जहां एक ओर उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, वहीं दूसरी ओर वे आत्मनिर्भर बनकर समाज में अपनी पहचान भी स्थापित कर सकेंगी।

जल संरक्षण केवल एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि भविष्य की सुरक्षा है-मनीष जैन

जल संरक्षण जागरूकता रैली निकालकर लोगों को किया जागरूक

अमन लेखनी समाचार

अनपरा सोनभद्र। हिंडालको इंडस्ट्रीज लिमिटेड के रेनुपावर डिवीजन, रेनुसागर के यूनिट हेड आर पी सिंह के मार्गदर्शन में पर्यावरण एवं जल संरक्षण टास्क फोर्स टीम के तत्वावधान में आवासीय परिसर में ह्लजल संरक्षण जागरूकता अभियान 2026ह्व के अंतर्गत एक जागरूकता रैली का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि संचालन विभाग के हेड मनीष जैन ने किया।तत्पश्चात मुख्य अतिथि मनीष जैन ने अपने सम्बोधन में कहा कि जल संरक्षण केवल एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि भविष्य की सुरक्षा है।यदि हम आज से ही सजग नहीं हुए, तो आने वाली पीढ़ियों को गंभीर जल संकट का सामना करना पड़ सकता है।रैली का उद्देश्य लोगों को जल के महत्व एवं इसके संरक्षण के प्रति जागरूक करना था।आदित्य बिड़ला पब्लिक स्कूल रेनुसागर ,आदित्य बिड़ला इण्टरमीडिएट कालेज रेनुसागर एवं रेनुपावर प्राथमिक पाठशाला विद्यालयों के छात्र-छात्राओ ने हाथों में जागरूकता संदेश लिखी तख्तियां लेकर ह्लजल है तो कल है ह्व, ह्लपानी बचाओ, जीवन बचाओ ह्व जैसे नारों के माध्यम से जल संरक्षण का संदेश दिया। रैली आवासीय परिसर के विभिन्न मार्गों से होते हुए निकली, जहां लोगों को जल के सीमित संसाधनों के संरक्षण एवं इसके समुचित उपयोग के लिए प्रेरित किया गया। टास्क फोर्स के सदस्यों ने दैनिक जीवन में जल बचत के सरल उपायों जैसे अनावश्यक जल बहाव रोकना, वर्षा जल संचयन अपनाना एवं जल के पुनः उपयोग के बारे में जानकारी दी।इस अवसर पर सभी से जल संरक्षण को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने एवं दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने का आह्वान किया गया।कार्यक्रम का संचालन पर्यावरण विभाग के हेड कमलेश मौर्या ने किया।इस अवसर पर मेंटिनेंस हेड जगदीश पात्रा, कुमार हर्षवर्धन, ललित खुराना, विद्यालयों के प्रधानाचार्य ब्रजेश कुमार सिंह ,सीमा दुबे, महिला एवं पुरुष स्टाफ तथा स्कूली बच्चे के अलावा सदानंद पांडेय, राजेश राय, दीपक शंखधर, अखिलेश सिंह अजय मिश्रा ,शोभित कुमार ,अखिलेश दुबे,उनीब खान सहित भारी संख्या में संस्थान के कर्मचारियों आदित्य बिड़ला के विद्यालयों के छात्र-छात्राएं एवं शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

जनसुनवाई में पुलिस अधीक्षक ने सुनी आमजन की समस्याएं, त्वरित एवं निष्पक्ष निस्तारण के दिए निर्देश

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। आज दिनांक 25.03.2026 को पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा पुलिस कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई/जनता दर्शन कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए नागरिकों की शिकायतों को गंभीरता, संवेदनशीलता एवं पूर्ण तत्परता के साथ सुना गया। कार्यक्रम के दौरान राजस्व प्रकरणों एवं अन्य पुलिस संबंधी मामलों से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुईं। पुलिस अधीक्षक ने प्रत्येक प्रकरण का स्वयं संज्ञान लेते हुए संबंधित क्षेत्राधिकारी एवं थाना प्रभारियों को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु स्पष्ट निर्देश प्रदान किए। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी शिकायतों की गुणवत्तापूर्ण एवं तथ्यपरक जांच की जाए तथा पीड़ितों को की गई कार्यवाही से समय पर अवगत कराया जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही, विलंब या उत्पीड़न पाए जाने पर कठोर कार्यवाही की चेतावनी भी दी गई।जिन मामलों में त्वरित हस्तक्षेप आवश्यक है, उनमें तत्काल विधिक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जनसुनवाई कार्यक्रम पुलिस और जनता के मध्य विश्वास, संवाद एवं पारदर्शिता को सुदृढ़ करने का प्रभावी माध्यम है। आमजन की समस्याओं का त्वरित, निष्पक्ष एवं संतोषजनक समाधान ही पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

बीजपुर के महुवाबाड़ी में खौफनाक वारदात: पति ने पत्नी को सब्बल से किया वार, चार बच्चों की मां की बेरहमी से हत्या

अमन लेखनी समाचार

बीजपुर (सोनभद्र) स्थानीय थाना क्षेत्रान्तर्गत सिरसोती ग्राम पंचायत के महुवाबाड़ी में मंगलवार की देर रात एक दिल दहला देने वाली घटना ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दिया।मामूली विवाद ने ऐसा खौफनाक रूप ले लिया कि एक पति ने अपनी ही पत्नी की बेरहमी से हत्या कर दिया। इस जघन्य वारदात से क्षेत्र में दहशत और आक्रोश का माहौल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतका की पहचान सुमन कुमारी (26 वर्ष) पत्नी कन्हैया, निवासी महुवाबाड़ी ग्राम सिरसोती, थाना बीजपुर के रूप में हुई है। बताया जाता है कि सुमन की शादी आश्रम मोड़ निवासी कन्हैया से हुई थी, लेकिन लंबे समय से दोनों के बीच संबंध मधुर नहीं थे। पति-पत्नी के बीच विवाद के चलते सुमन कई वर्षों से अपने पति को छोड़कर अपनी मां के साथ महुवाबाड़ी में रह रही थी। हालांकि, कुछ महीनों पूर्व आपसी सहमति से कन्हैया भी महुवाबाड़ी आकर रहने लगा था। दंपत्ति के चार छोटे-छोटे बच्चे हैं, जो अब इस दर्दनाक घटना के बाद बेसहारा हो गए हैं।

मंगलवार की रात बना मौत का मंजर

घटना मंगलवार की रात लगभग 11 बजे की बताई जा रही है। परिजनों ने बताया कि रात्रि में सुमन अपना मोबाइल चला रही थी, जिसे लेकर पति-पत्नी के बीच कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते यह मामूली विवाद इतना बढ़ गया कि पति कन्हैया ने अपना आपा खो दिया। आरोप है कि गुस्से में आकर कन्हैया ने घर में रखे सब्बल (लोहे का रॉड) से सुमन के सिर पर ताबड़तोड़ वार कर दिया। इतना ही नहीं, उसने सब्बल से शरीर के अन्य हिस्सों पर भी वार किया जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर मौके पर ही लहूलुहान हो गई।

अस्पताल में हुई मौत, इलाके में दहशत

घटना की सूचना मिलते ही परिजन और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और तत्काल पुलिस को जानकारी दी। सूचना पर पहुंची बीजपुर पुलिस ने घायल सुमन को एनटीपीसी रिहंद स्थित धनवंतरी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस निर्मम हत्या की खबर फैलते ही पूरे इलाके में सनसनी फैल गई और लोगों में गहरा आक्रोश देखा गया।

आरोपी पति गिरफ्तार, जांच जारी

पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए हत्या के आरोपी पति कन्हैया को मौके से ही हिरासत में ले लिया। शव को रात में ही मर्चरी में रखवा दिया गया। बुधवार सुबह मृतका की मां सीता देवी की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस द्वारा शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है और आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

चार मासूमों पर टूटा दुखों का पहाड़

इस हृदयविदारक घटना ने चार मासूम बच्चों के सिर से मां का साया छीन लिया। गांव में मातम पसरा हुआ है और हर किसी की जुबान पर यही सवाल है कि आखिर एक मामूली विवाद इतनी बड़ी त्रासदी में कैसे बदल गया।

अब बलिया में भिखारी बाबा करवाएंगे विराट रुद्र महायज्ञ, 51 फीट ऊंचा धर्मध्वज स्थापित

- 19 अप्रैल को निकलेगी कलश यात्रा, कलश स्थापना के बाद यज्ञ होगी शुरू।
- 23 अप्रैल को होगी पूणार्हुति, चलेगा विशाल भंडारा।
- बलिया जिला अंतर्गत रसड़ा तहसील स्थित सिसवार कला गांव में होगी यज्ञ।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। बलिया जिला अंतर्गत रसड़ा तहसील के सिसवार कला गांव में अब सोनभद्र के भिखारी बाबा करवाएंगे विराट रुद्र महायज्ञ। विराट रूद्र महायज्ञ के लिए वैदिक मंत्रोच्चार के साथ 51 फीट ऊंचा धर्मध्वज स्थापित कर दिया गया। 19 अप्रैल को कलश यात्रा निकलेगी और कलश स्थापना के बाद यज्ञ शुरू होगी। यज्ञ की पूणार्हुति 23 अप्रैल को विशाल भंडारे के साथ संपन्न होगी। बता दें कि भिक्षुक भिखारी, जंगली दास, रमाशंकर गिरी जी महाराज की देखरेख में यह यज्ञ हो रही है। आचार्य मंटू पांडेय के जरिए वैदिक मंत्रोच्चार के साथ 51 फीट ऊंचा धर्मध्वज स्थापित किया गया है। भिखारी बाबा ने बताया कि मुख्य यजमान जनार्दन सिंह व विनोद सिंह हैं। 19 अप्रैल को कलश यात्रा निकलेगी और कलश स्थापना के बाद विराट रूद्र महायज्ञ शुरू होगी। 20 अप्रैल को वेदी पूजन एवं जलाधिवास, 21 अप्रैल को रामभक्त संकटमोचन हनुमानजी, भगवान राम जी, माता सीता जी व लक्ष्मण जी, शिव जी, माता पार्वती जी, कार्तिकेय जी, गणेश जी व नंदी जी की मूर्ति का अभिषेक, 22 अप्रैल को शोभा एवं मूर्ति का श्रृंगार व शोभा यात्रा निकलेगी व 23 अप्रैल को मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा, हवन-पूजन के साथ यज्ञ की पूणार्हुति होगी। अंतिम दिन विशाल भंडारा चलेगा। मुख्य पुरोहित राजकिशोर दास जी महाराज द्वारा मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा कराई जाएगी। प्रतिदिन सायंकाल अयोध्या से पधारे आचार्य राघवेंद्र जी की कथा होगी। प्रधान सेवक सुबोध जी ने कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में लोगो के पहुचने का आग्रह किया है।

विद्यालय के वार्षिकोत्सव में मेधावी छात्र-छात्राओं को किया गया सम्मानित

नवोदय में चयनित छात्र देवराज को दी गई बधाई

अमन लेखनी समाचार

गरौठा, झांसी।प्राथमिक विद्यालय गुढ़ा धसान में वार्षिकोत्सव एवं आंगनबाड़ी बाल वाटिका का शुभारंभ बड़े ही धूमधाम के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ ग्राम प्रधान चन्द्रभान सिंह परमार द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के कक्षा पांच के मेधावी छात्र देवराज के नवोदय विद्यालय में चयन होने पर उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। ग्राम प्रधान ने इस उपलब्धि पर छात्र के साथ-साथ विद्यालय स्टाफ को भी बधाई दी। कार्यक्रम में कक्षा एक से पांच तक के छात्र-छात्राओं को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने पर पुरस्कृत किया गया। बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर समारोह को आकर्षक बना दिया। इस दौरान वृजबिहारी दिनकर, नाजमा बानो, हर्ष नायक, हरिओम, जितेन्द्र, भानुप्रताप, हेमलता, रविन्द्रपाल सिंह, रामलखन, राधाचरण, मुराद खां सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

अमन लेखनी
(हिन्दी दैनिक)
स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।
सम्पादक – श्रीमती अखिलेश सिंह
समाचार सम्पादक – रुद्र प्रताप सिंह
समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।
मो. - 9838159555, 9935457982
E-mail address amanlekhaninews @gmail.com

स्पाइनल ऑस्टियोअर्थराइटिस बहुत पेनफुल समस्या है। इसके अलावा सर्वाइकल स्पॉन्डिलाइटिस और लंबर स्पॉन्डिलाइटिस जैसी स्पाइन रिलेटेड समस्याओं के ट्रीटमेंट में ईएसडीएस काफी इफेक्टिव हो सकती है। किस तरह की जाती है यह सर्जरी और नॉर्मल सर्जरी से कैसे है यह अलग, जानिए।

स्पाइनल ऑस्टियोअर्थराइटिस के ट्रीटमेंट में इफेक्टिव ईएसडीएस

ट्रीटमेंट

डॉ. सुदीप जैन
डायरेक्टर-स्पाइन सॉल्यूशंस इंडिया
नई दिल्ली

रीढ़ की गठिया यानी स्पाइनल ऑस्टियोअर्थराइटिस की समस्या के इलाज के अंतिम विकल्प के रूप में एंडोस्कोपिक स्पाइनल डिब्राइडमेंट सर्जरी (ईएसडीएस) से मरीजों को अच्छे रिजल्ट मिल रहे हैं। इसके साथ ही सर्वाइकल स्पॉन्डिलाइटिस और लंबर स्पॉन्डिलाइटिस की समस्या दूर करने में भी ईएसडीएस कारगर साबित हो रही है। ईएसडीएस की सफलता दर 95 प्रतिशत से ज्यादा है। इस तरह की सर्जरी के लिए इंट्राऑपरेटिव कंप्यूटर नेविगेशन सिस्टम, व्-आर्म और 3डी प्रिंटिंग का इस्तेमाल करके इंट्राऑपरेटिव 3डी रिकंस्ट्रक्शन इमेजिंग और रोबोट का प्रयोग किया जाता है।

क्या है यह सर्जरी: ईएसडीएस की प्रक्रिया के तहत सर्जन रीढ़ की हड्डी (स्पाइन) के प्रभावित भाग पर एक सूक्ष्म चीरा या कट लगाते हैं। फिर इस कट के जरिए वह एंडोस्कोप को मरीज के प्रभावित भाग जैसे रीढ़ की वर्टिब्रा या डिस्क के समीप ले जाते हैं। एंडोस्कोप एक ट्यूब सदृश होती है, जिसमें लाइट और कैमरा फिट होते हैं, जिनकी मदद से सर्जन ईएसडीएस की प्रक्रिया को अंजाम देते हैं।

नहीं होती कटिंग: इस सर्जरी का नाम एंडोस्कोपिक स्पाइनल डिब्राइडमेंट सर्जरी (ईएसडीएस) तो है लेकिन खास बात यह है कि इसमें चीरफाड़ के स्थान पर रेडियो फ्रीक्वेंसी वेव्स, शॉक वेव्स, अल्ट्रासोनिक वेव्स और 'कोल्ड लेजर' का इस्तेमाल किया जाता है। इसके अलावा ओजोन का तरल रूप में इस्तेमाल भी करते हैं। रीढ़ की हड्डी (स्पाइन) के एब्नॉर्मल टिशूज को फ्रीज करके हटा दिया जाता है। स्पाइन के एब्नॉर्मल भाग को निकाल कर उसे वैक्यूम के जरिए सक कर निकाल लिया जाता है। ऐसा प्रोसीजर ट्रेडिशनल सर्जरी में नहीं होता।

सर्जरी प्रोसीजर: सर्जरी से पहले एंडोस्कोपी के जरिए विकारग्रस्त हड्डी की सटीक एनाटॅमी अत्यधिक सुस्पष्ट, बड़े (इनलार्ज) रूप में सर्जन को पता चल जाती है। जब कीहोल के जरिए एंडोस्कोपी को स्पाइन के प्रभावित भाग तक पहुंचाया जाता है, तब उस भाग की बड़ी और स्पष्ट छवि नजर आती है, जिससे सर्जन को सटीक ऑपरेशन करने में मदद मिलती है। ये विशेषताएं पारंपरिक सर्जरी के संदर्भ में लागू नहीं होतीं।

नर्व्स रहती हैं सुरक्षित: ईएसडीएस की प्रक्रिया के दौरान स्पाइन के इर्द-गिर्द स्थित नसें (नर्व) सुरक्षित रहती हैं और इनके साथ कोई छेड़छाड़ नहीं होती। नसों के सुरक्षित रहने की स्थिति में मरीज तंत्रिका तंत्र (नर्वस सिस्टम) से संबंधित कई आशंकित समस्याओं से सुरक्षित रहता है। जबकि यह बात पारंपरिक सर्जरी के संदर्भ में लागू नहीं होती।

मधुमेह और हृदय रोगियों को राहत: पारंपरिक सर्जरी की तुलना में ईएसडीएस में सर्जिकल टाइम कम होता है। इस कारण मरीज को एनेस्थीसिया भी कम दी जाती है। इस कारण मधुमेह और हृदय रोगों से ग्रस्त लोगों या फिर बढ़ती उम्र में होने वाली जटिलताओं से गुजर रहे व्यक्तियों में सर्जिकल प्रक्रिया के दौरान होने वाला जोखिम बहुत कम हो जाता है।

देते हैं लोकल एनेस्थीसिया: अनेक मरीज बेहोशी शब्द सुनकर डर जाते हैं, लेकिन ईएसडीएस के अधिकतर मरीजों में लोकल एनेस्थीसिया से ही काम चल जाता है। इस सर्जरी में ज्यादातर लोकल एनेस्थीसिया देने से ज्यादातर मरीजों को बेहोश करने की जरूरत नहीं होती।

रक्त की कम हानि: पारंपरिक सर्जरी की तुलना में ईएसडीएस में रक्त का कम से कम नुकसान होता है। ऐसी स्थिति में मरीज के ब्लड प्रेशर और ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में मदद मिलती है।

अगले दिन डिस्चार्ज: सर्जरी के अगले दिन व्यक्ति अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया जाता है, जबकि पारंपरिक सर्जरी में ऐसा नहीं होता। सर्जरी के लगभग एक हफ्ते के बाद व्यक्ति अपने कार्य पर वापस जा सकता है। जो लोग वजन उठाने या शारीरिक श्रम से संबंधित कार्यों से जुड़े हैं, वे लोग भी अपने कार्य कर सकते हैं। आमतौर पर ट्रेडिशनल ओपन सर्जरी के बाद लगभग 20 से 25 प्रतिशत ऐसे मामले सामने आते हैं, जिनमें दोबारा सर्जरी करनी पड़ती है, जिन्हें मेडिकल भाषा में 'फेल्ड बैक सर्जरी सिंड्रोम' कहते हैं। इसके विपरीत ईएसडीएस में अधिकतम 1 से 2 प्रतिशत मामलों में ही रिवीजन सर्जरी की जरूरत पड़ सकती है। *

प्रस्तुति: विवेक शुक्ला

डाइट सजेशन

शिखर चंद जैन

लंच, डिनर या ब्रेकफास्ट के समय या दिन में एक दो बार खाने का विचार आना सामान्य है, लेकिन ऐसा जब दिन में कई बार या कहें बार-बार आने लगे तो ऐसा फूड नॉइज के कारण हो सकता है। इसकी कई वजहें हो सकती हैं। इसका आपके सामान्य जीवन पर गहरा असर हो सकता है। इसके कारण, लक्षणों के साथ बचाव के बारे में भी जानिए।

फूड नॉइज जब दिमाग में हर वक्त आए सिर्फ खाने का विचार

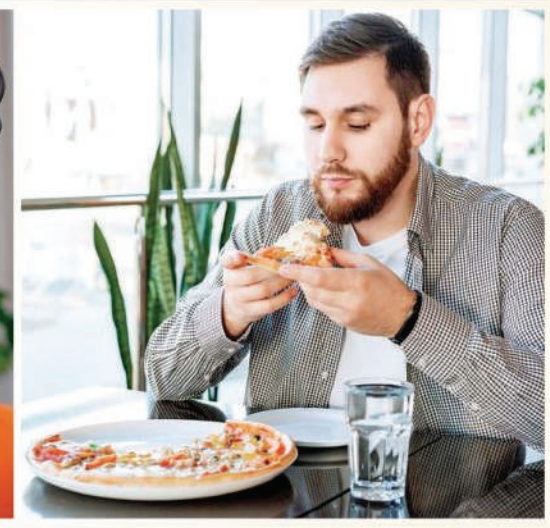

कई लोगों के मन में हमेशा या कुछ कुछ देर के बाद खाने का विचार आता रहता है। कई बार तो एक समय का खाना खाने के दौरान ही दूसरे वक्त के खाने के बारे में खयाल आने लगते हैं। खाने के विचारों पर इस तरह का अनियंत्रण फूड नॉइज की वजह से हो सकता है।

क्या है फूड नॉइज

जब आपके दिमाग में बार-बार लगातार सिर्फ भोजन की बातें गूंजने लगती हैं या कभी व्हाट्सएप, कभी यू-ट्यूब या कभी इंस्टाग्राम अथवा फेसबुक के माध्यम से अच्छे-बुरे फूड, नए-पुराने फूड या पौष्टिक-जंक फूड की चर्चा आपके जेहन में पहुंचाई जाती हैं तो यह सिचुएशन फूड नॉइज कहलाती है। फूड नॉइज का अर्थ है, भोजन के बारे में लगातार और अकसर परेशान करने वाले विचार। यह केवल 'भूख' लगने जैसा नहीं है। यह मन में चलने वाली एक ऐसी रेडियो फ्रीक्वेंसी की तरह है, जो आपको हर समय खाने, अगले भोजन की योजना बनाने या विशिष्ट खाद्य पदार्थों की लालसा के बारे में बताती रहती है। वास्तव में यह एक मेंटल स्टेट होती है। लेकिन अगर सही तरीके से मैनेज किया जाए तो इस समस्या का समाधान हो सकता है।

फूड नॉइज के मुख्य लक्षण

फूड नॉइज महसूस करने वालों में इस तरह के लक्षण दिख सकते हैं।

- पेट भरा होने के बावजूद भोजन के बारे में सोचना। हर वक्त भोजन की योजना बनाना, जैसे रात के खाने में क्या होगा? या कल दोपहर क्या खाएंगे? इस तरह के विचारों का बार-बार आना।

- खाने पर नियंत्रण की कमी। यानी, खाने की इच्छा को नजरअंदाज करना लगभग असंभव लगना।
- खाने से भावनात्मक संबंध महसूस होना। किसी प्रकार के तनाव या बोरियत महसूस होने पर तुरंत खाने के बारे में सोचना।

सामान्य भूख से अलग

जैविक भूख तो शरीर की जरूरत होती है। पेट में गुड़गुड़ाहट होना, ऊर्जा कम महसूस होना और खाना खाने के बाद यह शांत हो जाना, यह सब सामान्य है। लेकिन फूड नॉइज एक मानसिक समस्या है। खाना खाने के तुरंत बाद भी व्यक्ति यह सोच सकता है कि फ्रिज में रखी मिठाई या कोई डिश कब खानी है?

फूड नॉइज के मुख्य कारण

मस्तिष्क का रिवॉर्ड सिस्टम इसमें बड़ी भूमिका निभाता है। जब हम भोजन देखते हैं या उसके बारे में सोचते हैं, तो मस्तिष्क डोपामाइन रिलीज करता है। जिन लोगों में फूड नॉइज अधिक होता है, उनका मस्तिष्क भोजन के संकेतों (जैसे विज्ञापन या गंध) के प्रति अधिक संवेदनशील होता है। हार्मोनल असंतुलन भी इसकी एक वजह है। शरीर के कुछ हार्मोन भूख और तृप्ति को नियंत्रित करते हैं। जैसे लेप्टिन मस्तिष्क को बताता है कि पेट भर गया है, जबकि घ्रेलिन यह भूख लगने का संकेत देता है। फूड नॉइज से ग्रस्त लोगों में इन हार्मोंस का संचार ठीक से नहीं होता, जिससे मस्तिष्क को कभी 'फुल' होने का संकेत नहीं मिलता। इनके अलावा कुछ दवाओं के सेवन ने भी फूड नॉइज शब्द को लोकप्रिय बनाया है। ये दवाएं मस्तिष्क में जी एक पी-1 रिसेप्टर्स पर काम करती हैं, जो न केवल पाचन को धीमा करती हैं बल्कि मस्तिष्क में उस 'शोर' को भी शांत कर देती हैं। कई लोग इन दवाओं को लेने के बाद पहली बार महसूस करते हैं कि बिना भोजन के विचार के भी रहा जा सकता है।

इसके अलावा तनाव और चिंता इसकी बड़ी वजह है। तनावपूर्ण स्थितियों में मस्तिष्क 'सर्वाइवल मोड' में चला जाता है और कैलोरी-युक्त भोजन की मांग करता है। प्रतिबंधित डाइटिंग भी इसकी वजह हो सकती है। जब हम किसी चीज को खाने से खुद को सख्ती से रोकते हैं, तो मस्तिष्क उस चीज के प्रति अधिक 'शोर' पैदा करता है।

फूड नॉइज का जीवन पर प्रभाव

फूड नॉइज समस्या के कई तरह के मानसिक प्रभाव दिख सकते हैं। इनमें शामिल हैं-

मानसिक थकान: हर समय भोजन के बारे में सोचना मानसिक रूप से आपको थका देने वाला होता है।

अपराध बोध: बार-बार खाने के विचारों के कारण व्यक्ति खुद को कमजोर इच्छाशक्ति वाला मानने लगता है।

एकाग्रता में कमी: फूड नॉइज से ग्रस्त व्यक्ति का काम या पढ़ाई के दौरान भी ध्यान भोजन पर ही बना रहता है। *

(डाइटिशियन पिंकी गोयल से बातचीत पर आधारित)

फूड नॉइज को कैसे रोकें

इस समस्या के समाधान के लिए आप कुछ उपाय कर सकते हैं।

माइंडफुल ईटिंग: खाते समय पूरी तरह से भोजन पर ध्यान देना और उसके स्वाद को महसूस करना।

पर्याप्त प्रोटीन और फाइबर: ये लंबे समय तक पेट भरा होने का एहसास कराते हैं, जिससे मानसिक लालसा कम हो सकती है।

नींद: नींद की कमी भूख बढ़ाने वाले हार्मोंस को सक्रिय कर देती है।

प्रोफेशनल मदद: यदि यह ईटिंग डिसऑर्डर का रूप ले ले, तो मनोवैज्ञानिक या डाइटिशियन से सलाह लेना आवश्यक है।

मेरा मेन फोकस बैलेंस्ड डाइट पर रहता है

फिटनेस फंडा

विकास सालगोत्रा

एक्टर विकास सालगोत्रा इन दिनों सोनी सब पर टेलिकास्ट हो रहे सीरियल 'गाथा शिव परिवार की-गणेश कार्तिकेय' में भगवान विष्णु की भूमिका में नजर आ रहे हैं। सीरियल में उनकी बॉडी काफी फिट और टोंड दिख रही है। वे अपनी हेल्थ और फिटनेस को मेंटेन करने के लिए क्या कुछ करते हैं, बता रहे हैं अपनी जुबानी।

डाइट प्लान: मैं प्योर वेजिटेरियन हूं, इसलिए कोशिश करता हूं कि सभी जरूरी न्यूट्रिएंट्स मुझे वेजिटेरियन फूड से ही मिलें। इसीलिए अपनी डाइट में मैं प्रोटीन, फाइबर को प्रचुर मात्रा में शामिल करता हूं। मेरा मेन फोकस बैलेंस्ड डाइट पर रहता है।

वर्कआउट रूटीन: अपनी फिजिकल फिटनेस को मेंटेन करने के लिए मैं हफ्ते में कम से कम 5 दिन वर्कआउट जरूर करता हूं। मेरा वर्कआउट रूटीन-हार्डकोर हैवी वेट ट्रेनिंग और कार्डियो का कॉम्बिनेशन होता है। इसके अलावा मुझे जॉगिंग करना भी बहुत पसंद है। इसलिए जॉगिंग भी करता हूं।

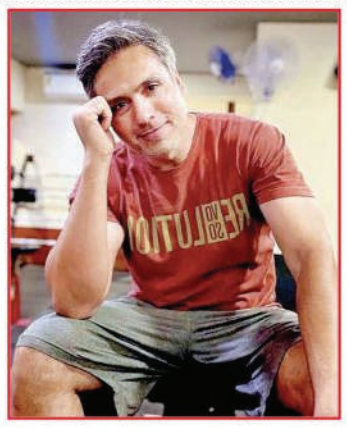

बिजी शेड्यूल में टाइम: यह सही है कि मेरा शेड्यूल बिजी रहता है। लेकिन मैं अपने फिटनेस को लेकर समझौता नहीं करता, उसके लिए टाइम जरूर निकालता हूं। इसके लिए मैं कोशिश करता हूं कि ज्यादा ना सोऊं, ताकि अपने फिटनेस रूटीन के लिए समय निकाल सकूं। हेल्थ के लिए जितनी देर सोना जरूरी है, उतना ही सोता हूं। आलस में बेड पर पड़े रहकर टाइम वेस्ट नहीं करता हूं।

मेंटल हेल्थ: मेंटली हेल्दी रहने के लिए हमेशा पॉजिटिव सोचता हूं। इसके अलावा मेडिटेशन और योगाभ्यास भी करता हूं। अच्छी किताबें पढ़ता हूं और म्यूजिक इंस्ट्रूमेंट्स भी बजाता हूं। इससे मुझे काफी संतुष्टि मिलती है।

फिटनेस आइडल: मेरे फिटनेस आइडल अक्षय कुमार हैं। उनकी फिटनेस और एनर्जी लेवल मुझे बहुत इंस्पायर करते हैं।

रीडर्स के लिए मैसेज: अपने फैंस और रीडर्स से यही कहना चाहूंगा कि फिटनेस दिमाग से शुरू होती है। अपने बारे में और दूसरों के लिए हमेशा अच्छा सोचिए, यही असली फिटनेस का मंत्र है। *

प्रस्तुति: सेहत फीचर्स

हर्बल जोन

रेखा देशराज

बदलते मौसम में शारीरिक रोगों के होने की आशंका बढ़ जाती है। इनसे बचाव के लिए अन्य सावधानियों के साथ ही आप नीम की कोमल पत्तियों का सेवन भी कर सकते हैं। ये किस तरह फायदेमंद है, बता रहे हैं विस्तार से।

मौसमी रोगों से बचाती हैं नीम की कोमल पत्तियां

अपने देश में ऋतुओं के बदलने के साथ ही हमारी जीवनशैली भी बदल जाती है। इस तरह देखें तो हमारा शरीर बहुत कुछ प्राकृतिक बदलाव के साथ बदलता है। अगर हम इस बदलाव के अनुकूल नहीं चलते तो हमें कई तरह की शारीरिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है और अगर इस बदलाव को प्रकृति के साथ बदल लेते हैं, तो निरोग रहते हैं। इन दिनों के वसंत ऋतु के दौरान वातावरण में हल्की गर्मी शुरू हो जाती है। ऐसे में हवा में पराग कणों की संख्या भी बढ़ जाती है। ऐसे में इस दौरान अगर सावधानी न बरती तो कई तरह की मौसमी बीमारियों के चंगुल में आ सकते हैं। इन समस्याओं से बचने के लिए नीम की कोमल पत्तियों का सेवन बहुत कारगर होता है। आयुर्वेद में नीम की कोमल पत्तियों को 'सर्वरोग निवारणी' कहा गया है। वसंत ऋतु में नीम के पेड़ों पर नई कोमल और हल्की कड़वी पत्तियां निकलती हैं, तब उन्हें विशेष रूप से औषधीय माना जाता है। यही कारण है कि इस मौसम में बहुत से स्वास्थ्य के प्रति सजग लोग नीम की कोमल पत्तियों को चबाकर खाते हैं।

कम करे विषैले पदार्थ: आयुर्वेद के मुताबिक वसंत ऋतु में शरीर में जमा हुआ कफ पिघलने लगता है। क्योंकि शीत ऋतु में हम प्रायः दूसरे मौसमों के मुकाबले ज्यादा और गरिष्ठ भोजन करते हैं। इस मौसम में मेहनत भी दूसरो मौसमों के मुकाबले कम करते हैं। यही कारण है कि सर्दी के दौरान खूब खाया गया कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं के रूप में हमारे सामने आता है। एलर्जी, जुकाम, त्वचा रोग, सुस्ती और पाचन संबंधी गड़बड़ियों का नाता कहीं न कहीं इस मौसम की परिस्थितियों से होता है। ऐसे में नीम की पत्तियों का खाना बहुत लाभकारी होता है। नीम की पत्तियों का कड़वा स्वाद शरीर के भीतर जमा कफ और विषैले तत्वों को कम करने में सहायक होता है। इसलिए आयुर्वेद में वसंत को शोधन यानी सफाई का मौसम कहा जाता है और इस प्रक्रिया में ही नीम की पत्तियों का सबसे बड़ा योगदान होता है।

बढ़ाए प्रतिरोधक क्षमता: नीम की पत्तियों में कई प्रकार के जैव सक्रिय तत्व पाए जाते हैं जैसे-निंबिन, निमगिन और एंटीऑक्सीडेंट यौगिक। ये तत्व हमारे शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं। आज के समय जब प्रदूषण, असंतुलित खान-पान और तनाव, हमारी प्रतिरक्षा क्षमता कमजोर कर रहा है, तब नीम की पत्तियां पहले से कहीं ज्यादा लाभकारी साबित होती हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि ये सस्ती और सुलभ प्राकृतिक औषधि के रूप में हमें उपलब्ध होती है। अगर हम इस मौसम में नियमित रूप से नीम की पत्तियों का प्रतिदिन सेवन कर लें तो एक महीने का सेवन पूरे साल हमें कई तरह के शारीरिक संक्रमणों से बचाता है।

त्वचा की सुरक्षा-रक्त शुद्धि: वसंत ऋतु में त्वचा संबंधी समस्याएं भी बढ़ जाती हैं, जैसे दाने निकलना, खुजली, फुंसियां होना तथा एलर्जी होना। नीम को इन सभी तरह की समस्याओं से छुटकारा देने वाली प्राकृतिक औषधि माना जाता है। इसके अलावा नीम की पत्तियों वाले उबले पानी से नहाएं तो हमें कई तरह की त्वचा संबंधी परेशानियां नहीं होंगी। रक्त शुद्धि करने वाला नीम इसीलिए सदियों से भारतीय समाज में एक औषधीय पेड़ के रूप में ही उगाया जाता रहा है।

करे पाचन में सुधार: नीम की कड़वाहट हमारी पाचनशक्ति को भी सक्रिय बनाने में अहम भूमिका निभाती है। कोमल नीम की पत्तियां कुछ दिनों तक सेवन करने से शरीर में मौजूद विषैले तत्वों को बाहर निकालने में सहायक होती हैं। यही नहीं इस मौसम में नीम की पत्तियां सेवन करने से हमारा पाचनतंत्र बेहतर और मजबूत होता है। *

पगडियों की माली

तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धमार्णी ने बजट के बिंदुओं में से जिस विषय को छुआ है, उसका तात्पर्य यही है कि प्रदेश अपने खर्च को कम करना सीखे। दरअसल हिमाचल की योजनाओं में समग्र विकास का औचित्य ही नहीं रहा। यहां मौका मिलते ही दरख्वास्तें बदल जाती हैं और हर विधानसभा क्षेत्र को हर कुछ चाहिए। ऐसे बहुत सारे क्षेत्र हैं, जहां फिजूलखर्ची की शानो-शौकत में नेताओं की फसल पकने लगी है। सियासी श्रम दरअसल सत्ता के उपहार खोजने लगा है और इसी परिप्रेक्ष्य में सार्वजनिक व्यवहार अपने लिए मंच सजाने लगा है। कीर्तिमान बनाने के लिए प्रदेश की आर्थिक बोली लग रही है और जहां पगड़ी की माली हो रही है। अगर पगडि ?ों और पुष्प मालाओं का खर्च निकाल दो, तो बचत की सादगी में सुकून मिलेगा। अब तो सार्वजनिक मंच और मेले नेताओं के नाम सजने लगे हैं और जहां आकर्षण यह है कि धन के बल पर अभिनंदन हो रहा है। हिमाचल में नागरिक समाज और गैर राजनीतिक हस्तियों के लिए स्थान ही नहीं मिलता, जबकि हर समारोह की वजह सियासी हो चुकी है। सरकारी स्कूलों के वार्षिक समारोहों का रुतबा अगर नेताओं के साथ न जुड़ता, तो बचत के खाने में कुछ और अंदाज होता। फिर आते हैं शिलान्यास व उद्घाटन समारोह, जहां हर लड्डू किसी न किसी की जेब काट रहा है। इसी सत्र में शाहपुर के विधायक केवल सिंह पठानिया ने सडकों, दफ्तरों और सार्वजनिक स्थानों पर स्क्रैप के ढेर को कुरेदा तो मालूम हुआ कि चिंता होनी चाहिए। अगर इस कबाड़ को ही हटा दें, तो कोई कबाड़ी हमारी हस्ती सुधार देगा। इससे भी पहले प्रश्न तो व्यवस्था और ठेकेदारी प्रथा से है। अब यह कैसे ठेके और कौन सी पहुंच के ठेकेदार कि निर्माण पूरा होता नहीं और बिल भुगतान तक पहुंच जाते हैं। कोई बताएगा कि खराब सोलर लाइटों के अवशेष कहां गए। खराब ठहराई जा चुकी पेयजल परियोजनाओं की पाइपें कहां-कहां दफन हैं। दवाइयां सरकारी स्टोरों में पड़े-पड़े अपनी उम्र जाया कर देतीं, मगर यह नहीं कि कोई जिम्मेदारी ले। सरकारी क्षेत्र को बचत के लिए निजी क्षेत्र के संयम से सीखना होगा। प्रदेश के भवनों का ऑडिट होना चाहिए। अगर कॉमन पूल के भवन, कॉमन पूल की गाडि ?ां और विभागीय उद्देश्यों में तालमेल हो तो बचत बढ़ सकती है।

आश्चर्य यह कि धर्मशाला स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत कई विभागों के गेट बनाने में ही लाखों व्यय हो गए। सरकारें निरंतरता में काम करना भूल गई हैं, जबकि इस प्रदेश में सरकारों ने मिशन रिपीट का बोझ प्रदेश की छाती पर रख दिया है। पिछली कई सरकारों के चौथे-पांचवें वर्ष के खर्च का अनुपात सामने लाएं तो मालूम होगा कि कितने ही अनावश्यक फैसलों का गर्द हमारे खजाने में जमा है। अब कुछ समय के लिए मोरेटोरियम शब्द का उच्चारण पॉलिसी के तहत होना चाहिए। राजनीतिक विद्वेष या विरोध के कारण भी हम खाली जेब से अपना श्रेय और विपक्ष का क्लेश पैदा करते हैं। औपचारिकताएं, बैठकों के जलसे और राजनीतिक शगुन के हथकंडे अगर रुके होते तो हमारी नीतियां बोलतीं। सरकारें आती-जाती रहीं, लेकिन किसी ने यह नहीं सोचा कि स्थायी ट्रांसफर पॉलिसी बनाई जाए। हमने जनापेक्षाओं की खरीद में बजट उजाड़े हैं, वरना किसने कहा कि कुछ यूनिट बिजली फ्री कर दो। किस महिला ने मांग की थी कि उसके लिए बस किराए में छूट दी जाए। जनता सुशासन मांगती है। हर सरकारी पाई का हिसाब जानती है।

वैकल्पिक ऊर्जा है कहां?

ईरान युद्ध के कारण परिस्थितियां ऐसी बनी हैं कि पहली बार जीवाश्म (फॉसिल, कोयला-तेल आदि) ईंधन पर बहस छिड़ी है। यह जलवायु-परिवर्तन के कारण नहीं है, बल्कि तेल-गैस को बाधित करना और उनकी उपलब्धता सीमित होने के मद्देनजर यह बहस छिड़ी है। दुनिया आनन-फानन में वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों पर केंद्रित नहीं कर सकती, क्योंकि वे बेहद सीमित हैं और कई देशों में उपलब्ध ही नहीं हैं। भारत ऐसा देश है, जहां सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, पनबिजली और परमाणु ऊर्जा का लगातार उत्पादन किया जा रहा है, लिहाजा लोग उनका प्रयोग भी कर रहे हैं। तेल-गैस संकट के इस दौर में सरकार ने मार्च में ही पीएनजी (रसोई में पाइपलाइन गैस) के 3.5 लाख से अधिक कनेक्शन दिलाए हैं। अब देश में इस गैस के मात्र 1.65 करोड़ से अधिक उपभोक्ता हैं। देश की आबादी 147 करोड़ से अधिक है। उसमें 33 करोड़ एलपीजी (रसोई गैस) के उपभोक्ता हैं। दरअसल पीएनजी का तो बुनियादी ढांचा ही बेहद सीमित है। पाइपलाइन की सुविधा कुछ बड़े शहरों की गिनी-चुनी कॉलोनियों में ही मौजूद है। तो देश का आम उपभोक्ता वैकल्पिक ऊर्जा की कल्पना भी कैसे कर सकता है, प्रयोग करना तो दूर की कौड़ी है? ईरान युद्ध के कारण तेल-गैस का संकट इतना व्यापक हो गया है कि लोग और व्यावसायिक ठिकाने लकड़ी और कोयले का चूल्हा जलाने पर विचार कर रहे हैं अथवा शुरू कर दिया है। धुआं और प्रदूषण काल की ओर वापसीङ्घ! जीवाश्म ईंधनों पर भारत की निर्भरता जलवायु-पर्यावरण का ही मुद्दा नहीं है, बल्कि सुरक्षा-संकट का सरोकार भी है। इस ऊर्जा-संकट से खाद्य-संकट भी जुड़ा है, यह चेतावनी विशेषज्ञ लगातार दे रहे हैं।